फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 299 प्रभात जयपुर, रविवार 1 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

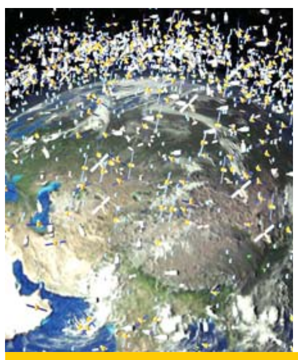

It's Space Warfare Now

The stakes are higher, consequences of military actions more complex, as the space domain is not a static battlefield but one that continuously evolves with new technologies and capabilities

Status, Upgraded

Japan's Ancient Art of Stress Relief

'मुझे गर्व है कि भारत-पाक के बीच युद्ध को मैंने ''व्यापार'' से रूकवाया, बंदूक की गोलियों से नहीं'

एक दिन में दूसरी बार, ट्रम्प ने जताया कि उन्होंने भारत-पाक का ''न्यूक्लियर युद्ध'' अपने व्यापार की ताकत से रूकवाया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- ट्रम्प ने भारत व पाकिस्तान को एक तराजू में तोला, यह भारत के लिए बहुत नाजायज़ बात है, क्योंकि युद्ध पहलगाम की घटना से शुरु हुआ, न कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर से।
- भारत का मल्टी पार्टी संसदीय प्रतिनिधिमंडल भी यह ही बात विदेश में कह रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल, तीन जून को वॉशिंगटन पहुंचेगा, गियाना, पनामा, कोलम्बिया और ब्राज़ील का अपना दौरा खत्म करके।
- जैसा कि विदित ही है, इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शशि थरूर कर रहे हैं।

नई दिल्ली, 31 मई। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा कि जिस डील पर उन्हें सबसे ज्यादा गर्व है, वो यह है कि वे व्यापार के जरिए भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोकने में सफल हुए।

गत कुछ सप्ताह में ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि वे दोनों युद्ध नहीं रोकेंगे, तो वे व्यापार बंद कर देगें।

यद्यपि गुरुवार को ही नई दिल्ली ने कहा कि पाकिस्तान के साथ टकराव के दौरान अमेरिका से वार्ता में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा था। एक तरह से भारत ने वाशिंगटन के इस दावे को ठुकरा दिया था कि उसने युद्ध बंद नहीं करने पर व्यापार बंद करने की धमकी दी थी। यह दावा खुद ट्रंप ने कई बार किया है।

ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि, मुझे लगता है कि जिस डील पर मुझे गर्व है, वह यह है कि हम भारत से डील कर रहे हैं, हम पाकिस्तान से डील कर रहे हैं और हम व्यापार के जरिए न्यूक्लियर वॉर रोकने में समर्थ हुए।

ट्रंप ने कहा, ''आम तौर पर वे गोलियों से ऐसा करते हैं। हम व्यापार के जरिए ऐसा करते हैं, इसलिए मुझे इस पर गर्व है। कोई भी इसके बारे में बात नहीं कर रहा है पर भारत और पाक के बीच बहुत खतरनाक युद्ध चल रहा था। दोनों परमाणु क्षमता संपन्न देशों के बीच का युद्ध बहुत बुरा होता जा रहा था।'' ट्रंप ने यह भी बताया कि अगले सप्ताह पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका आ रहा है। ट्रंप ने कहा कि ''जैसा आप जानते है हम इंडिया से डील करने के काफी करीब हैं।''

ट्रंप ने कहा, अगर वे दोनों एक दूसरे से युद्ध करते रहते तो मैं डील नहीं करता और मैने उन्हें यह बात बता दी थी।''

एक ही दिन में ट्रंप ने दो बार यह बात कही कि हमने भारत और पाकिस्तान को युद्ध करने से रोक दिया। मुझे यकीन था, इनका टकराव परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में एक प्रेस कान्फ्रेंस में यह बात कही। इसमें उनके साथ एलन मस्क भी थे, जिन्होंने ट्रंप प्रशासन को छोड़ दिया है। वे सरकारी कार्यकुशलता विभाग के प्रमुख थे।

ट्रंप ने आगे कहा, मैं भारत और पाकिस्तान के नेताओं को धन्यवाद देना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेड़ काटने के आरोपी को पौधे लगाने की शर्त पर अग्रिम जमानत

जयपुर, 31 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर पालिका के पार्क से पेड़ काटने से जुड़े मामले में आरोपी को उसी पार्क में नीम और पीपल आदि के 15 पौधे लगाने की शर्त पर अग्रिम जमानत का लाभ दिया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश

- हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि नगर पालिका झालरापाटन के ईओ की उपस्थिति में आरोपी पौधारोपण करे व एक साल तक पौधे की देखभाल करे।

रमेश चन्द की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता नगर पालिका ईओ की उपस्थिति में पौधारोपण करेगा और उनकी कम से कम एक साल तक देखभाल करेगा। वहीं, ईओ समय-समय पर यह जांच करेंगे कि याचिकाकर्ता इन पौधों की देखरेख कर रहा है या नहीं। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि इस निर्देश को सजा के तौर पर नहीं देखा जाए और इसे याचिकाकर्ता की स्वेच्छा से सेवा मानी जाए। अदालत ने कहा कि वैसे हर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेरिका ने एशियाई देशों को अपना डिफैंस बजट बढ़ाने की सलाह दी'

'सुसज्जित सेना व संगठित सेना ही चीन को रोक पायेगी'

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- शांग्रीला कॉन्फ्रैंस, जिसमें एशिया के लगभग सभी देश शामिल हो रहे हैं, की सिंगापुर में आयोजित बैठक में अमेरिका ने चीन के आक्रामक रवैये का उदाहरण देते हुए कहा कि चीन 2027 तक ताईवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। अतः अपना-अपना डिफैंस बजट बढ़ाकर साउथ ईस्ट एशिया के देशों को संगठित होना पड़ेगा, चीन का सामना करने के लिए।
- चीन ने इस शांग्रीला कॉन्फ्रैंस से अपने आपको दूर ही रखा है, शायद अमेरिका के डिफैंस सैक्रेटरी से मुलाकात टालने के लिए। क्योंकि, अमेरिका का मानना है कि अमेरिका तो ताईवान के साथ खड़ा ही है, पर एशिया के और देशों को भी अपनी सेना व आर्थिक मदद देनी चाहिए।
- अमेरिका का सुझाव है, एशिया में भी नाटो जैसा संगठन खड़ा करना चाहिए।

नई दिल्ली, 31 मई। अमेरिका ने एशिया में चीन की आक्रामकता के खिलाफ सामूहिक रक्षा तैयारियों और व्यापक सहयोग का आव्हान करते हुए अपने एशियाई सहयोगियों से रक्षा बजट बढ़ाने और तैयारियों को मजबूत करने की अपील की है।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हैगसथ ने चीन को एशिया में सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि चीन 2027 तक ताइवान पर हमला करने की सैन्य ड्रिल कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संप्रभु और स्वतंत्र ताइवान पर किसी भी हमले को अमेरिका मूक दर्शक बनकर नहीं देखेगा।

हालांकि, हैगसथ ने जोर देकर यह भी कहा कि ताइवान की रक्षा केवल अमेरिका की नहीं, बल्कि पूरे एशिया की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने दोहराया कि ताइवान हमेशा से एक स्वतंत्र राष्ट्र रहा है, और कम्युनिस्ट चीन ने कभी उस पर शासन नहीं किया।

हैगसथ सिंगापुर में आयोजित प्रसिद्ध शांग्री-ला कॉन्फ्रैंस में बोल रहे थे, जिसे सिंगापुर सरकार और अंतरराष्ट्रीय सामरिक अध्ययन संस्थान (इन्टर नैशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज़) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। यह एशिया का एक प्रमुख वार्षिक सम्मेलन है, जिसमें सभी एशियाई देशों के रक्षा प्रमुख क्षेत्र के सामरिक मामलों पर विचार-विमर्श करते हैं।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सी.डी.एस.) जनरल अनिल चौहान कॉन्फ्रैंस में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वहाँ उन्होंने पहली बार यह स्वीकार किया कि पाकिस्तान के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हाँ, हमने पाकिस्तान से युद्ध में कुछ विमान खोए'

पहली बार भारत ने कुछ भारतीय विमान मार गिराये जाने की बात स्वीकार की

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- सिंगापुर में आयोजित शांग्रीला कॉन्फ्रैंस में भारत के चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ ने इस बात पर भी जोर देकर कहा कि ''कितने भारतीय विमान मार गिराये गये यह संख्या महत्व नहीं रखती। महत्व इस बात का है कि हमने जान लिया, हमसे क्या गलती हुई थी और अब उन गलतियों को सुधार लिया गया है।''

नई दिल्ली, 31 मई। भारतीय सेना ने आज पहली बार इस बात की पुष्टि की कि पाकिस्तान के साथ मई में हुई लड़ाई में, सेना ने अनिर्दिष्ट (अनस्पेसिफाइड) संख्या में फाइटर जैट खोये थे। सेना ने यह भी कहा कि चार दिन तक चली वह लड़ाई न्यूक्लियर युद्ध के कगार तक नहीं पहुंची थी।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं के चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ, अनिल चौहान ने शनिवार को ब्लूमबर्ग टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ''महत्वपूर्ण बात यह नहीं कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे। अनिल चौहान इस समय ''शाँगरी-ला डायलॉग'' में शिरकत करने सिंगापुर गये हुए हैं।

उन्होंने पाकिस्तान के इस दावे को ''पूरी तरह गलत'' बताया कि उसने छः भारतीय लड़ाकू विमान मार गिराये। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट करने से इनकार कर दिया कि भारत ने कितने जैट खोये थे।

जब चौहान से लड़ाकू जैट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''वे क्यों गिराये गये, क्या गलतियां हुई थीं, यह महत्वपूर्ण है। संख्या महत्वपूर्ण नहीं है।''

चौहान ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के इस दावे पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अमेरिका ने न्यूक्लियर युद्ध को रोकने में मदद की। लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि यह कहना ''काल्पनिक'' है कि कोई भी पक्ष परमाणु हथियारों के उपयोग के करीब था।

उन्होंने कहा, ''मेरा निजी रूप से मानना है कि परम्परागत सैन्य कार्यवाही एवं न्यूक्लियर युद्ध की शुरूआत के बीच बहुत बड़ा फासला है।'' उन्होंने आगे कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए पाकिस्तान के साथ संवाद के रास्ते ''सदैव खुले हुए थे।'' उन्होंने कहा कि लड़ाई के चरम स्तर पर पहुंचने से पहले, ''कई ऐसे उप-स्तर भी थे, जिन्हें अपने विवादों को निबटाने के लिए काम में लिया जा सकता था'', तथा न्यूक्लियर हथियारों के विकल्प को काम में लेने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

चौहान ने पाकिस्तान द्वारा चीन तथा अन्य देशों से प्राप्त हथियारों की प्रभावशीलता के दावों को भी महत्वहीन बताया तथा कहा कि वे हथियार ''कारगर नहीं हुए।'' भारत के रक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बागीदौरा विधायक के सहयोगी को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 31 मई। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने विधानसभा में उठाए गए सवालों को वापस लेने के बदले रिश्वत लेने से जुड़े मामले में बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के चचेरे भाई और सहयोगी विजय कुमार पटेल की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पीठासीन

- विधानसभा में उठाये सवाल वापस लेने के बदले रिश्वत प्रकरण में एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने जमानत अर्जी खारिज की।

अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रकरण में अनुसंधान लंबित है और आरोपी पर गंभीर आरोप हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। अदालत पूर्व में एमएलए की जमानत अर्जी को भी खारिज कर चुकी है।

जमानत अर्जी में कहा गया कि न तो उसने परिवादी से रिश्वत की मांग की है और न ही उसे रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में ट्रायल पूरी होने में लंबा समय भी लगेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बीकानेर में पाकिस्तान ने आर्मी व एयरफोर्स की टोह लेने के लिए ड्रोन भेजे थे'

बीएसएफ के डीआईजी अजय लूथरा ने यह भी कहा कि बीएसएफ की सतर्कता से पाकिस्तान अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाया

- लूथरा ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भेजे गए सर्विलांस ड्रोन के बारे में बीएसएफ ने तुरंत आर्मी व एयरफोर्स को रिपोर्ट किया, जिन्होंने पाक के प्रयास को विफल कर दिया।
- लूथरा ने प्रैस कॉन्फ्रैंस कर बॉर्डर इलाकों में पाकिस्तान के ड्रोन आने की तमाम जानकारियाँ दी।
- लूथरा ने बताया कि अब हम अपनी बटालियन के साथ सीमा क्षेत्र में ''ऑपरेशन शील्ड'' के तहत मॉक ड्रिल कर रहे हैं।

बीकानेर, 31 मई। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डीआईजी (बीकानेर सेक्टर) अजय लूथरा ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान, बॉर्डर के इलाकों को निशाना बनाने की फिराक में था। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान, भारतीय सेना और एयरफोर्स के मूवमेंट की जानकारी लेना चाह रहा था। अधिकांश ड्रोन चीन और टर्की के बने हुए थे। इन सर्विलांस ड्रोन के बारे में बीएसएफ ने समय रहते आर्मी और एयरफोर्स को रिपोर्ट किया, जिसके दम पर इन्हें विफल कर दिया गया।

शनिवार को बीएसएफ के डीआईजी ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर बॉर्डर इलाकों में ड्रोन हमलों से जुड़ी तमाम जानकारियां दीं। उन्होंने कहा, बीएसएफ ने न सिर्फ सीमा की रक्षा की, बल्कि एयरफोर्स और आर्मी को लगातार इनपुट दिए, जिनके दम पर पाकिस्तान की सभी नापाक कोशिशों को नाकाम किया गया। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान, बीकानेर सेक्टर (बीएसएफ) ने पूरी मुस्तैदी के साथ अपने काम को अंजाम दिया था। लूथरा ने बताया, ''जैसलमेर और बीकानेर में पाकिस्तानी ड्रोन बड़ी संख्या में पाकिस्तान ने भेजे थे। जो पाकिस्तानी ड्रोन बीकानेर की तरफ आए थे, वे सर्विलांस करने आए थे। उनका मकसद सैन्य गतिविधियों की जानकारी करना था। 7 से 11 मई के बीच हम पाकिस्तान के हर हमले का जवाब देने के लिए तैयार थे। हम दुश्मन की एक-एक हरकत पर नजर रखे हुए थे। वो कुछ भी करता तो हम उसका माकूल जवाब देने में सक्षम थे।''

ऑपरेशन शील्ड के तहत आज (शनिवार) हो रही मॉकड्रिल में बीएसएफ भी एक्टिव है। बीकानेर दौरे पर प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि अगर वो एक गोली मारेंगे तो हम पूरा गोला मारेंगे। इसी संदर्भ में हम ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉकड्रिल कर रहे हैं। अजय लूथरा ने कहा- हम अपनी बटालियन के सेक्टर एरिया में संवेदनशील जगहों पर मॉकड्रिल कर रहे हैं। हमारे कैंपस में ही कोई गड़बड़ी होती है तो इससे कैसे निपटा जाएगा? इस पर भी काम करेंगे। बॉर्डर एरिया में अगर कोई नुकसान दुश्मन करता है तो वहां से लोगों को कैसे निकाला जा सकता है, इसकी भी मॉकड्रिल की जाएगी।

डीआईजी लूथरा ने बताया कि भारत-पाक सीमा से सटे गांवों में सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। सेंट्रल पीडब्ल्यूडी ने टेंडर कर दिया है, लेकिन परिस्थितियां बदलने के कारण ये काम रुक गया था। अब जल्दी ही सड़कों को सही करने का काम शुरू करवाया जाएगा। 1971 के युद्ध में भारतीय सेना के साथ मिलकर पाकिस्तान को पराजित करने में बीएसएफ की निर्णायक भूमिका रही थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बीएसएफ को 'प्रथम रक्षा पंक्ति' की उपाधि दी थी। ऑपरेशन सिंदूर में बीएसएफ ने फिर से उसी सम्मान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई'

जयपुर, 31 मई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक दिवसीय जयपुर दौरे के दौरान बड़ा बयान दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर खुलासा किया। जेपी नड्डा ने बताया कि क्यों बने भजनलाल शर्मा

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने, ''भजनलाल मुख्यमंत्री क्यों बने'' के प्रश्न पर यह टिप्पणी की और कहा, वे प्रधानमंत्री मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुँचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री। उन्होंने कहा ये विचारधारा के सच्चे सिपाही हैं, जो दिन-रात मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी आक्रामक रूख अपनाकर पाकिस्तान के साथ युद्ध के कथानक पर काबिज होना चाहते हैं?

यह जरूरी इसलिए भी हो गया है, क्योंकि मोदी के प्रबलतम समर्थकों में थोड़ी बेचैनी है कि जीतते हुए युद्ध के बीच भारत ने ''सीज़फायर'' को क्यों स्वीकार किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- देश में उभर रही आंतरिक बैचेनी को थामने के लिए ही नहीं, मोदी का आक्रामक होना इसलिए भी जरूरी है, ताकि, पाकिस्तान के प्रपोगैण्डा को ''काउंटर'' किया जाए।
- पाकिस्तान यह स्थापित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत दबाव में आ गया था, इसलिए भारत ने युद्ध को ''ठण्डा'' करने का निर्णय लिया।
- मोदी की आक्रामक शैली से राष्ट्रीय गौरव व गुरूर को छाने का मौका मिलता है तथा बेरोज़गारी, महंगाई व सुस्त इकॉनमी पर बहस, ''बैक ग्राउण्ड'' में चली जाती है।

नई दिल्ली, 31 मई 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों में हाल ही में भारी तेजी आई है, जिसमें राष्ट्रवादी भाषणों और पाकिस्तान पर आक्रामक तेवरों की भरमार है। इन रैलियों में राष्ट्रीय नैरेटिव पर दोबारा नियंत्रण पाने की एक रणनीतिक कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब सरकार बढ़ती जांच और आलोचना का सामना कर रही है।

भारत की सैन्य कार्रवाई जिसमें उसे बढ़त प्राप्त थी, को अचानक रोक देने से घरेलू स्तर पर खासा असंतोष हो गया है, विशेष रूप से मोदी के कोर राष्ट्रवादी वोटबैंक में। समझा जाता है। यह कदम अमेरिका के दबाव में उठाया गया। इसीलिए मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा में के मुद्दों पर और भी ज्यादा ज़ोर दे रहे हैं, और बालाकोट एयरस्ट्राइक तथा सर्जिकल स्ट्राइक जैसी पुरानी सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख कर, स्वयं को एक निर्णायक और मज़बूत नेता के रूप में दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

यह आक्रामक अभियान कई उद्देश्यों को साधता है, पर सबसे बढ़कर यह असल में नुकसान की भरपाई का प्रयास हैं। किसी स्पष्ट स्पष्टीकरण के बिना सैन्य कार्रवाई को अचानक समाप्त कर देना सरकार को आलोचना के घेरे में ले आया है।

विपक्ष अब रणनीतिक पारदर्शिता, भारत की संप्रभुता पर विदेशी प्रभाव और यह सवाल उठा रहा है कि भारत ने कथित रूप से बढ़त के बावजूद पीछे हटने का निर्णय क्यों लिया। लेकिन मोदी ने इन सवालों का प्रत्यक्ष रूप से जवाब नहीं दिया है। इसके बजाय, वह भावनात्मक रूप से तीव्र सार्वजनिक भाषणों और देशभक्ति की छवियों का उपयोग करके जनता का ध्यान दूसरी ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

इस प्रकार की बयानबाज़ी के पीछे एक महत्वपूर्ण प्रेरणा पाकिस्तान के उस अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव को काटना भी है, जिसमें यह दिखाया गया कि भारत ने दबाव में आकर तनाव कम किया। मोदी का आक्रामक स्वर इस धारणा को कमजोर करने और घरेलू व वैश्विक दोनों प्रकार के लोगों के लिए भारत की शक्ति का संकेत देने के लिए तैयार किया गया है। भारत की पूर्ववर्ती आक्रामकता और भविष्य की तत्परता पर ज़ोर देकर मोदी यह प्रयास कर रहे हैं कि भारत की क्षेत्रीय प्रभुत्व की स्थिति दोबारा स्पष्ट की जाए, साथ ही स्वयं को एक ऐसे वैश्विक नेता के रूप में पेश किया जाए जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपट सकता है।

यह अभियान संघ परिवार के भीतर से उठ रही असहमति और दबाव को भी निष्क्रिय करने की एक कोशिश है, खासकर आरएसएस के उन तत्वों से, जो संघर्षविराम से असहज बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री का नैरेटिव उनकी परंपरागत समर्थन आधार के साथ वैचारिक सामंजस्य को पुनः पुष्टि करता है और आगामी चुनावों से पहले उनके जोश को फिर से जगाने का प्रयास करता है। घरेलू स्तर पर, रैलियों की यह बाढ़ बेरोज़गारी, महंगाई और सुस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर पश्चिम राज्यों में मॉक ड्रिल

नयी दिल्ली, 31 मई। केन्द्र सरकार के निर्देश पर उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती राज्यों में आज 'आपरेशन शील्ड' के तहत, वायु हमलों से बचाव के लिए मॉक ड्रिल की गई।

केन्द्र शासित जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अलग अलग स्थानों में हुए इस अभ्यास में सिविल

- राजस्थान, जम्मू कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा, पंजाब व गुजरात में ''ऑपरेशन शील्ड'' के तहत मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

डिफेन्स और विभिन्न सरकारी एजेंसियों ने जनभागीदारी के साथ हवाई हमले से बचाव के प्रदर्शन किए।

सूत्रों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में अमर सिंह निवास में आयोजित इस मॉक ड्रिल में विभिन्न सरकारी और सिविज एजेंसियों ने भाग लिया। जम्मू में भी जिला प्रशासन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो एकांत में खुश रहता है वो या तो पशु है या देवता। –अज्ञात

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

यजुर्विद संहिता का एक सूत्र है:–**हरित्समुच्चयः शुभहेतुरेषः, स्वस्थंशरीरंमनसश्चशान्तिम्। विनाशयत्याशुगदांस्तथान्याः, सृजत्ययुंदीर्घमथोसमृद्धिम्।।** तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे–भरे पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो–निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल–धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिड़की से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिड़की के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है,बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों,जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना,जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ग्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला–बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा–दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समठाविवरण देखा जा सकता है।

अल्फ़ानो और साथियों (Environmental Research: 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियली मिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

कामी–बर्नाल और साथियों (Health and Place: 82, 2023) ने हरियाली और टाइप–2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप–2 मधुमेह की घटनाएं कम थीं।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है।

डिमाकोपुलू और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3,2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति–वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301,2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा–विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप)में 0.1 की वृद्धि से कार्डियो वैस्कुलर मृत्यु दर में 2–3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, 135–136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बर्ट्रैंड और साथियों (Public Health, 200:91–98, 2021) ने 13 एक्सपोजर–रिस्पॉन्स फंक्शन का उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health,141: 342–353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116,2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749 स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई ने विशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1–29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस–रुएडा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:469–477, 2019)ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशततक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783–1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैंसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा–विश्लेषण बताता है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैंसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर,हम अपने आस–पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: **वनंप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिंलभन्तेहृदये सदा वै। तनुः सुदृढ्यामनसः प्रसादं, विधायसेव्यंशमयेत्व्यथाश्च।।** तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार,वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना, उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्कों का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना और ब्लू–ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही,सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

सांस्कृतिक मूल्यों का सृजक : "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ"

डॉ. निमिषा गौड

जीवन में मूल्यों का अत्यंत महत्व है। मूल्यों के बिना जीवन दिशाहीन हो जाता है। मानवीय मूल्यों से युक्त समाज ही सशक्त, संगठित और वैभवशाली राष्ट्र की आधारशिला रख सकता है। जब समाज अपनी शक्ति और सामर्थ्य के बल पर खड़ा होता है, तब वह न केवल आत्मनिर्भर, बल्कि नैतिक रूप से भी समृद्ध होता है। सांस्कृतिक मूल्य वे आदर्श, मान्यताएँ, परंपराएँ और व्यवहार के तरीके होते हैं जो किसी समाज या समुदाय की संस्कृति का मूल आधार बनाते हैं। ये मूल्य पीढ़ी दर पीढ़ी परंपराओं, धार्मिक विश्वासों, नैतिक शिक्षाओं और सामाजिक अनुभवों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं।

हिंदू समाज की सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और संगठन के उद्देश्य से100 वर्ष पहले 1925 में विजयादशमी के पावन अवसर पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। उस समय जब विदेशी आक्रांताओं और विभाजनकारी शक्तियों द्वारा हिंदू समाज की एकता को खंडित करने के प्रयास हो रहे थे, तब डॉ. हेडगेवार ने आत्मगौरव, अनुशासन और एकात्मता की भावना जगाने हेतु शाखा प्रणाली की शुरुआत की।

उन्होंने ऐसा तंत्र खड़ा किया जो राष्ट्रभक्ति, आत्मबल और सांस्कृतिक मूल्यों के विकास में सहायक हो। संघ अपने प्रकार का विशिष्ट संगठन है, जिसकी तुलना किसी अन्य से नहीं की जा सकती। इसलिए इसे केवल पढ़कर या सुनकर समझना कठिन है। संघ जो संगठन के रूप में दिखाई देता है, उसकी जो विचार सृष्टि है वह वस्तुतः शाश्वत भारतीय है।

यह विचार शुद्ध है, सत्य और स्थायी है। सत्य की प्रतिष्ठा तब ही संभव है जब उसके पीछे शक्ति खड़ी हो। विश्व–कल्याण और मानवता के उच्च विचारों के बावजूद भारतीय सनातन संस्कृति आक्रांताओं की शिकार बनी, क्योंकि समाज में शक्ति का अभाव था। इसलिए संघ ने समाज को सशक्त करने को अपना लक्ष्य बनाया। इसकी कार्यपद्धति का मूल है – व्यक्ति निर्माण। यह स्पष्ट है कि जब समाज का आचरण बदलता है, तो परिवेश स्वतः बदलता है। किंतु समाज का आचरण बदलने के लिए भी वातावरण का निर्माण करना पड़ता है, यही कार्य संघ करता है। संघ का मूल उद्देश्य है – हिंदू समाज को संगठित, संस्कारित और बलसंपन्न बनाना, जिससे वह मातृभूमि की रक्षा में समर्थ बन सके। उसका आदर्श वाक्य है–

–'**संघे शक्ति कलौयुगे**' अर्थात् इस कलियुग में शक्ति संगठन में निहित है और लक्ष्य है–'**परमवैभवं नेतुमेतत स्वराष्ट्र**' अर्थात इस राष्ट्र को परमवैभव सम्पन्न बनाना। जब समाज एक विचार, एक संकल्प और एक ध्येय से जुड़ता है, तभी एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होता है।

संघ केवल विचार नहीं देता, वह उन्हें जीवन में उतारने पर बल देता है। जैसे शारीरिक बल के लिए व्यायाम आवश्यक है, वैसे ही मानसिक और सांस्कृतिक बल के लिए साधना भी जरूरी है, जो शाखा के माध्यम से होती है। शाखा का संचालन परम पवित्र भगवा ध्वज को गुरु मानकर किया जाता है, जो आत्मगौरव, समर्पण, त्याग, शौर्य और आदर्शों का प्रतीक है। संघ समय और समाज की आवश्यकता के अनुसार स्वयं को ढ़ालने और बदलाव का स्वागत करने वाला संगठन है। संगठन संरचना और शाखाओं के स्वरूप में भी परिवर्तन आया है, किन्तु संघ के शाश्वत मूल्य आज भी अडिग हैं।

शाखाओं में प्रतिदिन स्वयंसेवक एकत्र होते हैं – शारीरिक अभ्यास, खेल, गीत, बौद्धिक चर्चा और समरसता के वातावरण में राष्टीय भावना को आत्मसात करते हैं। यह केवल संगठन नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण की प्रयोगशाला है। भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने वाली शक्तियों में राष्टीय स्वयंसेवक संघ एक प्रभावशाली स्तंभ है। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन है जिसने पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम, सेवा और भारतीय संस्कारों और शाश्वत जीवन मूल्यों से जोड़ा है।

संघ की मान्यता है कि किसी राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान उसकी जीवन दृष्टि से बनती है, जो भाषा, भेष और सीमाओं से ऊपर उठकर एक समरस सांस्कृतिक समाज की कल्पना करती है। संघ की बैठकें, उत्सव, शाखाएँ और शिविर इस सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखने और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। मातृभूमि की रक्षा केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि क्रियात्मक होनी चाहिए। जैसे मंदिर की प्रतिमा की रक्षा संकट के समय आवश्यक होती है, वैसे ही राष्ट्र की रक्षा हेतु समाज को संगठित और सजग रहना चाहिए। संघ का स्वयंसेवक इस आदर्श को जीता है – वह केवल विचार नहीं करता, उसे आचरण में उतारता है।

संघ के स्वयंसेवकों के जीवन में भगवान परशुराम जैसे आदर्शों की प्रेरणा दिखाई देती है, जिन्होंने धर्म और पितृभक्ति की रक्षा के लिए कठोर संकल्प लिए। उसी प्रकार स्वयंसेवक मातृभूमि की सेवा और रक्षा को परम धर्म मानकर अपना जीवन समर्पित करता है। उसकी भक्ति शब्दों में नहीं, कर्म में प्रकट होती है। उसके जीवन आचरण से राष्ट्र प्रथम का भाव चरितार्थ होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मत है कि हिंदू समाज की एकता, आत्मबल और सांस्कृतिक गौरव ही भारत को पुनः विश्वगुरु बना सकते हैं। 'हिन्दू' वह है जो विविधता में एकता की संस्कृति पर विश्वास करता है, अपने पूर्वजों का गौरव करता है, इस धरती को माता मानता है और इसकी संस्कृति का उपासक है। संघ का उद्देश्य किसी राजनीतिक लाभ से नहीं, बल्कि समाज में राष्ट्रीय भाव के जागरण से जुड़ा है। यही कारण है कि वह प्रत्यक्ष राजनीति से दूर रहकर शिक्षा, सेवा, ग्राम विकास, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण आदि क्षेत्रों में कार्यरत है।

संघ के प्रतिवेदन 2024–25 के अनुसार देश भर में प्रतिदिन कुल 83,139 शाखाएं चल रही है। हर वर्ष लाखों युवा, विशेषकर 14–25 आयु वर्ग के संघ से जुड रहे हैं। संघ वेबसाइट के माध्यम से साल 2012 से अब तक 12,72,453 से अधिक लोगों ने संघ से जुडने में रुचि दिखाई है, जिनमें से 46 हजार से अधिक युवतियां एवं महिलाएं हैं। देशभर में कुल 89,706 सेवा गतिविधियां चल रही हैं, जिनमें से 40,920 शिक्षा के क्षेत्र में, 17,461 चिकित्सा सेवा से संबंधित, 10,779 स्वावलंबन के क्षेत्र में तथा 20,546 सामाजिक जागरण से संबंधित गतिविधियां हैं। संघ की प्रेरणा से अनेक संगठन समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। वनवासी क्षेत्रों से लेकर नगरों तक और शिक्षा से सेवा तक–संघ की प्रेरणा से सेवा भारती, विद्या भारती, संस्कार भारती, वनवासी कल्याण आश्रम जैसे अनेक संगठन समाजोत्थान में कार्यरत हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मात्र एक संगठन नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना है, जो भारत की सनातन परंपरा को जीवित रखने, आत्मगौरव जगाने और भावी पीढ़ी को सशक्त व संस्कारित करने हेतु सतत प्रयत्नशील है।

–डॉ. निमिषा गौड,
सहायक आचार्य
कनोड़िया पी. जी. महिला
महाविधालय जयपुर।

सांवलिया सेठ के एक माह के भंडार व भेंट कक्ष से 26.77 करोड़ रुपए की आमद

■ 131 किलो चांदी व 627 ग्राम 260 मिलीग्राम सोना भी प्राप्त हुआ

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्रीसांवलिया जी सेठ के दरबार में गत 26 मई को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में पांचवें चरण में संपन्न हुई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया शनिवार शाम को संपन्न हुई पांचवें चरण की गिनती से 5 लाख 38 हजार 496 रूपए की नगद प्राप्ति हुई। इससे पूर्व चार चरणों में हुई भंडार गिनती से 20 करोड़ 42 लाख 70 हजार रूपए नगद प्राप्त हुए थे। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि इसके अलावा मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से ऑनलाइन व मनी ऑर्डर भेजकर एवं स्वयं उपस्थित होकर 6 करोड़ 29 लाख रूपए भेंट स्वरूप जमा किए। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि पांचों चरणों की गिनती को मिलाकर भंडार से 20 करोड़ 45 लाख 08 हजार 496 रुपए नगद एवं मंदिर कार्यालय में 6 करोड़ 29 लाख रुपए भेंट जमा हुए हैं। इन सब को मिलाकर भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह में 26 करोड़ 77 लाख 8 हजार 496 रूपए की कुल आमद हुई।

टेलर ने बताया कि भंडार से निकले सोने–चांदी एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने–चांदी का तोल भी किया गया, जिसमें भंडार से 388 ग्राम सोना व 57 किलो 700 ग्राम चांदी प्राप्त हुई एवं मंदिर कार्यालय से 239 ग्राम 400 मिलीग्राम सोना एवं 73 किलो 260 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप प्राप्त हुई। भंडार गिनती में भादसोड़ा नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भेरुगिरी गोस्वामी, लेहरी लाल गाडरी, जितेन्द्र त्रिपाठी सहित मंदिर एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

भगवान श्रीसांवलिया जी सेठ के दरबार के भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर कर्मचारियों ने की।

बाल विवाह रुकवाया

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के मेड में बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन ने बाल विवाह रुकवाकर परिजनों को पाबंद किया। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया कि विराटनगर थाना क्षेत्र से एक नाबालिग ने सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर के समक्ष एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि आगामी चार जून को उसके माता–पिता नाबालिग अवस्था में उसकी शादी करवाना चाहते हैं। जिस पर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर कुमार मोहन ने संज्ञान लेते हुए पुलिस थाना विराटनगर से मामले की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। जांच में प्रार्थीया नाबालिग का विवाह तय होना पाया गया। जिस पर प्रार्थीया के माता–पिता, चाचा–चाची के विरुद्ध इस्तगासा अंतर्गत धारा (13)6 बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 में सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर में पेश कर पाबंद करवाया। वहीं ग्राम पंचायत सरपंच को न्यायालय ने परिजनों द्वारा नाबालिग का विवाह बालिग होने तक नहीं करने के निर्देश दिए। नाबालिग को राजस्थान सरकार द्वारा संचालित बाल कल्याण समिति जयपुर में दाखिल कराया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रैली निकाली

भीलवाड़ा, (निसं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस–2025 के अवसर पर शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महात्मा गांधी राजकीय जिला चिकित्सालय के मुख्य पोर्च से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए तंबाकू के विरुद्ध जागरूकता का संदेश प्रसारित करती रही।

रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी. पी. गोस्वामी एवं पीएमओ डॉ. अरुण गौड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. गोस्वामी के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में शहर के विभिन्न नर्सिंग संस्थानों के प्रशिक्षणार्थी एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागी हाथों में तंबाकू निषेध से संबंधित संदेशों वाले पोस्टर, बैनर व नारे लिए हुए थे, जिनके माध्यम से आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों जैसे कैंसर, हृदय रोग व श्वसन संबंधी समस्याओं के बारे मे जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने बताया कि हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तंबाकू के सेवन को रोकना और इससे होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आमजन से आव्हान किया कि वे इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें।

राशिफल रविवार 1 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 9:36 तक, धुव्र योग प्रातः 9:11 तक, कौलव करण प्रातः 8:08 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 9:36 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–कर्क, बुध–वृष, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 9:29 तक है। यमघट योग रात्रि 9:36 से सूर्योदय तक है। आज अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा, जामित्री षष्टी, शीतला छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:19 से 9:01 तक, लाभ अमृत 9:01 से 12:24 तक, शुभ 2:06 से 3:48 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

मेष
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज नये–पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यक्तिगत/पारिवारिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

तुला
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बढ़ेगा।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है और बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों का समकालीन भारत में पुनर्निर्माण भाजपा शासन में : जे.पी.नड्डा

राजमाता होल्कर की तर्ज पर महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है भाजपा सरकार : भजनलाल शर्मा

- 'जो जनता के लिए जीता है उसे दुनिया याद करती है, जो खुद के लिए करता है वह सब नजर में आता है'
- लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की न्यायप्रियता और उनका अद्वितीय नेतृत्व सराहनीय : मदन राठौड़
- राजमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित हुई मातृशक्ति

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से शनिवार को अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती समारोह भव्य रूप से मनाया गया। समारोह से पूर्व जवाहर सर्किल से लेकर एंटरटेनमेंट पैराडाइज तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर जीवित रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि "राजमाता अहिल्या बाई होल्कर ने 18वीं शताब्दी में महिला सशक्तिकरण के लिए अपार कार्य किए। उनका जीवन प्रेरणा का स्त्रोत है। वह एक महान समाज सुधारक, धार्मिक नेता, न्याय मूर्ति, सुशासक और सांस्कृतिक संरक्षक थीं। उनके योगदान को हमें हमेशा याद रखना है और उनके आदर्शों पर चलना होगा।"

नड्डा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बना रहे हैं। हम नारी सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और धार्मिक समृद्धि के रास्ते पर चल रहे हैं, जैसा कि राजमाता अहिल्या बाई होल्कर ने किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में किए गए महिला सशक्तिकरण कार्यों का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों को आज भी जीवित रखा है। अहिल्याबाई होल्कर के जीवन में भी बाह्य सुरक्षा खतरे में थी, आतंरिक कलह था, आर्थिक मंदी थी लेकिन जिस तरह राजमाता ने आपदा को अवसर में बदला, ठीक उसी तर्ज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज आपदा को अवसर में बदल रहे है और नए भारत की नई तस्वीर वैश्विक पटल पर रख रहे है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया ने अहिल्या बाई होल्कर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि होल्कर ने सिद्ध किया कि महिलाएं हर कार्य को सफलता से पूरा कर सकती हैं। चाहे फिर वो राशन का कार्य हो या फिर शासन का कार्य, महिलाओं ने अपनी क्षमता से हर क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अहिल्या बाई होल्कर ने अपनी परंपरा, नीति और विचार के माध्यम से देश को आगे बढ़ाया। उनके द्वारा स्थापित धार्मिक और सांस्कृतिक सुधारों का प्रभाव आज भी हमारी समाज की नींव में समाहित है।

मुख्यमंत्री ने अहिल्या बाई होल्कर को महिला सशक्तिकरण और न्याय की प्रतीक बताते हुए कहा कि लोकमाता एक दिव्य और विलक्षण महिला थीं, जिन्होंने सांस्कृतिक सशक्तिकरण से लेकर हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी। वे सैन्य और प्रशासन में प्रशिक्षित थीं। होल्कर ने सनातन संस्कृति की सच्ची संरक्षिका के रूप में अपने जीवन को समर्पित किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी सनातन संस्कृति का उत्थान हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण को एक अहम एजेंडा बनाया है, और उन्होंने चार जातियों में देश को विभाजित करते हुए महिला, युवा, किसान, और मजदूर के कल्याण एवं उत्थान की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में बेहतर कार्य कर रही है। भाजपा के संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीयता की भावना पूरे देश में देखी जा रही है, और राजस्थान में तिरंगा यात्रा का आयोजन भी एक बड़ा उदाहरण है। इन यात्राओं से राज्य में एक नया जोश और उत्साह पैदा हो रहा है। सीएम शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और बहुत जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखने का सपना हमारी पीढ़ी ने देखा है, और हम इस दिशा में पूरे देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि हमें महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने जनता के लिए जीवन जीया। उनके जीवन को आत्मसात करना चाहिए और उनके आचरण को अपनी ज़िन्दगी में उतारना चाहिए। यही भारत की नई पहचान होगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जेपी नड्डा की नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के मार्गदर्शन में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी बनी है। इन्होंने ना केवल संगठन में बल्कि केंद्र सरकार में रहते हुए आमजन के लिए बेहतर योजनाओं को क्रियान्वयन किया है। इसी तर्ज पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आम आदमी के जीवन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में कार्य करते हुए राजस्थान के विकास के लिए नए आयाम स्थापित कर रहे है।

पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती पर एंटरटेनमेंट पैराडाइज में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड, सांसद मंजू शर्मा, राव राजेंद्र सिंह, दामोदर अग्रवाल, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर सहित कई अन्य भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला ने मंच संचालन किया। भाजपा पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को 51 किलो की फूल माला से स्वागत-अभिनंदन भी किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मातृ शक्ति, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से शनिवार को अहिल्या बाई ह ोल्कर की 300वीं जन्म जयंती समारोह भव्य रूप से मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का भाषण शुरू होते ही सभागार से जनता जाने लागी। नड्डा का भाषण खत्म होते-होते सभागार पूरा खाली हो गया।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से जवाहर सर्किल से लेकर एंटरटेनमेंट पैराडाइज तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाग लिया।

प्रदेश में एक दिन में करोना के नौ नए केस, 19 भर्ती

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमितों के केस दिन-प्रतिदिन बढते जा रहे है। शुक्रवार को विभिन्न जिलों से कोविड के 9 नए मामले सामने आए हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। खास बात यह है कि ये मामले प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों से रिपोर्ट हुए हैं। चिकित्सा विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार सभी जिलों में जयपुर एक बार फिर हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहा है। इनमें एसएमएस 4, एम जेनिक्स जयपुर 1, रिलेबल जयपुर 1, जीएमसी उदयपुर 1, आरएनटी उदयपुर 2 संक्रमित पाए गए। प्रदेश में कोविड-19 के केसों की बात की जाए तो सबसे अधिक मामले जयपुर में है, शनिवार को 9 नए मरीज मिले हैं। इनमें चित्तौड़गढ़ 48 वर्षीय महिला, दौसा 52 वर्षीय पुरुष, जयपुर 29, 50, 70 वर्षीय पुरुष और 37 वर्षीय महिला, सीकर 64 वर्षीय महिला, राजसमंद 70 वर्षीय महिला, उदयपुर 33 वर्षीय पुरुष है। फिलहाल 19 मरीज अस्पतालों में भर्ती जयपुर के साकेत में 2, जेके लोन, एसएमएस, राजस्थान और गुप्ता हॉस्पिटल में 1-1, उदयपुर आरएनटी में 2, जोधपुर एम्स में 11 मरीज भर्ती है।

प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया

जयपुर। गोविंदनगर पश्चिम आमेर रोड स्थित शिवम् पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में 91 प्रतिशत से 98 प्रतिशत तक सैकेण्डरी और सीरियर सैकेण्डरी परीक्षा में अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान बच्चों को उनके घर जाकर सम्मानित किया। विद्यालय के सचिव जी.एस. गर्ग ने अध्यापकों और अभिभावकों को बधाई दी। इस दौरान जुलूस भ्ज्ञी निकाला गया। विद्यालय की छात्रा यशस्वी सोनी को 12वीं कला में 97.17 फीसदी, उर्वशी सावलानी को 12वीं कला में 96.83 फीसदी, परमजीत कौर को 12वीं कला में 94.50 फीसदी, ताराचंद सैनी को 12वीं कला में 96 फीसदी, वंदना शर्मा को 12वीं कला में 94.20 फीसदी, शोभादेवी को 12वीं कला में 93.33 फीसदी, हिमेश सैनी को 12वीं विज्ञान में 93 फीसदी, अंशिका पंवार को 12वीं कला में 91.67 फीसदी, नैतिक अग्रवाल को 12वीं विज्ञान में 91.60 फीसदी व यशस्वी सिंह को 12वीं कला में 90.67 फीसदी अंक प्राप्त किये।

प्रदेश में 3355 ग्राम पंचायतें टी.बी. मुक्त : भजनलाल शर्मा

जयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। राजस्थान में चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना केन्द्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्राथमिकताओं में है। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनसे 'निरामय राजस्थान' की संकल्पना साकार होने लगी है। शर्मा द्वारा मानव सेवा में समयबद्ध निर्णयों के सफल परिणाम नजर आने लगे हैं।

नड्डा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर सराहना की। नड्डा ने कहा कि चिकित्सकीय कार्य मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इनमें विभागीय अधिकारी, चिकित्सक और समस्त कार्मिक पूर्ण मनोयोग से अपनी महती जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि मंत्रालय स्तर पर प्रदेश से सम्बंधित सभी विषयों का शीघ्र ही सकारात्मक समाधान किया जाएगा। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं की नियमित समीक्षा करने, बीमारियों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने, कैंसर उपचार आदि पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) सेल गठित की है। यहां राज्य सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजें, जिन्हें मंत्रालय स्तर पर अध्ययन कर लागू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की ओर से नेत्र रोग सम्बंधित योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनको राज्य सरकार जनहित में आगे बढ़ाए। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत समयबद्ध रूप से बजट का सदुपयोग करें, ताकि रोगियों को बेहतर इलाज मिल सके। प्रदेश में गैर संचारी रोग के प्रति भी जनजागरूकता फैलाई जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन, 15वें वित्त आयोग से आवंटित राशि की प्रगति, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, स्वास्थ्य बीमा योजना, केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर राज्यपाल ने तंबाकू त्यागने का किया आव्हान

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हॉस्पिटल एवं कैंसर केयर की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने तंबाकू से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से तंबाकू त्यागने का आव्हान किया। राज्यपाल ने कहा कि तंबाकू सिर्फ एक लत नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य और भविष्य पर सीधा प्रहार है। इससे मुक्ति केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को लाभ देती है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और चिकित्सालय के प्रबंध न्यासी विमल चंद सुराणा के स्वागत भाषण के साथ हुई। इसके पश्चात हॉस्पिटल द्वारा निर्मित जनजागरूकता फिल्म 'सांसों से मोहब्बत' का लोकार्पण किया गया, जो तंबाकू के दुष्परिणामों और उससे उबरने की प्रेरणा पर आधारित है।

राज्यपाल ने कहा कि तंबाकू एवं उसके उत्पाद चित्र एवं भाषा के माध्यम से लोगों को चेतावनी दी जाती है, इसके बावजूद लोग इसका सेवन करने कैंसर जैसी बीमारी को खुद की न्यौता देते हैं। उन्होंने लोगों को इस आदत से मुक्त होने का प्रण लेने के लिए प्रेरित किया। समारोह में चिकित्सालय की वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कैंसर केयर अध्यक्षा अनिला कोठारी ने बताया कि चिकित्सालय समय-समय पर कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते है। जिसके जरिए आमजन को तंबाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया जाता है। वहीं चिकित्सालय एवं कैंसर केयर की ओर से चलाए जा रहे निशुल्क कैंसर जांच एवं जागरूकता अभियान के तहत तंबाकू की गिरफ्त में आ चुके लोगों की कैंसर स्क्रीनिंग की जाती है।

इस मौके पर चिकित्सालय के अधिशासी निदेशक मेजर जनरल एससी पारीक (सेवानिवृत) ने चिकित्सालय की ओर से चलाई जा रही तंबाकू निवारण परियोजना के बारे में जानकारी दी।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम का शनिवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उद्घाटन किया।

शोक संदेश

अत्यंत दु:खित हृदय के साथ सूचित किया जाता है कि

चौधरी कुम्भाराम आर्य

के पौत्र एवं

श्री विजयपाल आर्य

तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता

श्रीमती सुचित्रा आर्य

के सुपुत्र पूर्व पंचायत समिति प्रधान

हमारे प्रिय

श्री विशुपाल आर्य

का स्वर्गवास दिनांक 26 मई, 2025 को हो गया है, जिनकी रस्म पगडी दिनांक 6 जून, 2025 तक नियमित बैठक आर्य निवास, इन्कमटैक्स कॉलोनी दुर्गापुरा (जयपुर) रहेगी।

रस्म पगड़ी के बाद 8 जून, रविवार एवं 9 जून, सोमवार को नेहरू नगर नोहर निवास श्रद्धाजंलि कार्यक्रम रखा गया है सभी को सूचित रहे।

शोकाकुल :

चौधरी विजयपाल आर्य (पिता), सुचित्रा आर्य (माता), प्रवीण आर्य (पत्नी) खुशी आर्य (पुत्री), ऋषिराज आर्य (पुत्र), रमेश पुनिया (बहनोई) अनुष्का आर्य (बहन), लोकेश पुनिया (भांजा), कुहू पुनिया, शलिनी आर्य (चाची) संगीता आर्य, आशिमा आर्य (बहन), शिवि आर्य एवं समस्त आर्य परिवार।

संपर्क नं. : 9462028619, 9414075798

बिजौलियां के ब्रजपुरा की सरकारी भूमि पर वन विभाग की टीम ने अवैध खनन पकड़ा

बजरी माफ़िया ने डम्पर से वन विभाग के रेंजर की सरकारी जीप को कुचलने का प्रयास किया

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में बिजौलियां के ब्रजपुरा में अवैध खनन माफियाओं द्वारा वन विभाग के रेंजर की सरकारी जीप को डंपर से कुचलने के प्रयास का मामला सामने आया है। रेंजर का आरोप है कि बड़े पैमाने पर हो रहे सेंड स्टोन के अवैध खनन की सूचना प्रशासन को दी गई थी, लेकिन वह मौके पर कोई नहीं पहुंचा। हमले के प्रयास को लेकर फिलहाल मांडलगढ़ वन विभाग के रेंजर ने बिजौलियां पुलिस को शिकायत दी है। घटना की जांच की जा रही है।

मांडलगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) मनेंद्रपाल सिंह चौधरी ने बताया कि मांडलगढ़ वन विभाग की टीम के साथ वे शुक्रवार शाम को तिलस्वां इलाके में गश्त पर निकले थे। तिलस्वां के पास महूपुरा और ब्रजपुरा इलाके में पहुंचे तो देखा कि करीब दस बीघा सरकारी (बिलानाम) भूमि पर धड़ल्ले से सेंड स्टोन का अवैध खनन चल रहा था। सेंड स्टोन के अवैध खनन में दो दर्जन से अधिक डंपर, लोडर, फोकलेन मशीनें, ट्रैक्टर कम्प्रेशर लगे हुए थे। मौके पर लग्जरी कारें और मोटरसाइकिलें खड़ी थी। वन विभाग की टीम को देखते ही अवैध खननकर्ताओं में अफरा-तफरी मच गई और वाहनों को भगा ले गए। कुछ वाहन छोड़कर चालक भी फरार हो गए। एक डंपर चालक ने सरकारी जीप को कुचलने का प्रयास किया गया। जीप ड्राइवर की सतर्कता से हम बच गए।

रेंजर चौधरी ने बताया कि मौके पर भारी मात्रा में सेंडस्टोन निकाला गया है, उससे साफ है कि यहां काफी समय से अवैध खनन हो रहा है और करोड़ों रुपए का सेंडस्टोन अब तक निकाला जा चुका है। ऐसा नहीं कि स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं हो। रेंजर ने बताया कि घटना के तुरंत बाद हमने बिजौलियां के तहसीलदार ललित डिडवानिया को सूचना दी, ताकि खनिज विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचे,

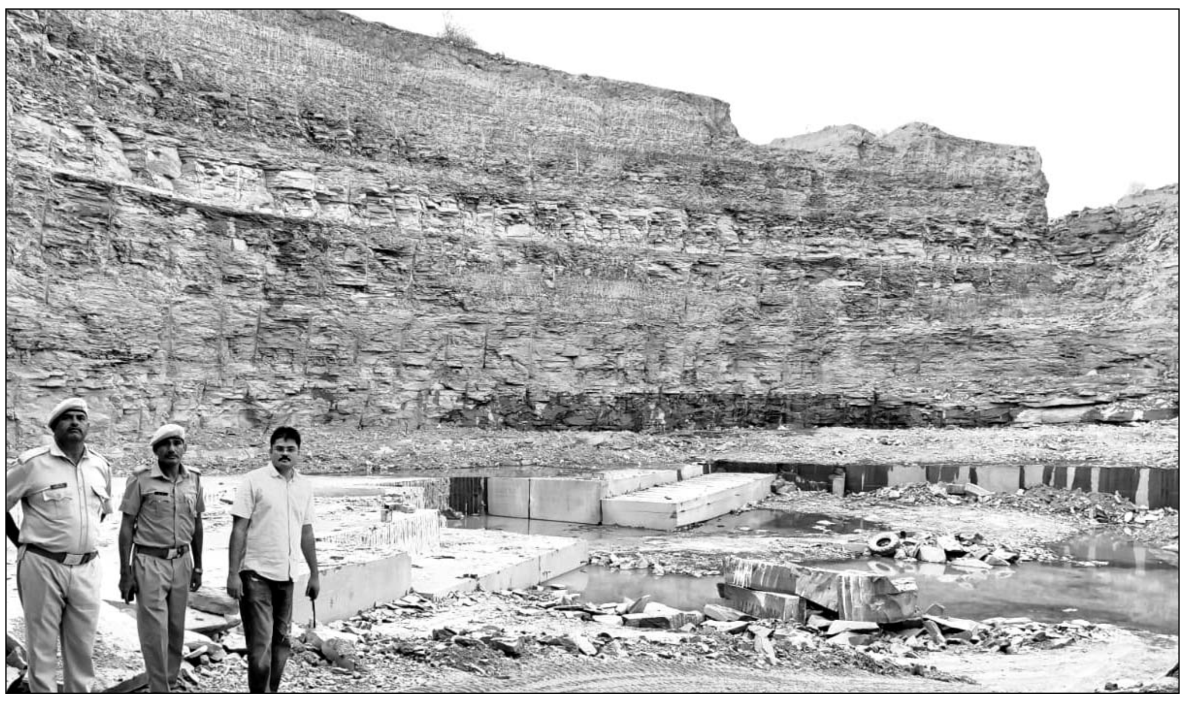

मांडलगढ़ में बिजौलियां क्षेत्र के ब्रजपुरा में वन विभाग की टीम ने बड़े पैमाने पर चल रही सेंडस्टोन की अवैध खदान पकड़ी।

- अवैध खदान में प्रयुक्त सभी वाहन और मशीनरी भगा ले गए अवैध खननकर्ता, कुछ वाहन छोड़कर चालक भी फरार हो गए
- रेंजर का आरोप है कि बड़े पैमाने पर हो रहे सेंड स्टोन के अवैध खनन की सूचना प्रशासन को दी गई थी, लेकिन 5 घंटे बाद भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा
- खनिज विभाग ने दूसरे दिन पहुँच कर अवैध खननकर्ता पर 5 लाख राशि का जुर्माना लगाया, लेकिन वाहन जब्त नहीं किए

लेकिन पांच घंटे बीत जाने के बाद भी कोई नहीं आया। इस बीच खदान पर अंधेरा हो चुका था और माहौल भी तनावपूर्ण हो गया था। खनन माफियाओं की हरकतों को देखते हुए वन विभाग टीम की सुरक्षा को देख जान बचाकर सुरक्षित निकलना पड़ा। अवैध खदान की वीडियोग्राफी करवाई है और मौका पर्चा तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दिया है। वहीं पूरी घटना के बारे में भी अवगत कराया गया है।

बिजौलियां तहसीलदार ललित डिडवानिया ने बताया कि खनिज विभाग के फोरमैन गिरिराज मीणा टीम के साथ अवैध खनन का मौका निरीक्षण किया। डिडवानिया ने बताया कि शुक्रवार को आधिकारिक बैठक में भाग लेने के लिए वह भीलवाड़ा गए हुए थे। लौटते समय अंधेरा हो गया, जिसके कारण मौके पर नहीं पहुंच सके। शनिवार सुबह उन्होंने खनन विभाग की टीम के साथ अवैध खदान का निरीक्षण किया, लेकिन वहां कोई वाहन आदि मौजूद नहीं था। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि एक बंद पड़ी अनुबंधित लीज के पास अवैध खनन किया गया है। इस संबंध में पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की गई है।

बिजौलियां थानाधिकारी लोकपाल सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं दी गई थी। घटना के अगले दिन, शनिवार को ई-मेल के माध्यम से अवैध खननकर्ताओं द्वारा डम्पर से सरकारी जीप को कुचलने के प्रयास इसकी सूचना प्राप्त हुई है।

बिजौलियां खनिज विभाग के फोरमैन गिरिराज मीणा ने बताया कि महूपुरा निवासी रामदेव भील के खिलाफ पांच लाख रुपए का पंचनामा तैयार किया गया है। मौके पर एक अनुबंधित लीज के पास खनन गड्ढे (पिट) पाए गए हैं। जिसका नाप लिया गया है और भविष्य में अवैध खनन नहीं करने के लिए पाबन्द किया गया है। मौक़े पर अवैध खनन में प्रयुक्त वाहन और मशीनरी नहीं मिली है। एक माह पूर्व भी इसी जगह अवैध खनन का पंचनामा बना कर अवैध खननकर्ताओं से पांच लाख राशि का जुर्माना वसूला गया है।

दूसरी ओर आसपास के ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध खनन पर कार्रवाई में मुख्य लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। काफी लंबे समय से बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध खनन पर प्रशासन के जिम्मेदारों की मिलीभगत से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

हनुमानगढ़ में होटल मालिक को गोलियों से भूना

आरोपियों ने 12 राउंड फायरिंग की, 4 गोली पीड़ित के सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों में लगी

हनुमानगढ़, (निसं)। यहां बदमाशों ने एक होटल के मालिक को गोलियों से भून दिया। आरोपियों ने 12 राउंड फायरिंग की। इसमें से 4 गोली पीड़ित के सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों में लगी।

पुलिस के अनुसार भादरा के अजय होटल में शाम 7.30 बजे हुई। हत्या के बाद दोनों युवकों ने फरार होने से पहले होटल की तरफ फिर से फायरिंग की। नोहर सेक्टर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज कंवर ने बताया कि शाम को सुरेश बिजारणियां पुत्र भानीराम निवासी डूंगरसिंहपुरा बायपास स्थित अपने होटल के बाहर बैठा था। होटल के बाहर बाइक रोककर दो युवक होटल परिसर में आए। इनमें से हेलमेट पहना युवक होटल की बिल्डिंग की ओर गया, जबकि दूसरा युवक होटल के बाहरी परिसर में किसी को ढूंढता दिखा। पुलिस सूत्रों की मानें तो वर्ष 2004 में धर्मपाल बागड़ी नामक व्यक्ति की हत्या हुई थी। जिसमें सुभाष बिजारणियां आरोपी था और कुछ समय जेल में रहा था। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने सुभाष को बरी कर दिया था। माना जा रहा है कि धर्मपाल बागड़ी की हत्या का बदला लेने के लिए ही सुभाष की हत्या हुई है।

12वीं के छात्र से चली रिवॉल्वर, गोली लगने से मौत

धमाका हुआ तो कमरे की तरफ भागे परिजन, लहूलुहान पड़ा था

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर इलाके में देर रात एक बच्चे की रिवाल्वर से चली गोली लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रायसिंहनगर के वार्ड नं. एक निवासी श्रवण धारणिया के घर पर रिवाल्वर से गोली चलने से बेटे सुजस की मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक 12 कक्षा में पढ़ने वाला छात्र सुजस अपने घर के कमरे था। इसी दौरान बालक के परिजनों ने अचानक गोली की आवाज सुनी तो कमरे गए। सुजस के गोली लगी हुई थी। जिस पर परिजन सुजस को अस्पताल लेकर गए जहां पर डॉक्टर ने बालक को मृत घोषित कर दिया।

रायसिंहनगर थानाधिकारी कलावती चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शाम के समय घटना की सूचना मिली जिस पर घटनास्थल का मौका मुआयना किया है और घटना की सूचना एफएसएल टीम को दी है। वहीं कमरे को सील कर दिया है। मृतक के शव को राजकीय चिकित्सालय की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

एफएसएल और एमओबी टीम के घटनास्थल के मौका मुआयना करने के बाद ही घटना के कारण का पता चल पाएगा। जानकारी के मुताबिक सुजस ने अभी 12 वीं कक्षा पास की थी और 2 बहनों का इकलौता भाई था। और घटना के समय वह घर में बने कमरे में अकेला था। उसी कमरे में उसके पिता श्रवण धारणिया का लाइसेंसी रिवाल्वर पड़ा था। इसी दौरान लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली चलने से सुजस की मौत हो गई।

रंजिश में दो परिवार के बीच मारपीट

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में दो परिवारों के बीच आपसी रंजिश के चलते आपस में मारपीट हो गई, जिसमें दोनों पक्षों के करीब नौ लोग चोटिल हुए। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है।

- मारपीट में नौ जने घायल हो गये

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 मई को फतहपुरा हनुमान कॉलोनी निवासी रजिया बानो पत्नी नवाब मो. एवं शमा बानू पत्नी मो. हुसैन के परिवार के बीच आपसी रंजिश के चलते मारपीट हो गई, जिसके चलते एक पक्ष के रजिया, नवाब, सुल्तान, जीशान तथा दूसरे पक्ष के सलमान, मो. हुसैन, आजाद, शमा बानू, सलीम चोटिल हो गए। इस मामले में रजिया बाना पत्नी नवाब मो. ने आरोपी पायल उर्फ शमा बानो, हुसैन, सलमान, शबाना, आसमा, गुड्डी, सलीम बिहारी के खिलाफ तथा शमा बानू पत्नी मो. हुसैन ने आरोपी रजिया, जीशान, सुल्तान, गनी मो., मो. हुसैन, सायरा, मुन्नी, रेशमा, गोलू, अर्श, आलीमा के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एएसआई किशनसिंह कर रहे हैं।

बारात की बस में अचानक लगी आग, बड़ा हादसा टला

निवाई, (निसं)। शनिवार की सुबह एक बारात की बस में अचानक आग लग गई, जिससे बस में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। समय रहते सभी बाराती बस से नीचे उतर गए, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ। मौके पर पहुंची दमकल ने बस में लगी आग को बुझाया।

- बाराती बस से सुरक्षित बाहर निकले, मौके पर पहुंची दमकल ने आग बुझाई
- बस टोडारायसिंह से गांव कैथुनिया वापस आ रही थी, 40-45 बाराती सवार थे

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर जलती हुई बस।

थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब 4.15 बजे बारातियों की बस टोडारायसिंह से गांव कैथुनिया वापस आ रही थी। बस में करीब 40-45 बाराती सवार थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 52 टोंक से जयपुर रोड पर पहाड़ी कट के समीप बस में तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई। उन्होंने बताया बस ज्यादा पुरानी नहीं थी। बस में बैठी सवारियां सुरक्षित बाहर निकल गई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है। दमकल द्वारा बस में लगी आग को बुझा दिया गया।

मदुराई में श्री अंबे माताजी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुये सतीश पूनियां

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने तमिलनाडु प्रवास पर

- राजस्थानी जन्मभूमि से लेकर कर्मभूमि और सनातन धर्म की उन्नित के लिए अथक परिश्रम करते हैः डॉ. पूनियां

मदुराई में प्रवासी राजस्थानियों द्वारा आयोजित श्री अंबे माताजी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थानी परिवारों को बधाई देते हुये श्री अंबे माताजी से राजस्थान एवं राजस्थानियों की उन्नित की कामना की।

इस अवसर परडॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि राजस्थानी जन्मभूमि से लेकर कर्मभूमि की उन्नित के लिए अथक परिश्रम करते हैं और अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आस्था एवं धर्म की मजबूती के लिए भी निरंतर कार्य करते हैं। आज मदुराई में श्री अंबे माता जी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम राजस्थानियों का सनातन के प्रति अटूट समर्पण दिखाता है। डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि, खूबसूरती हमारे सत्य सनातन धर्म में है, हमारी आस्था में है, हमारे लोकपर्व में है, राजस्थान की धरती के बारे में तो कहा जाता है कि राजस्थान वह धरती है जीवन जहां उत्सव है। उस उत्सव को आस्था के रूप में, अंबे माताजी की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में मदुराई के राजस्थानी समाज ने मनाया है, इस ऐतिहासिक आस्था के कार्यक्रम के लिए मदुराई में रहने वाले सभी राजस्थानी भाई-बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं, राजस्थानी देश-दुनिया के किसी भी कोने में कार्य करे, वह अपनी मिट्टी का मान हमेशा बढाता है, यह मुझे पूरा विश्वास है।

भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का मदुराई में प्रवासी राजस्थानियों ने स्वागत किया।

अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कुचला, दो बीटेक छात्रों की दर्दनाक मौत

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कूचल दिया। हादसे में कुचला जाने से दो बीटेक छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई।

- डबोक स्थित निजी कॉलेज से बीटेक कर रहे थे, जो परीक्षा देकर बाईक पर वापस सेवाश्रम स्थित अपने पीजी हॉस्टल आ रहे थे

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर में प्रताप नगर थाना क्षेत्र पावर हाउस चौराहा महिन्द्रा शोरूम के सामने अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में दो युवक भव्य (19) पुत्र पुनित पालिवाल निवासी लालबाग नाथद्वारा तथा तिलकराजसिंह (20) पुत्र हरनाथसिंह चौहान निवासी कला खेड़ी बडला नाथद्वारा की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलने पर प्रतापनगर पुलिस थाने के हेडकांस्टेबल अमरसिंह राठौड़ ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। भव्य एवं तिलकराज डबोक स्थित निजी कॉलेज से बीटेक कर रहे थे। जो परीक्षा देकर बाईक पर वापस सेवाश्रम स्थित अपने पीजी हॉस्टल आ रहे थे, जहां बीच रास्ते पिछे से आ रहे ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। हादसे में बाइक फंसने पर करीब आधा किलोमीटर तक ट्रक लेकर भागने के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस न ट्रक जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। तिलकराज अपने पिता की इंलोती संतान थी।

एक ही परिवार के दो पक्षों में झगड़ा

भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के कुम्हेर थाना इलाके में एक ही परिवार के दो पक्षों में झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान फायरिंग भी हुई है। दोनों पक्षों से दो-दो लोग घायल हुए हैं। वहीं एक व्यक्ति के सीने में छर्रे लगे हैं। जिसे आईसीयू में एडमिट किया गया है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया है।

- दोनों पक्षों से दो-दो लोग घायल, एक व्यक्ति के सीने में छर्रे लगे, एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस का जाब्ता तैनात किया

कुम्हेर थाना अधिकारी जितेंद्र चौधरी ने बताया कि उबार गांव में एक ही परिवार दो पक्षों में झगडा हुआ है। झगड़े के दौरान फायरिंग भी हुई है। दोनों पक्षों के दो-दो व्यक्ति घायल हुए हैं। चारों घायलों को आरबीएम अस्पताल में भर्ती किया गया है। गांव में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है, जिससे कि दोबारा दोनों पक्षों में झगड़ा न हो। झगड़ा किस बात को लेकर हुआ इस बारे में जांच की जा रही है। दोनों एक ही परिवार के पक्ष हैं इसलिए दोनों परिवारों में आपसी रंजिश है। जांच के बाद ही पूरा मामला साफ हो पाएगा। घटना में सुबह करीब आठ बजे की है। रमन सिंह और कुंवर सिंह एक परिवार के लोग हैं। दोनों में किसी पुरानी रंजिश को लेकर झगड़ा हुआ है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर फायरिंग भी की है। इस दौरान कुंवर जीत के सीने के पास छर्रे लगे हैं। वहीं उसके बेटे सचिन चौधरी के चोटें आईं हैं। दूसरे पक्ष की तरफ से रमन और महावीर घायल हुए हैं। कुंवर जीत को एडमिट किया गया है। दोनों पक्षों में किसी ने भी पुलिस में शिकायत नहीं दी है।

विराटनगर बार एसो. के वकीलों के साथ रास्ते में लोगों ने मारपीट की

हवाई फायर भी किया, मारपीट में एक वकील चोटिल, विराटनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के जयपुर-अलवर सड़क मार्ग पर बीलवाड़ी चौकी के सामने विराटनगर बार एसोसिएशन के वकीलों के साथ कुछ लोग मारपीट कर हवाई फायर कर फरार हो गए। इसके बाद घायल वकील अपने साथियों के साथ विराटनगर थाने पहुंचा। पुलिस को घटना की जानकारी दी। वकीलों के द्वारा करीब आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मारपीट करने एवं हवाई फायर करने की शिकायत दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। घटना में एक वकील के हाथ व मुंह पर चोट आई है। घटना के बाद बार एसोसिएशन में रोष व्याप्त हो गया। बार एसोसिएशन ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार कर दिया।

- मारपीट व हवाई फायर करने वालों की गिरफ्तारी तक वकिलों ने कार्य बहिष्कार का ऐलान किया

विराटनगर थाना पुलिस में एडवोकेट नागेन्द्र शर्मा पुत्र पीरूलाल निवासी तेवड़ी हाल निवासी विराटनगर ने शिकायत में बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे विराटनगर कोर्ट परिसर से एडवोकेट सतीश सैनी के साथ बाइक से शाहपुरा कोर्ट में विचाराधीन मामले की सुनवाई के लिए जा रहे थे। जैसे ही बीलवाड़ी घाटी से आगे पहुंचे तो तीन बाइक सवार व कार में सवार करीब 7-8 लोग ओवरटेक कर उनकी बाइक के आगे गाड़ी लगाकर बाइक रुकवा ली। वहीं बाइक सवार एक चश्मा पहने महिला उतरी तथा उसने वकीलों पर अभद्रता व छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए शोर मचाने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने महिला व उसके साथ मौजूद उसके पति को झूठा आरोप लगाने को लेकर बहुत समझाया। इसी दौरान सोची समझी साजिश के दौरान करीब आधा दर्जन लोग और आ गए एवं वकीलों से गाली-गलौच करने लगे। उनका इरादा उन्हें पैरवी पर जाने से रोकने का था, लेकिन वकील कैसे-जैसे पीछा छुड़ाकर पास ही स्थित बीलवाडी पुलिस चौकी गए, लेकिन महिला व उसके साथ बाइक व गाड़ी से आए लोग उनका पीछा कर वहां भी पहुंच गए।

इसी दौरान मौके से गुजर रहे एडवोकेट जयराम गुर्जर व श्रीराम गुर्जर अपने साथी वकीलों को देख वह भी रुक गए। उन्होंने महिला व उन लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन उन्होंने एडवोकेट जयराम गुर्जर व श्रीराम गुर्जर को भी घेर लिया एवं मारपीट शुरू कर दी। घटना में एडवोकेट श्रीराम गुर्जर के मुंह-जबड़ा पर चोट आई व हाथ में फ्रेक्चर हो गया। तभी घटना स्थल पर अन्य लोगों की भीड़ आते देख महिला व उसके साथ आए लोग मोटरसाइकिल व कार लेकर बीलवाड़ी की तरफ भाग गए। वहीं जाते-जाते कोर्ट की फाइल ले गए तथा जाते समय हवाई फायर किया तथा मामले में राजीनामा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी।

इधर इस घटना से बार एसोसिएशन विराटनगर के वकीलों में रोष व्याप्त हो गया एवं बार एसोसिएशन ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक कार्य बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया।

''ऑपरेशन शील्ड'' के तहत मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट का हुआ सफल आयोजन

जिला प्रशासन, पुलिस सहित संबंधित एजेंसियों एवं विभागों ने परखी अपनी तैयारियां

जयपुर। जयपुर जिले में शनिवार को ऑपरेशन शील्ड के तहत खातीपुरा रोड स्थित जयपुर मिलिट्री स्टेशन के रिहायशी इलाके में मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट का सफल आयोजन हुआ। जयपुर में शनिवार रात 8:15 बजे सायरन बजते ही जदुनाथ विहार, भारतेंदु नगर, जसवंत नगर, खातीपुरा का चुनिंदा परिधि क्षेत्र में आमजन ने स्वेच्छा से सभी लाइट बंद की। इस

- **खातीपुरा रोड स्थित जयपुर मिलिट्री स्टेशन के रिहायशी इलाके में हुआ आयोजन**
- **ब्लैक आउट के दौरान अंधेरे में डूबा जदुनाथ विहार, भारतेंदु नगर, जसवंत नगर, खातीपुरा का चिन्हित परिधि क्षेत्र**
- **आमजन ने स्वेच्छा से ब्लैक आउट का बनाया सफल, सभी लाइट कीं बंद**

जयपुर जिले में शनिवार को ऑपरेशन शील्ड के तहत खातीपुरा रोड स्थित जयपुर मिलिट्री स्टेशन के रिहायशी इलाके में मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट का सफल आयोजन हुआ।

दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री कुंवर राष्ट्रदीप की अगुवाई में यातायात पुलिस एवं पुलिस के जवानों ने आमजन को गाइडलाइन की पालना के लिए प्रोत्साहित किया।

इस दौरान वाहन चालकों ने सभी स्वेच्छा से वाहन को सड़क किनारे लगाकर वाहन की लाइट बंद की। इस प्रकार जयपुर में ऑपरेशन शील्ड के लिए चिन्हित क्षेत्र में ब्लैक आउट का सफल आयोजन देखने को मिला। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ब्लैक आउट के दौरान जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए आमजन का आभार जताया है।

इससे पहले जयपुर कलक्ट्रेट के नियंत्रण कक्ष में शाम पांच बजे एयर स्ट्राइक की सूचना मिलते ही सायरन बज उठे।

सायरन की आवाज से प्रशासन, पुलिस सहित एजेसियों और संबंधित विभागों के अधिकारी हरकत में आए। चंद ही मिनटों में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी मौके पर पहुंच गए एवं संपूर्ण अभ्यास की मॉनिटरिंग स्वयं की।

संभागीय आयुक्त पूनम एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे ग्राउंड को खाली करवाया। फायर ब्रिगेड के जवानों ने मोर्चा संभालते हुए बिल्डिंग में लगी आग पर काबू पाया। नागरिक सुरक्षा के जवानों ने बिल्डिंग में फंसे लोगों को अपने हुनर और प्रतिभा के दम पर सकुशल रेस्क्यू किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए घायलों को एंबुलेंस के जरिये स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, ईआरटी, एसडीआरएफ एवं एटीएस के जवानों ने पूरे परिसर की तलाशी लेकर संदिग्ध वस्तुओं की जांच की।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस, नागरिक सुरक्षा, नगर निगम, एसडीआरएफ, ईआरटी, एसटीएस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बेहतरीन आपसी सहयोग एवं समन्वय का प्रदर्शन करते हुए त्वरित रेस्पॉन्स एवं रेस्क्यू करते हुए ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट के सफल आयोजन में अपनी भूमिका निभाई।

रिलायंस डिजिटल की 'बूट अप इंडिया' सेल शुरू

जयपुर। रिलायंस डिजीटल को अपनी अब तक की सबसे बड़ी लैपटॉप सेल बूट अप इंडिया के लांच की घोषणा की है। यह सिर्फ सेल ही नहीं है, बूट अप इंडिया एक अभियान है जिसका एक शक्तिशाली उद्देश्य है। आज के छात्रों को कल के अवसरों के लिये तैयार करके उन्हें सशक्त बनाना, इस पहल का उद्देश्य यह दर्शाना है कि 31 मई से 31 अगस्त तक चलने वाली बूट अप इंडिया सेल सिर्फ एक शॉपिंग इवेंट ही नही है, बल्कि यह इंडिया की अगली पीढ़ि के लीडर्स, क्रियेटर और इनोवेटर्स के लिये एक सच्चा लांच पैड है। बूट अप इंडिया सेल में रिलायंस डिजीटल और माय जियो स्टोर्स पर आकर्षक ऑफर्स उपलब्ध हैं।

लैपटॉप, एक्सेसरीज और संबंधी अन्य जरूरी चीजों की आकर्षक कीमतों के साथ-साथ बूट अप सैल में कई बेहतरीन इनाम भी शामिल हैं।

देश भर के छात्रों के लिए 1 करोड़ की स्कॉलरशिप, 25 कार, 40 बाइक और 450 से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स जीतने का मौका हर ग्राहक के लिए निश्चित उपहार, जिससे हर खरीदारी को इनाम मिलेगा।

बूट अप इंडिया एक एकीकृत अभियान है जिसमें इन-स्टोर एक्टिवेशन, सोशल मीडिया संचार और विभिन्न क्षेत्रों में मेल-जोल संबंधी गतिविधियां करना शामिल हैं। यह अभियान आपकी क्षमताओं को बढ़ाने और टेक्नोलॉजी हर किसी के लिए पहुंच योग्य बनाने की रिलायंस डिजिटल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जेल से बंदियों को फरार कराने में मदद करने वाली एक महिला सहित दो गिरफ्तार

- **गिरफ्तारी में बंदी भंवरलाल की प्रेमिका शामिल है**

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने जेल से बंदियों को फरार कराने में मदद व रुपये ट्रांसफर कराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। जिसमें एक बंदी भंवरलाल की प्रेमिका पूनम देवी शामिल है। पुलिस जांच में सामने आया कि भंवरलाल की प्रेमिका पूनम देवी ने ही आरोपित धमेन्द्र को पैसे दिए थे। जहां आरोपित धमेन्द्र भारद्वाज ने ही पूर्व में गिरफ्तार आरोपित आलिम के खाते में पैसे ट्रांसफर किए थे। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ जा रही है। अब तक पुलिस ने इस मामले में बीस आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जयपुर जेल में बंद चार बंदियों को एसएमएस अस्पताल जयपुर में फरारी में मदद और रुपये ट्रांसफर कराने वाली पूनम देवी निवासी निवासी उत्तर प्रदेश हाल झोटवाड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित महिला पूनम देवी बंदी भंवरलाल की प्रेमिका है और वहीं रुपये ट्रांसफर करने वाले अन्य धर्मेन्द्र भारद्वाज निवासी झोटवाड़ा जयपुर को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित बंदी भंवरलाल और पूनम देवी के कहने पर ही आरोपित धर्मेन्द्र भारद्वाज ने पूर्व में गिरफ्तार आरोपित आलिम के खाते में पैसे ट्रांसफर किए थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ने बताया कि 24 मई को मुखबिर से सूचना मिली की केन्द्रीय कारागार से जो बदमाश उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल जयपुर में आ रहे है उनके फरार होने की योजना है। जिस पर सीआई एसएमएस अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। जहां जेल से उपचार के लिए आये रोगियों के बारे में जांच की गई तो पता चला कि पांच रोगी एसएमएस में उपचार के लिए आए थे। लेकिन वहीं गायब हैं मिल नहीं रहे। जानकारी जुटाई गई तो रोगियों के नाम सामने आये जिस में रफीक उर्फ बकरी निवासी न्यु संजय नगर कच्ची बस्ती थाना भट्टा बस्ती जयपुर, भंवर लाल निवासी जोबनेर जिला जयपुर, अंकित बंसल निवासी सीटी सोनी पंथ जिला हरियाणा और करण गुप्ता निवासी महेश नगर है। साथ की जानकारी मिली की जयपुर पुलिस गार्ड जो रोगियों को जेल से लेकर आई वह भी गायब हो गई हैं। जिस पर टीम एक्टिव की गई तो पता चला कि रफीक उर्फ बकरी और भंवरलाल जालूपुरा में एक होटल में गार्ड के साथ मिले और अंकित बंसल व करण गुप्ता एयरपोर्ट थाना इलाके में एक होटल से मिले। जिस के बाद लालकोठी थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। जिस पर जांच अधिकारी ने तेरह लोगों को गिरफ्तार किया। जिस में चार कैदी,पांच पुलिसकर्मी,चार प्राइवेट महिला और पुरुष शामिल थे।

साइबर ठगों ने युवती व छात्र नेता को बनाया शिकार

- **साइबर ठगों ने दोनों से करीब पौने तीन लाख रुपये ठगे**

जयपुर। शहर के गांधी नगर थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवती और छात्र नेता को शिकार बनाया है। साइबर ठगों ने दोनों से करीब पौने तीन लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

शाहपुरा हाल जेसी बॉस हॉस्टल निवासी धर्मेंद्र बड़बड़वाल ने गांधी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पास टेलीग्राम पर दो लोगों ने कॉल किया और एक एप में निवेश करने पर मोटा मुनाफे का झांसा दिया। इसके बाद आरोपियों ने उससे सात बार में 209998 रुपए डलवा लिए। इसके बाद आरोपियों ने न तो उसे मूल रकम लौटाई और ना ही मुनाफा दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने सबसे पहले 19999 और उसके बाद 59900, 25000, 25000, 25000, 25000 एवं 29999 रुपए डलवा लिए। वहीं दूसरी घटना में गांधी पथ वेस्ट लालरपुरा रोड निवासी मानसीपाल ने करणीविहार थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पास किसी ने बैंक कर्मचारी बनकर कॉल किया और कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ानी है। आपके पास ओटीपी आएगा वो बता देना। इसे बाद आरोपियों ने उसके दो अलग-अलग खातों से 25999, 23000 और 19950 रुपए निकाल लिए। ठगी का पता पीड़ित को मोबाइल पर बैंक से मैसेज आने पर लगा। इस पर पीडिता ने बैंक से सम्पर्क कर खाते का लेन देन बंद करवाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसएमएस अस्पताल में लगातार दूसरे दिन भी सर्वर रहा ठप, मरीज परेशान

रजिस्ट्रेशन, जांचें सहित अन्य प्रक्रियाएं रही प्रभावित

जयपुर। प्रदेश के सबसे बडे सवाई मानसिंह अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में लगातार सर्वर ठप होने की समस्या आ रही है। इसके चलते आए दिन मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सर्वर नहीं चलने से दूरदराज से इलाज के लिए आए मरीज बिना इलाज ही लौटने को मजबूर हो जाते हैं।

ऐसा ही एक नजारा शनिवार को भी लगातार दूसरे दिन भी एसएमएस अस्पताल में देखने को मिला। अस्पताल में करीब तीन घंटे तक सर्वर में तकनीकी खराबी रही। सर्वर नहीं चलने के कारण जांच के बिल नहीं कट सके, जिसके कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच रजिस्ट्रेशन के इंतजार में ओपीडी भवन में बैठे एक मरीज की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर गया, जिसे वहां मौजूद लोगों ने संभाला। अन्य मरीज भी सर्वर ठीक होने के इंतजार में घंटों खड़े रहे। मामले में अस्पताल के जिम्मेदारों का कहना है कि सर्वर की समस्या डीओआईटी की तरफ से आ रही है। इसमें अस्पताल की तरफ में कोई समस्या नहीं है।

जानकारी के अनुसार एसएमएस में शुक्रवार को भी सर्वर करीब एक घंटे तक डाउन रहा था और शनिवार को भी सर्वर डाउन रहने की स्थिति में व्यवस्था और बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीज हाथ में पर्ची लिए इधर उधर भटकते रहे लेकिन सर्वर नहीं चलने के कारण जांच के लिए बिल नहीं कटवा सके, जिसमें उनकी जांचे भी नहीं हो सकी। इधर इस तरह की समस्या में परेशान मरीजों के लिए हॉस्पिटल में वैकल्पिक व्यवस्थाओं का भी अभाव दिखाई दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल में सुबह सवा 11 बजे से लेकर दोपहर करीब दो बजे तक सर्वर में तकनीकी समस्या रही। इस दौरान बीमारी का इलाज करवाने आए एक मरीज की हालत बिगड गई। करीब दस मिनट मरीज को उसके परिजन और वहां ड्युटि पर तैना त सुरक्षा गार्ड ने संभाला, लेकिन कोई मेडिकल स्टॉफ वहां नहीं आया। काफी देर तक जब किसी भी स्टाफ ने मदद नहीं को तो मजबूरन मरीज के पिता उसे खेद में उठाकर डॉक्टर के कमरे तक ले गाए। जिसे बाद में डॉक्टर ने देखा। अस्पताल में तमाम संसाधन होने के बावजूद ओपीडी में बेहोश हुए मरीज को संभालने कोई नहीं पहुंचा, जिनके कारण अस्पताल में प्रदेश के कोने-कोने से आए लोगों ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए है।

हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ते का आदेश निरस्त किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक मामले में पत्नी के खुद को बेरोजगार बताकर पति से हर माह पन्द्रह हजार रुपए गुजारा भत्ता लेने से जुडे मामले में महिला उत्पीड़न कोर्ट के 2 अगस्त, 2023 के आदेश को निरस्त कर दिया है।

वहीं अदालत ने निचली अदालत के उस आदेश को बहाल किया है, जिसमें अदालत ने पांच हजार रुपए मासिक गुजारा भत्ता देने को कहा था। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश निशित दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान पति के अधिवक्ता मोहम्मद आदिल ने अदालत को बताया कि पत्नी ने घरेलू हिंसा कानून के तहत निचली कोर्ट में खुद व 7 साल की बेटी के लिए भरण-पोषण भत्ता दिलवाने का प्रार्थना पत्र दायर किया था।

सोलर प्लांट के नाम पर धोखाधड़ी मामले में आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोलर प्लांट के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में एक साल से आरोपित राहुल शर्मा उर्फ शंकर शर्मा निवासी महेश नगर हाल कार्यालय मानसरोवर जयपुर को पकडा है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित घरों में सोलर प्लांट लगाने का झांसा देकर भोले-भाले लोगों के साथ ठगी की वारदात करता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आरोपित राहुल शर्मा उर्फ शंकर शर्मा दर्ज मामले में जून 2024 से फरार चल रहा था और पुलिस ने बचने के लिए अपना ठिकाना और लोकेशन बदलता रहता था।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित राहुल शर्मा सोलर प्लांट लगाने का काम करता है और भोले भाले लोगों को झांसे में लेकर सोलर प्लांट लगाने व लगने वाले सामान के रुपये प्राप्त कर लेता है एवं रूपये मिल जाने के बाद कुछ दिनों तक टालमटोल करता रहता है। उसके बाद ठगी के रुपये लेकर फरार हो जाता है। पुलिस थाना मालवीय नगर द्वारा आरोपी की गत एक वर्ष से तलाश की जा रहीथी। लेकिन आरोपी बार बार अपनी लोकेशन खैरथल,भिवाडी, गुड़गांव बदलता रहा। इसके बाद तकनीकी सहायता से आरोपी का जोधपुर से गिरफ्तार किया गया।

मालवीय नगर थाना पुलिस ने शनिवार को आरोपी को पकडा है।

जयपुर में फिर मिला दो होटल्स को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल

शनिवार को भी शहर के दो होटल हॉलिडे-इन और रैफल्स में बम होने का मेल मिलने से दहशत को माहौल हो गया

जयपुर। जयपुर में लगातार विभिन्न भवनों को बम रखने की धमकी भरा मेल मिलने से माहौल तो खराब होता है ही, साथ ही पुलिस और सुरक्षाबलों की भाग दौड़ बढ रही है।

इसके चलते शनिवार को भी शहर के दो फेमस होटल हॉलिडे-इन और रैफल्स को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिलने से दहशत को माहौल हो गया। जानकरी के अनुसार इन होटलों में से एक होटल हॉलिडे-इन में गृह राज्यमंत्री, उद्योग मंत्री केके विश्नोई और सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक एक निजी कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। जहां पुलिस अधिकारियों से जानकारी मिलने के बाद गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने होटल खाली करने का कहा। इसके बाद तीनों मंत्री होटल से निकल गए।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर शहर के बाईस गोदाम सर्किल स्थित हॉलिडे-इन होटल को शनिवार सुबह होटल को बम से उडाने का धमकी भरा मेल मिला। इस दौरान हॉलिडे-इन होटल में एक निजी कार्यक्रम चल रहा था।

इसमें गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, उद्योग मंत्री के के विश्नोई और सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक मौजूद थे। जहां होटल में बम होने की जानकारी पुलिस अधिकारियों से मिलने पर बेढ़म ने कार्यक्रम के बीच में ही माइक से होटल खाली करने के लिए कहा। इसके बाद पुलिस टीम ने हॉलिडे-इन होटल से आनन-फानन में सभी को बाहर निकाला गया। जहां मौके पर पहुंचे बम और डॉग स्क्वायड सहित एटीएस ने होटल के हर कमरे में जांच शुरू की गई है। कई घंटों की तलाशी के बाद कुछ भी नहीं मिला तो सुरक्षा बलों ने राहत की सांस ली। वहीं दिल्ली रोड पर मौजूद रैफल्स होटल को भी धमकी का मेल मिला था। वहां भी एटीएस और बम स्क्वायड की टीम पहुंची और होटल्स के स्टाफ व गेस्ट को बाहर निकाल कर एक घंटे तक होटल की तलाशी ली गई। लेकिन तलाशी में कुछ भी नहीं मिला। पुलिस की टीमें ईमेल करने वाले व्यक्ति को ट्रेस कर रही है।गौरतलब है कि शुक्रवार को 2 कोर्ट और मेट्रो रेल में बम ब्लास्ट की धमकी मिली थी।इससे पहले 13 मई, 12 मई और 8 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी गई थी।

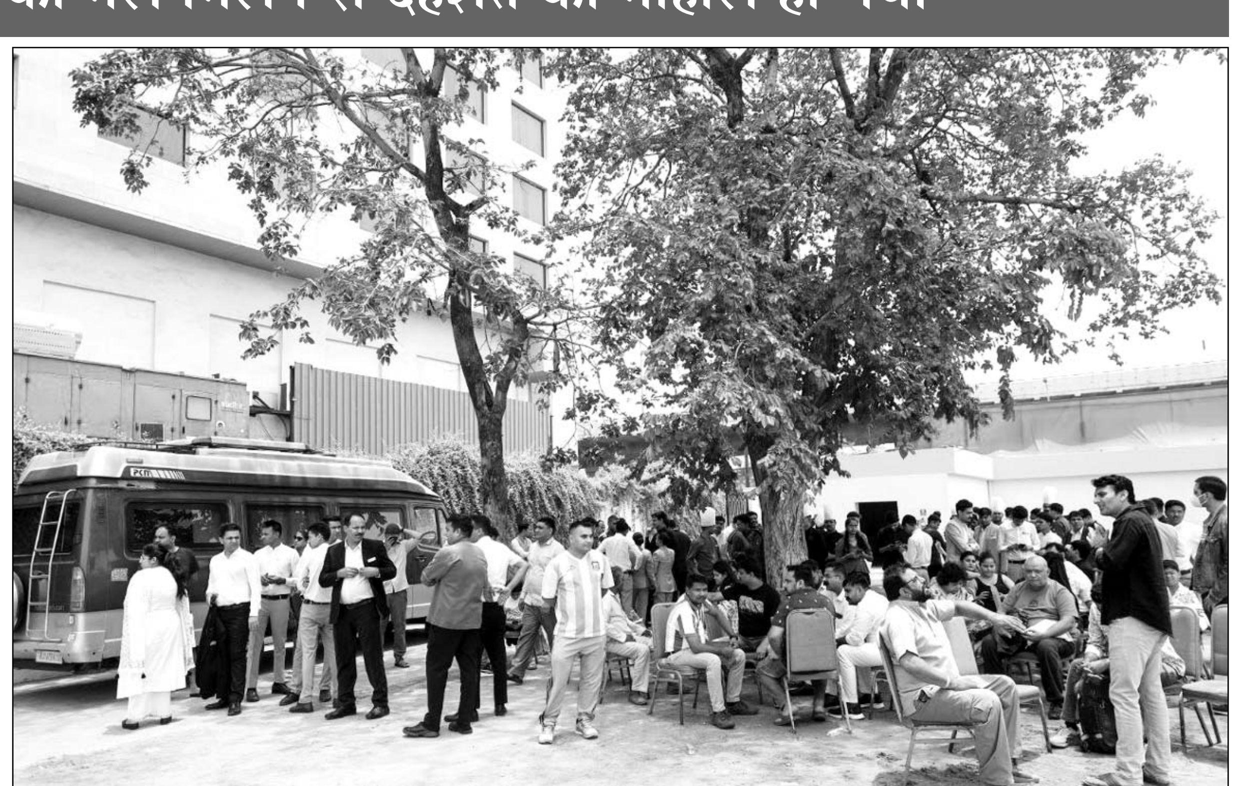

जयपुर में बम होने की सूचना मिलने के बाद होटल होली डे इन को खाली करा कर जांच की गई।

'राजस्व अदालतों में प्रशासनिक न्यायिक अकादमी स्थापित हो'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि राजस्व अदालतों और अपीलीय कोर्ट में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। इन अधिकारियों के पास न तो कानून की डिग्री होती है और ना ही इन्होंने प्रक्रियात्मक कानूनों व नियमों का अध्ययन किया होता है। जिसके चलते कई बार देखा गया है कि इन अदालतों में व्यावहारिक कानूनी प्रक्रिया का खुलेआम उल्लंघन किया जाता है। ऐसे में राज्य सरकार को नव नियुक्त और सेवारत प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रशासनिक न्यायिक अकादमी का स्थापना की जानी चाहिए। जहां इन अधिकारियों को कानून का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाए। इसके साथ ही अदालत ने आदेश की कॉपी मुख्य सचिव और प्रमुख राजस्व सचिव सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश राजस्व मामले में उमाकांत शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को चोरी कर चाबी बनवाने पहुंचा चोर

जयपुर। माणक चौक थाना इलाके में दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को दो युवक चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित को घटना की जानकारी मिली तो पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित ने अपने स्तर पर इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस को स्कूटी चोरी के बारे में बताया तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। लेकिन अभी तक पुलिस ने पीड़ित से सम्पर्क तक नहीं किया।

स्कूटी मालिक सोनू शर्मा ने बताया कि वह 15 तारीख को अपनी स्कूटी चौड़ा रास्ता में दुकान नंबर 357 के बाहर खड़ा करके चला गया था। सुबह जब स्कूटी लेने के लिए आया तो मौके पर स्कूटी नहीं मिली। स्थानीय लोगों से पूछा तो पता चला कि कुछ देर पहले ही दो युवक आए थे और स्कूटी को पैदल-पैदल लेकर गए हैं। जिसके बाद पीड़ित ने आसपास कई किलोमीटर तक स्कूटी सर्च की लेकिन कुछ नहीं मिला। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को स्कूटी चोरी की सूचना दी।

पीड़ित ने अपने स्तर पर दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जिस में स्कूटी चोरी करते दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं। एक बदमाश ने चौड़ा रास्ता से स्कूटी चोरी की जिसे वह पैदल न्यू गेट की तरफ ले जाता हुआ दिखाई दिया। आरोपी चोर स्कूटी लेकर किशनपोल की तरफ गया। यहां पर स्कूटी की चाबी बनवाने का प्रयास किया। लेकिन आईडी नहीं होने कारण वहां पर स्कूटी की चाबी नहीं बनी। इसके बाद आरोपी स्कूटी को लेकर देव होटल अजमेरी गेट की तरफ गया। जहां पर उसका दूसरा साथी उसे मिला। दोनों ने स्कूटी को खड़ी की और शराब पीने लग। जिस के बाद आरोपी स्कूटी लेकर फरार हो गए। ये सभी सीसीटीवी फुटेज पुलिस चैक को दी गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अज्ञात दोनों बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। लेकिन अभी तक पुलिस ने इस सम्बंध में किसी भी जांच अधिकारी ने पीड़ित से कोई संपर्क नहीं किया। पीड़ित का कहना है कि जब उस ने पुलिस को यह जानकारी दी।

World Reef Awareness Day: A Call to Protect Our Ocean's Rainforests

Observed every year on June 1, World Reef Awareness Day shines a spotlight on the importance of coral reefs and the urgent need to preserve them. Often called the rainforests of the sea, reefs support 25% of all marine life, protect coastlines, and sustain millions of livelihoods. But pollution, overfishing, and climate change threaten their survival. This day encourages individuals, organizations, and governments to take action, whether through reducing plastic use, supporting reef-safe products, or backing marine conservation efforts. Saving coral reefs means safeguarding the future of our oceans and our planet.

#TRENDS & TECHNOLOGY

Status, Upgraded

From voice notes with vibrant backdrops to emoji-free avatar reactions, WhatsApp is turning its Status tool into a personalised, creative playground for daily expression.

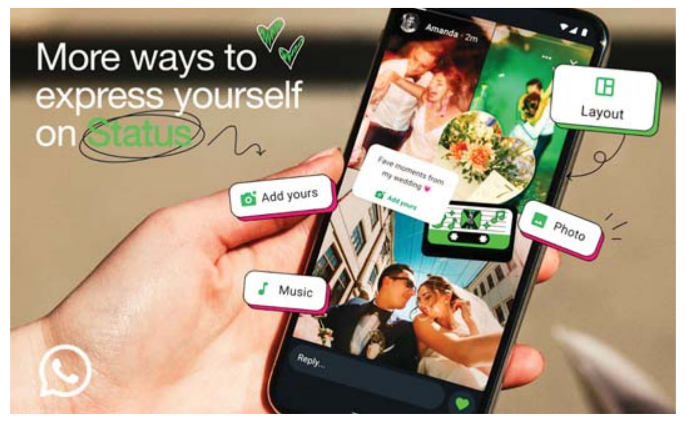

Let's be honest, how many times have you opened WhatsApp Status just to scroll through grainy selfies, cryptic quotes, or back-to-back vacation slideshows? Well, the next time you do, don't be surprised if it looks a little more alive. WhatsApp is giving its Status feature a glow-up, and it's not just about style, it's about personal expression, privacy, and playfulness, all rolled into one. Whether you're a secret poet, a voice note enthusiast, or someone who just likes to check in with a few emojis, these new tools are designed to help you tell your story your way. Let's take a closer look at what's new, and how you can use it.

Voice Status Updates Just Got a Visual Boost

Remember when you could only post a plain voice note on Status? Now, imagine pairing your 30-second voice update with a vibrant background that matches your vibe, sunset orange for a sleepy update, deep blue for that moody midnight musing.

With this new feature, WhatsApp lets you dress up your voice notes, making them feel more like voice postcards and less like audio footnotes. It's ideal for those who love talking but shy away from typing.

Try This: Want to wish someone a happy birthday in a unique way? Record your voice message and pair it with a confetti-themed background. Boom - personal and festive.

Meet Your Reaction Avatars

Say goodbye to generic emojis. WhatsApp now lets you react to someone's Status with a custom avatar, a digital mini-you. Whether you're raising an eyebrow, clapping, or sending virtual hearts, your avatar does the emoting for you. This move adds a touch of whimsy and identity to Status reactions, making even a simple 'thumbs-up' feel like it came from you, not your emoji keyboard.

Tip: Make sure your avatar is updated and customised, your reaction game just got a lot more personal.

Text Status, But Make It Fashion

If you're the type who loves putting up quotes, reminders, or even passive-aggressive one-liners (we see you), the upgraded text editor is your new best friend. Now, you can change fonts, add colour gradients, and tweak the background to reflect your mood, elegant, bold, mysterious, or even chaotic (in the best way). **Fun Idea:** Start a daily 'Thought of the Day' Status series with funky fonts and vibrant backdrops to keep your contacts curious.

Privacy in a Tap

One underrated but powerful update? Quick-access privacy settings. You can now control who sees each Status update, all from the post screen. No more diving deep into settings every time you want to hide a post from that nosy uncle.

Smarter Links, Sharper Previews

Sharing articles, videos, or invites via Status just got smoother. Now, when you paste a link, WhatsApp automatically generates a preview, so, your viewers know what they're clicking into, no mystery, no mess. So, whether you're sharing a laugh, a life update, or just a lyric that hits hard, WhatsApp's new Status features make it easier, and more fun, to stay connected in your own unique voice. Your Status isn't just a post. It's a vibe. And now, it finally looks like one, too.

It's Space Warfare Now

The militarisation of space has been a topic of intense political debate. On one hand, nations recognise that space is a critical national security asset and are increasingly investing in space-based military capabilities, from satellite defence to anti-satellite weapons. On the other hand, there are international treaties, such as the Outer Space Treaty of 1967, that seek to prevent the weaponisation of space and promote the peaceful use of space. Yet, as we are seeing today, the line between peaceful space activities and military operations is increasingly blurred. The growing reliance on space for communication, navigation and intelligence means that denying an adversary access to space could have catastrophic consequences. In this context, space is not only a strategic domain but also a political battleground, where military actions can escalate tensions and lead to long-term diplomatic fallout.

Lt Gen PJS Pannu
PVSM, AVSM, VSM (Retd)

As we stand at the crossroads of technological evolution, Space Warfare has emerged as a subject of discussion, that is both fascinating and crucial to the future of global security. Ukraine, Russia and the US have increasingly used space for wars. Israeli Defence Forces have a developed space war capability, which is also at display in their recent and ongoing conflict with Hamas, Hezbollah and Syria. It is essential to recognise that space is no longer merely a domain for exploration or scientific discovery. It has become an indispensable component of modern military strategy and national defence. In this article, I discuss how Space Wars reflect terrestrial warfighting principles, the strategic importance of space in military operations, and the emerging complexities that come with this new, also known as the fourth frontier of conflict.

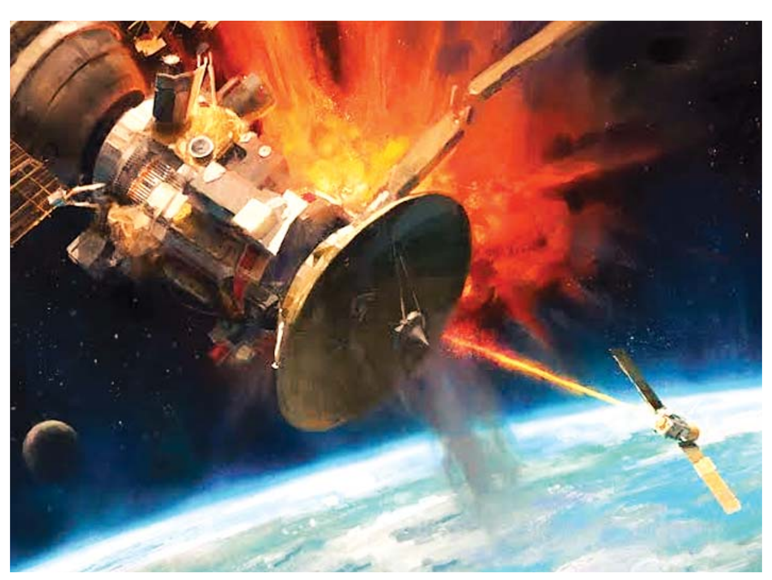

Space Warfare and Terrestrial Warfighting Principles

Space Warfare, at its core, mirrors the same principles that have governed terrestrial conflict for centuries. Commanders on Earth employ military means, be it soldiers, tanks or aircrafts, to transmit their intent, resolve and will on adversaries. The tools and methods may differ, but the basic objective remains the same: to achieve dominance, whether through combat, deterrence, or manipulation of adversary actions. In the case of Space Warfare, these tools are rockets, satellites and ground-based stations that help project military might from the vastness of space. These tools allow commanders to send commands, collect intelligence, and if necessary, neutralise threats, making Command and Control (C2) a critical aspect of this new form of warfare. In space, just as on ground, the ability to transmit intent and resolve to adversaries is vital to achieving

military objectives. However, unlike traditional warfare, space introduces new challenges. The expanding domains of space, combining orbital operations, electronic warfare, cyber warfare and kinetic operations, mean that the traditional principles of warfighting must adapt. The stakes are higher, and the consequences of military actions are more complex, as the space domain is not a static battlefield but one that continuously evolves with new technologies and capabilities.

Space Warfare as Part of Multi-Domain Operations (MDO)

In modern military doctrine, Space Warfare does not exist in isolation. It is an integral part of the broader concept of Multi-Domain Operations (MDO). MDO is a framework that encompasses the coordination and integration of operations across multiple domains, land, air, sea, cyber and space, to achieve strategic objectives. Space plays a crucial role in MDO by enabling global situational awareness, precision targeting, communication and navigation. It serves as the backbone for intelligence gathering, surveillance and reconnaissance, which are essential to modern military operations. Space is the strategic enabler that links all the domains together. It is the force multiplier that allows military forces to operate efficiently, respond to threats in real-time, and maintain operational superiority. But Space Wars, even when integrated into MDO, present unique challenges. The dynamic nature of space means that military actions in space must be carefully coordinated, as the consequences of actions in space can have long-lasting effects not only on military operations but also on civilian infrastructure and global security.

#NEW AGE

The Absence of a Long History in Space Strategy

One of the unique aspects of Space Warfare is that space strategy planning does not yet have the benefit of a long history. Unlike traditional military domains, where lessons learnt from centuries of combat have shaped tactics, technologies and doctrine, space is still a relatively young domain for military operations. The first space-based military actions were only initiated in the latter half of the 20th century, and it is only in recent decades that space has become a true theatre of military conflict.

The strategic thinking around space is still evolving. The rules of engagement, tactics and countermeasures are being developed in real-time as space-faring nations race to assert their dominance. Space operations are often shrouded in secrecy, making it difficult for the public or international community to fully understand the scale and scope of the military activity, taking place in space.

Because of this, space strategy and tactics remain a work in progress. Military forces are still grappling with how to effectively integrate space into broader military campaigns, and how to ensure that space capabilities are defended against adversaries who seek to deny access or disrupt operations.

The Political Nature of Space Warfare

Space Wars are highly political by nature. Unlike traditional warfare, where the focus is primarily on physical terrain, space warfare involves a global common that is used by both military and civilian entities. The geopolitical landscape surrounding space is complex, and the consequences of military actions in space are far-reaching, affecting not just the military balance of power but also international relations and global cooperation in space.

The militarisation of space has been a topic of intense political debate. On one hand, nations recognise that space is a critical national security asset and are increasingly investing in space-based military capabilities, from satellite defence to anti-satellite weapons. On the other hand, there are international treaties, such as the Outer Space Treaty of 1967, that seek to prevent the weaponisation of space and promote the peaceful use of space. Yet, as we are seeing today, the line between peaceful space activities and military operations is increasingly blurred. The growing reliance on space for communication, navigation and intelligence means that denying an adversary access to space could have catastrophic consequences. In this context, space is not only a strategic domain but also a political battleground, where military actions can escalate tensions and lead to long-term diplomatic fallout.

The Long-Term Effects of Military Actions in Space

One of the most significant challenges of Space Warfare is the long-term impact that military actions can have on space itself. When military operations occur in space, they can create debris, collateral damage and electronic disturbances that can have lasting consequences for both military and civilian activities. For example, anti-satellite (ASAT) weapons can destroy satellites, creating clouds of space debris that pose a threat to both military and civilian spacecraft. This debris can remain in orbit for years, if not decades, and can interfere with the operations of satellites, disrupt communications, and even endanger human life aboard spacecraft or the International Space Station (ISS). The impact of debris is not limited to the military; it can disrupt critical civilian infrastructure that relies on space for everything, from weather forecasting to Global Positioning System (GPS).

Similarly, electronic warfare in space, whether through jamming or spoofing, can disrupt communications and navigation systems, causing significant damage to military operations and civilian applications. The long-term effects of such disturbances are difficult to predict, but they can fundamentally alter the way nations use and rely on space.

In addition to debris and electronic warfare, the military use of space can also create strategic vulnerabilities. The more a nation depends on the space-based assets, the more vulnerable it becomes to attacks targeting those assets. Thus, the military must balance the need to leverage space for strategic advantage with the risks that such reliance poses.

Conclusion

Space Warfare is not just about launching rockets or deploying satellites into orbit. It is about comprehensive space battle management that integrates space capabilities with terrestrial military operations in a way that reflects the principles of warfighting, commanders transmitting their intent, resolve and will through increasingly complex and expanding military means.

As we continue to navigate this new frontier, we must recognise that Space Wars are as much about political power and geopolitical manoeuvring as they are about military strategy. The consequences of military actions in space are far-reaching, with long-term effects on space itself, on international relations, and on the future of warfare.

In the coming years, as space becomes an even more critical domain of national defence, it is essential that we develop comprehensive strategies, enhance cooperation among space-faring nations, and be mindful of the long-term impact of our actions in space. It is therefore significant to understanding the complexities and risks involved in Space Warfare, while also highlighting the strategic, political and long-term consequences of military actions in the space domain.

rajeshsharma1049@gmail.com

#JIN SHIN JYUTSU

Japan's Ancient Art of Stress Relief

Discover how this gentle, touch-based practice harmonizes energy, alleviates stress, and promotes holistic well-being.

In our fast-paced modern world, stress has become an almost constant companion. While various methods exist to combat this silent adversary, one ancient Japanese healing art offers a unique, gentle approach: Jin Shin Jyutsu. Rooted in centuries-old traditions, this practice emphasizes the power of touch to restore balance and harmony within the body.

What is Jin Shin Jyutsu?

Jin Shin Jyutsu (pronounced 'jit-soo') translates to 'The Art of the Creator through the Compassionate Person.' This healing modality focuses on harmonizing the body's energy by applying gentle touch to specific points, known as Safety Energy Locks (SELs). There are 26 SELs located along energy pathways throughout the body. When energy flows freely through these pathways, we experience physical, mental, and emotional well-being. However, blockages can lead to discomfort or illness. By using our hands to hold these points, we can release tensions and restore balance.

A Glimpse into History

While Jin Shin Jyutsu's origins trace back to ancient times, it was rediscovered in the early 20th century by Jiro Murai, a Japanese philosopher. Facing a life-threatening illness at the age of 26, Murai retreated to the mountains, where he fasted and practiced meditation and finger poses inspired by ancient texts. After seven days, he experienced a profound healing, which led him to dedicate his life to studying and teaching this art. One of Murai's prominent students, Mary Burmeister, played a pivotal role in introducing Jin Shin Jyutsu to the Western world. An American of Japanese descent, Burmeister met Murai in Japan and studied under him. Upon returning to the United States in the 1950s, she began teaching and sharing this healing art, emphasizing self-help and the innate ability of individuals to heal themselves.

How Does It Work?

Unlike acupuncture, which uses needles, Jin Shin Jyutsu relies solely on touch. Practitioners or individuals place their fingertips on specific SELs, either on themselves or others, to harmonize energy flow. This practice can be done fully clothed and requires no special equipment. For instance, holding the thumb is believed to alleviate worry and digestive issues, while holding the index finger can help with fear and kidney-related concerns. By understanding the associations between fingers, emotions, and organs, individuals can tailor their practices to address specific needs.

Benefits of Jin Shin Jyutsu

Regular practice of Jin Shin Jyutsu offers a multitude of benefits:

- *Stress Reduction:* By calming the nervous system, it helps alleviate anxiety and promotes relaxation.
- *Pain Relief:* It can assist in easing chronic pain, headaches, and muscle tension.
- *Enhanced Circulation*: Stimulating energy flow improves blood circulation and oxygen delivery.
- *Emotional Balance:* Helps in managing emotions like anger, fear, and sadness.
- *Support for Chronic Conditions:* Beneficial for individuals dealing with conditions like arthritis, insomnia, and fatigue.

Moreover, Jin Shin Jyutsu has been applied beyond human health. Practitioners have used it to calm anxious animals, demonstrating its versatility and gentle nature.

Incorporating Jin Shin Jyutsu into Daily Life

One of the most empowering aspects of Jin Shin Jyutsu is its accessibility. With basic knowledge, individuals can practice self-help techniques daily!

- **Finger Holds:** Gently hold each finger for a few minutes while breathing deeply to harmonize corresponding emotions and organ functions.
- **SEL Sequences:** Learn specific sequences targeting particular issues, such as fatigue or anxiety.

By dedicating just a few minutes each day, one can experience increased vitality, reduced stress, and a deeper connection to oneself.

Seeking Guidance

While self-practice is beneficial, consulting a certified Jin Shin Jyutsu practitioner can provide personalized sessions tailored to individual needs. These sessions often last about an hour and involve the practitioner applying gentle touch to specific SELs, facilitating deep relaxation and healing.

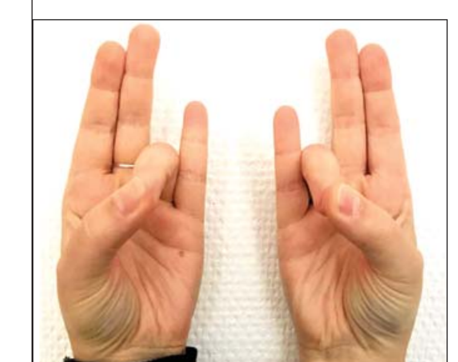

Embracing the Art of Compassionate Healing

In a world where stress and disconnection are prevalent, Jin Shin Jyutsu offers a path to inner harmony and self-awareness. By tapping into the body's innate wisdom and using the simple power of touch, we can navigate life's challenges with grace and resilience.

THE WALL

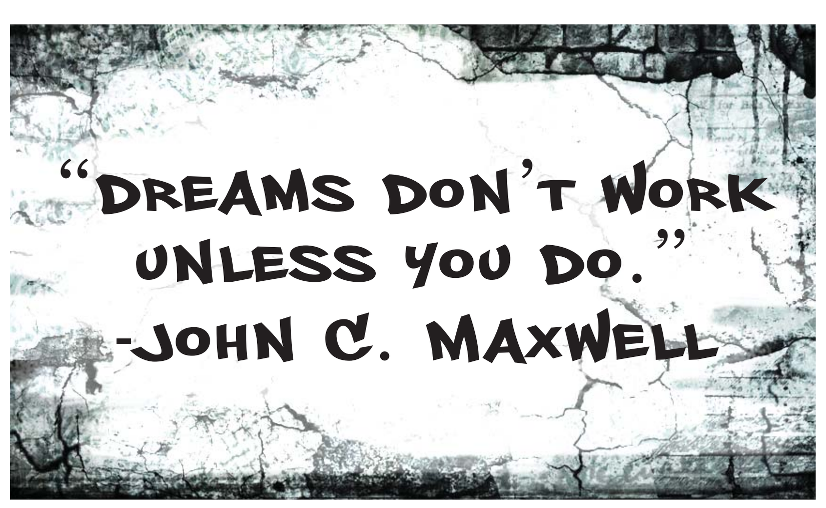

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

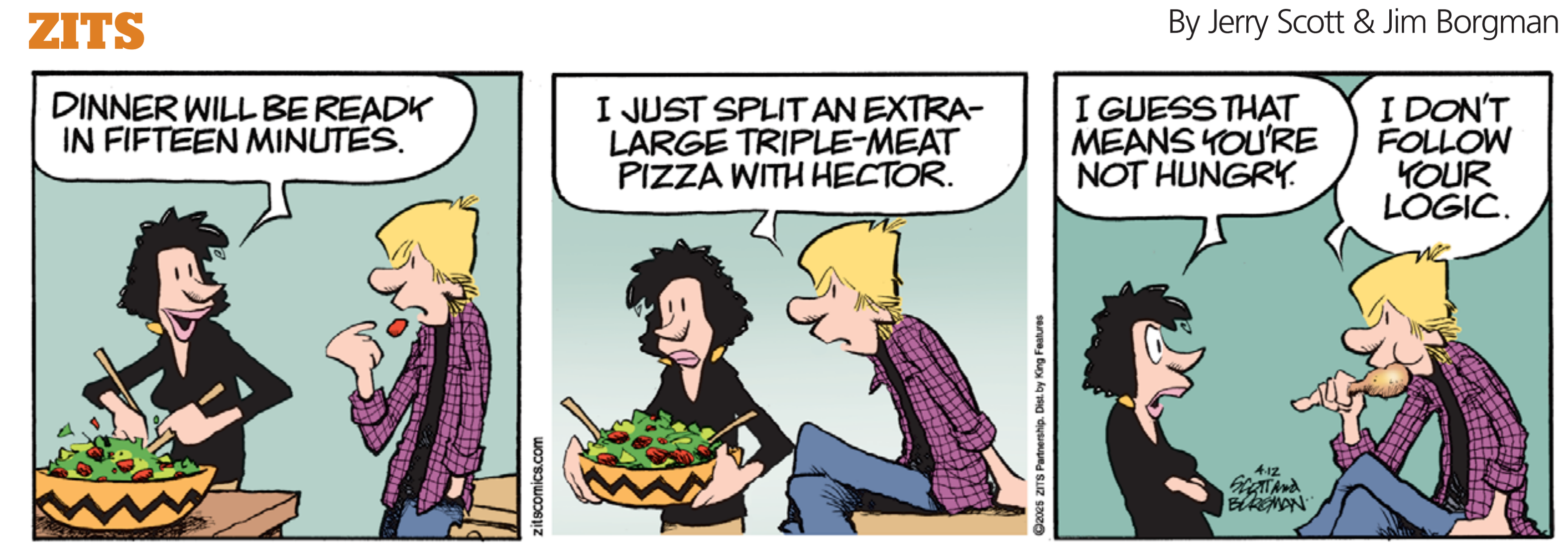

अजमेर : ऑपरेशन शिल्ड के तहत मॉक ड्रिल में प्रशासन की तत्परता दिखी

अभ्यास के तहत हवाई हमले की काल्पनिक स्थिति को दर्शाया

अजमेर, (निसं)। अजमेर जिले में नागरिक सुरक्षा को लेकर सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार शनिवार को द्वितीय सिविल डिफेंस अभ्यास ऑपरेशन शिल्ड के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

अभ्यास के तहत राहत एवं बचाव कार्यों की शुरुआत तत्काल की गई।

- शत्रु द्वारा एयर स्ट्राइक के माध्यम से मिलिट्री कंपाउंड पर हमला किया गया
- धमाकों के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र में आपातकालीन सायरन बजा, सभी विभागों को सतर्क किया गया

इस अभ्यास के तहत हवाई हमले की काल्पनिक स्थिति को दर्शाया गया। इसमें शत्रु द्वारा एयर स्ट्राइक के माध्यम से मिलिट्री कंपाउंड पर हमला किया गया। धमाकों के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र में आपातकालीन सायरन बजा। सभी विभागों को सतर्क किया गया। सायरन की आवाज सुनते ही जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, अग्निशमन सेवाएं, स्वास्थ्य विभाग एवं सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर सक्रिय हो गई। राहत एवं बचाव कार्यों की शुरुआत तत्काल की गई। फायर ब्रिगेड घटना स्थल पर पहुंच गई। घायलों को प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया और गंभीर रूप से घायल लोगों को त्वरित रूप से एंबुलेंस के माध्यम से अस्थाई अस्पताल भेजा गया। प्रशासन की गाड़ियों से भी घायलों को ले जाया गया।

इस अभ्यास का नेतृत्व जिला कलेक्टर लोकबंधु द्वारा किया गया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर संपूर्ण राहत कार्य की निगरानी की और सभी विभागों की तत्परता एवं रिस्पॉन्स टाइम को जांचा। जिला कलक्टर ने पूर्व मॉक ड्रिल से मिले अनुभवों को आधार बनाते हुए इस बार और बेहतर समन्वय स्थापित करने को जोर दिया। अभ्यास के दौरान सेना भी पूर्ण रूप से मुस्तैद रही। सेना के अधिकारियों ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर ड्रिल को वास्तविकता के करीब पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। सिविल डिफेंस ने आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की। पुलिस द्वारा घटना स्थल से अस्थाई चिकित्सालय के मार्ग को आपातकालीन परिस्थिति के अनुसार यातायात रहित रखा गया।

रेजिडेंस कंपाउंड स्थित बहुमंजिला इमारत में भी मॉक रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला गया। घटनास्थल पर घायलों की सहायता जैसी परिस्थितियों को सजीव रूप में प्रदर्शित किया गया। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में परिसर की बार-बार जांच कर पीड़ित व्यक्तियों की खोज की गई। घायलों के कीमती सामान को सुरक्षित रखा गया। इनके स्वास्थ्य में सुधार होने पर कीमती सामान सम्बधिन्त व्यक्तियों को सुपुर्द किया गया।

प्रशासन द्वारा लगातार घायलों के स्वास्थ्य पर नजर रखी गई। सायरन सुनते ही आम नागरिकों से अपेक्षित सधी हुई प्रतिक्रिया देखने को मिली। राहगीरों ने तत्काल सुरक्षित स्थानों की ओर रुख किया। इससे अभ्यास में जन सहभागिता का अच्छा उदाहरण प्रस्तुत हुआ।

मॉक ड्रिल में मिशन स्कूल परिसर में बनाए गए अस्थाई अस्पताल में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए त्वरित चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। जिला कलक्टर लोक बंधु के निर्देशन में स्थापित अस्थाई चिकित्सालय में हादसे के दौरान घायल हुए व्यक्तियों को तत्काल उपचार के लिए लाया गया। यहां माय भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्काउट तथा सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने घायलों के उपचार में सहयोग प्रदान किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्स्ना रंगा के मार्गदर्शन में चिकित्सा दल द्वारा घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। सामान्य चोट वालों को हरा, साधारण घायल को पीला तथा गंभीर घायलों को हरे टैग से चिह्नित किया गया था। गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों टेग संख्या 7 एवं 8 की स्थिति को देखते हुए उन्हें तुरंत जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया।

अस्थाई अस्पताल में नियुक्त चिकित्सक दल के साथ प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ के द्वारा घायलों का उपचार किया गया। चिकित्सकों की सतर्कता और त्वरित निर्णय क्षमता के कारण सभी को समय पर उपचार मिल सका। मौके पर जीवन रक्षक दवाओं के साथ-साथ 30 युनिट रक्त भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराया गया।

थानों में जब्त अवैध मादक पदार्थ को जलाकर नष्ट किया

अवैध मादक पदार्थ को मोड़क स्थित सीमेन्ट फैक्ट्री के बोयलर में जलाया

कोटा ग्रामीण के 13 थानों में जब्त मादक पदार्थों को नष्ट किया।

- पुलिस द्वारा करीब 3960 किलो 152 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा, गांजा व स्मैक को नष्ट करने की कार्यवाही की

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण के 13 पुलिस थानों में जब्त अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा, गांजा व स्मैक को मोड़क स्थित सीमेन्ट फैक्ट्री के बोयलर में जलाकर नष्ट किया।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि न्यायालय से भौतिक सत्यापन और निर्णय के बाद जिला औषधि व्ययन समिति द्वारा ग्रामीण थाना मोड़क के मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री के बोयलर भट्टी में अवैध मादक पदार्थ को जलाकर नष्ट किया गया। पुलिस द्वारा करीब 3960 किलो 152 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा, गांजा व स्मैक को नष्ट करने की कार्यवाही की गई। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि जिले के सुल्तानपुर, बूढ़ादीत, अयाना, खातौली, सहित कुल 13 थानों में दर्ज 29 प्रकरणों में अवैध मादक पदार्थ 3950 किलो डोडा-चूरा, 10 किलो गांजा एवं 152 ग्राम स्मैक को पुलिस द्वारा तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया था। उक्त सभी 29 प्रकरणों में जब्तशुद्धा अवैध मादक पदार्थों को जिला औषधि व्ययन समिति ग्रामीण द्वारा थाना मोड़क के मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री के सुरक्षा प्रभारी सत्येन्द्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त सुरक्षा प्रभारी रामकिशोर पांडे की उपस्थिति में मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री के बोयलर भट्टी में जलाकर नष्ट किया गया। कार्यवाही के दौरान ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा भी मौजूद थे।

एनडीपीएस एक्ट के आरोपी को पांच साल की सजा

जालोर, (कासं)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जालोर हारून ने अवैध अफीम का दूध परिवहन करने के आरोपी किशोर कुमार को दोषी मानते हुए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई है।

लोक अभियोजक ओमप्रकाश व्यास ने बताया कि पुलिस थाना जालोर व एसएसटी टीम द्वारा 16 नवम्बर 2018 को नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनों को चैक करते वक्त सायला से जालोर की तरफ एक कार आती नजर आई। उस कार को रूकवाया तथा चालक ने अपना नाम किशोर कुमार पुत्र हडमताराम माली निवासी तिलोडा बताया। कार को अन्य वाहनों की भांति चैक किया तो चालक सीट के नीचे एक लाल रंग की थैली पायी गई। जिसमें एक लाख छत्तीस हजार रूपये व एक प्लास्टिक की थैली में काला तरल पदार्थ अफीम का दूध पाया गया। अवैध अफीम के दूध का वजन करने पर कुल 120 ग्राम पाया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज कर बाद अनुसंधान आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। सैशन न्यायाधीश जालोर हारून ने पत्रावली का अवलोकन करने तथा दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद उक्त प्रकरण में फैसला सुनाते हुए आरोपी किशोर कुमार को अवैध अफीम का दूध परिवहन करने का दोषी मानते हुए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई। सरकार की ओर से पैरवी लोक अभियोजक ओमप्रकाश व्यास ने की।

जयपुर में कल होने वाला पशु पालकों का धरना स्थगित

2 जून को प्रस्तावित धरना 20 जुलाई तक के लिये स्थगित किया

- बकाया भुगतान की मांग को लेकर धरना प्रस्तावित था

अजमेर, (कासं)। राजस्थान के जिला दुग्ध संघों के अध्यक्षों एवं जिला दुग्ध उत्पादक संघर्ष समिति के बैनर तले पशु पालकों एवं दुग्ध उत्पादकों का 2 जून हो होने वाला धरना 20 जुलाई तक के लिए स्थगित हो गया है।

अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी ने बताया कि विगत दिनों जोराराम कुमावत, डेयरी एवं पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि आपकी मांगें जायज है और मंत्री जोराराम भरसक प्रयास कर रहे हैं कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2024 माह का अनुदान आगामी 1 से 2 दिनों में करवा देंगे। इस सम्बन्ध में मंत्री जोराराम ने अखिल अरोडा, प्रमुख वित्त सचिव, मिड-डे-मील के प्रदेश प्रभारी एवं श्रुति भारद्वाज प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक आर.सी.डी.एफ, जयपुर से वार्ता भी हमारे समक्ष की एवं तत्पश्चात उन्होंने हमे सुझाव दिया कि मुझे थोड़ा समय दो जिससे कि मैं आपका बकाया भुगतान करवा सकुं। इस सम्बन्ध में शनिवार को प्रातः श्रुति भारद्वाज, प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक, आर.सी.डी.एफ जयपुर से दूरभाष पर हुई वार्तानुसार उन्होंने 20 जुलाई तक का समय मांगा है, जिससे समस्त भुगतान समय पर आप लोगों को करा सके।

जोराराम कुमावत, डेयरी एवं पशुपालन मंत्री एवं श्रुति भारद्वाज प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक आर.सी.डी.एफ के आश्वासन के पश्चात समस्त साथियों की राय के उपरान्त आगामी 2 जून को प्रस्तावित धरना 20 जुलाई तक के लिये स्थगित किया गया है।

दरगाह में शिव मंदिर मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई

- वादी के वकील ने जवाब पेश किया, अब अगली सुनवाई 19 जुलाई को

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे को लेकर न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 2 में शनिवार को सुनवाई हुई। वादी विष्णु गुप्ता के वकील ने प्रतिवादी दरगाह कमेटी व पुरातत्व विभाग के वकीलों की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर अपना जवाब दिया। मामले में अब अगली सुनवाई 19 जुलाई को होगी।

हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करते हुए कोर्ट में परिवादी दायर किया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 2 में शनिवार को मामले को लेकर सुनवाई हुई। वादी विष्णु गुप्ता के वकील ने प्रतिवादी दरगाह कमेटी व पुरातत्व विभाग के वकीलों की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर अपना जवाब प्रस्तुत किया, इसके बाद न्यायालय ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 19 जुलाई दी। जानकारी के अनुसार गत 19 अप्रैल को वादी विष्णु गुप्ता के वकील निजी कारणों से कोर्ट में सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हो सके थे। जिसके चलते सीपीसी आदेश 7 (11) के प्रार्थना पत्र पर पेश नहीं हो सके थे और सुनवाई के लिए शनिवार की तारीख दी गई थी।

स्मैक के साथ तीन गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सायला पुलिस ने शनिवार को सरहद आसाणा में अवैध मादक पदार्थ स्मैक 23.06 ग्राम को किया बरामद तीन आरोपियो को गिरफ्तार किया। अवैध मादक पदार्थ स्मैक तोलने में प्रयुक्त इलेक्ट्रोनिक मोबाइलनुमा कांटा एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल भी जब्त की। बरामद स्मैक की अनुमानित बाजार कीमत 4,61,000 रूपये आंकी गई है। सायला पुलिस थानाधिकारी सुरेन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाना हल्का क्षेत्र में सरहद आसाणा में नाकाबंदी व आने जाने वाले संदिग्ध वाहनो की चैकिंग के दौरान मनोहर (22) पुत्र रमेश कुमार, गणपतलाल (23) पुत्र कानाराम भील व सुजाराम (27) पुत्र बगदाराम को दस्तयाब कर अभियुक्त मनोहर के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ स्मैक 23.06 ग्राम, अभियुक्त गणपतलाल के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ स्मैक तोलने में प्रयुक्त इलेक्ट्रोनिक मुबाइलनुमा कांटा एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को बरामद कर मुलजिमानों को गिरफ्तार किया गया।

नायरा डिपो पर मॉक ड्रिल हुई

पाली, (नि.सं.)। पाली-जोधपुर हाईवे पर स्थित नायरा डिपो पर एयर स्ट्राइक सूचना पर पुलिस-प्रशासन, मेडिकल महकमा सहित अन्य महकमे अलर्ट मोड पर आ गया। शनिवार शाम साढ़े चार बजे जैसे ही सूचना मिली सायरन बजाती एम्बुलेंस, दमकलें तेज गति से नायरा डिपो पहुंची। जहां घायलों को एम्बुलेंस में डालकर तुरंत इलाज के लिए बांगड़ हॉस्पिटल और रोहट हॉस्पिटल पहुचांया गया। दमकलकर्मी वहां आग बुझाने की मॉक ड्रिल करते नजर आए। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल के ट्रोमा, बर्न, आईसीयू में 10 घायलों को भर्ती किया गया। वही रोहट हॉस्पिटल में भी 10 घायलों को भर्ती किया गया। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी चुनाराम जाट रोहट और बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और मॉक ड्रिल की सारी व्यवस्था जांची और घायलों से भी मिले।

डीडवाना जिला मुख्यालय पर मॉक ड्रिल हुई

हवाई हमलों से बचाव को लेकर की गई मॉक ड्रिल

घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

- रिजर्व पुलिस लाइन में हवाई हमले की सूचना पर दौड़ा प्रशासन
- कलेक्टर, एसपी सहित जिले के आलाधिकारी मौके पर पहुँचे

डीडवाना, (निसं)। ऑपरेशन शील्ड के तहत सरकार के निर्देश पर डीडवाना जिला मुख्यालय पर शनिवार शाम छह बजे मॉक ड्रिल हुई, जिसमें प्रशासन द्वारा सभी विभागों की आपातकालीन तैयारियों को जांचा और परखा गया।

जानकारी के अनुसार शाम छह बजे जिला प्रशासन को रिजर्व पुलिस लाइन में ब्लास्ट होने की सूचना मिली। जिस पर जिला कलेक्ट्रेट में अचानक हूटर बजने लगा। इसके बाद सभी विभाग तुरंत अलर्ट हो गए और तत्काल पुलिस, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड तथा एंबुलेंस मौके पर पहुंची, जहां मौके पर अफरा-तफरी मची हुई थी। इस दौरान अग्निशमन ने रिजर्व पुलिस लाइन में लगी आग पर काबू पाया। वहीं चिकित्सा विभाग व एसडीआरएफ की टीमों ने लगभग 20 घायलों को रेस्क्यू कर उन्हें बांगड़ जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने घायलों का उपचार किया। इस दौरान जिला कलेक्टर पुखराज सेन, जिला पुलिस अधीक्षक अनुमान प्रसाद मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु शर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर कुचामन ललित गुप्ता भी मौके पर पहुंचे और बचाव व राहत दल की हौसला अफजाई की।

इस दौरान जिला कलेक्टर व एसपी ने बताया कि दुश्मन के अचानक हमले और आपातकालीन स्थितियों में कैसे बचाव और राहत अभियान चलाया जाए, इसकी मॉक ड्रिल के जरिए पड़ताल की गई है। साथ ही बचाव व राहत टीमें कितना तैयार हैं, इसका जायजा लिया गया है।

रिश्वत लेने के मामले में जेडीए के तत्कालीन जेईएन को चार साल की सजा सुनाई

तत्कालीन जेईएन कानाराम पर निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु मौका रिपोर्ट बनाने के एवज में रिश्वत मांगने और प्राप्त करने का आरोप सिद्ध हुआ

- मामला 2016 का है जब कानाराम ने परिवादी धर्मवीर सोनी से पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के तत्कालीन कनिष्ठ अभियंता कानाराम को भ्रष्टाचार के एक मामले में चार साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई हैं। जोधपुर स्थित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्रम संख्या 02 के विशेष न्यायालय के न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने यह फैसला सुनाया। कानाराम पर निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु मौका रिपोर्ट बनाने के एवज में रिश्वत मांगने और प्राप्त करने का आरोप सिद्ध हुआ है। अभियुक्त कानाराम को पीसी एक्ट की धारा 7 के तहत तीन वर्ष कठोर कारावास व बीस हजार रुपए जुर्माना तथा धारा 13(1)(डी) सहपठित धारा 13(2) पीसी एक्ट के तहत चार वर्ष सश्रम कारावास व बीस हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा दी गई है। जुर्माना अदा न करने पर छह-छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

यह मामला 2016 का है जब कानाराम ने परिवादी धर्मवीर सोनी से पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। बाद में 21 सितंबर 2016 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जोधपुर ग्रामीण द्वारा उन्हें दो हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक निदेशक अभियोजन दिनेश तिवाड़ी ने 17 गवाह और 37 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए, जिनके आधार पर न्यायालय ने कानाराम को दोषी ठहराया।

रेलकर्मी ने यात्री का मोबाइल लौटाया

कोटा, (निसं)। रेल कर्मचारी अपनी ड्यूटी निभाने के साथ कई बार ईमानदारीपूर्ण, जनसरोकार से जुड़े कार्य कर रेलवे का मान सम्मान बढ़ाते हैं जिसकी आम जनमानस द्वारा सराहना की जाती है। इसी कड़ी में बीते गुरूवार की रात गाड़ी संख्या 12955 पश्चिम एक्सप्रेस से पुणे निवासी जय नामक यात्री का मोबाइल फोन शामगढ़ के पास रेलवे ट्रैक पर गिर गया। जिसकी कीमत 40 हजार रूपये की थी। यात्री का मोबाइल फोन शामगढ़ रेलवे स्टेशन पर तैनात सिनीयर प्वांट्समैन बालाराम बनोधा को मिला। रेलकर्मी बनोधा ने ईमानदारी का परिचय देते हुए फोन में मौजूद नंबरों से यात्री से संपर्क किया और यात्री को सूचित करते हुए सुरक्षित मोबाइल फोन सुपुर्द कर दिया।

एनजीटी ने पानी की बर्बादी रोकने के निर्देश दिए

भीलवाड़ा, (निसं)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सेन्ट्रल जोनल बैंच भोपाल के न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह एवं विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की बैंच ने भीलवाड़ा शहर में पेयजल की बड़े पैमाने पर हो रही बर्बादी के संबंध में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के कार्यकारी अभियंता को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एनजीटी ने यह निर्देश पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता दीक्षा चतुर्वेदी के मार्फत दायर जनहित याचिका पर दिये।

जाजू ने याचिका में बताया कि पीएचईडी द्वारा अनेक स्थानों पर 50 वर्ष पूर्व पेयजल हेतु डाली गई पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त होकर जंग लग चुकी है और इन पाइप लाइनों से प्रतिदिन अनुमानित 50 लाख लीटर पेयजल फिजूल बहकर बर्बाद हो रहा है। शहर में दो दर्जन से अधिक स्थान पानी के निरंतर रिसाव के कारण स्थिर जल जमाव वाले क्षेत्र बन गये हैं। जाजू ने बताया कि जितना पानी फिजूल बहकर बर्बाद हो रहा है इतने पानी से वंचित कॉलोनीवासियों को पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकता है। एनजीटी ने पीएचईडी भीलवाड़ा के कार्यकारी अभियंता को व्यक्तिगत रूप से प्रभावित स्थलों का दौरा कर जल के अपव्यय को रोकने हेतु तत्काल कार्रवाई कर पाइप लाइनों की मरम्मत एवं नये पाइप लाइन डालने और पालना रिपोर्ट एनजीटी में प्रस्तुत करने के आदेश के साथ ही मामले को निस्तारित किया है।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने उदयपुर में पांच हजार विदेशी सिगरेट जब्त की

- विश्व तंबाकू नियंत्रण दिवस के तहत बिना चेतावनी वाली सिगरेट बेचने वालों पर कार्रवाई
- 15 दिवसीय विशेष पखवाड़े की शुरुआत हुई, जिले भर में तंबाकू मुक्त अभियान चलाया

उदयपुर, (कासं)। जिले के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने शनिवार को विश्व तंबाकू नियंत्रण दिवस के तहत शहर की दुकानों पर कार्रवाई करते हुए विदेशी सिगरेट जब्त की है।

सीएमएचओ डॉ.अशोक आदित्य ने बताया कि उदयपुर में विश्व तंबाकू नियंत्रण दिवस पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने शहर में बड़ी कार्रवाई की। दो दुकानों से 5000 से अधिक विदेशी सिगरेट जब्त की। कृषि मंडी स्थित दक्ष ट्रेडर्स स्टोर से 2000 और कालाजी गोराजी स्थित जी-9 शॉप से 3000 सिगरेट जब्त की गई। उन्होंने बताया कि जब्त की गई सिगरेट के पैकेट पर धूम्रपान जानलेवा है जैसी कोई चेतावनी या चित्र अंकित नहीं थे जो नियमानुसार अनिवार्य है। दुकानदारों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। कार्रवाई के दौरान डिप्टी सीएमएचओ विक्रम सिंह, कोटपा नोडल आफिसर प्रणव भावसार, औषधि नियंत्रक अधिकारी कुलदीप यदुवंशी, नेहा बंसल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह मौजूद थे।

सीएमएचओ ने बताया कि विश्व तंबाकू नियंत्रण दिवस से 15 दिवसीय विशेष पखवाड़े की शुरुआत हो चुकी है। इस दौरान जिले भर में तंबाकू मुक्त अभियान चलाया जाएगा। पंचायतों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए बीसीएमओ को निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने जिलेभर में टीमों का गठन कर दिया है जो दुकानों पर औचक निरीक्षण करेंगी। अवैध रूप से तंबाकू उत्पाद बेचने वाले और बिना चेतावनी वाले तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ चालान बनाए जाएंगे।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया

कोटपूतली। शनिवार को ग्राम पवाना अहीर, कुजोता, गोरधनपुरा में विकसित कृषि संकल्प अभियान आयोजित किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र गोनेड़ा व कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केन्द्र गोनेडा के वैज्ञानिक डॉ. रामप्रताप यादव ने खरीफ फसलों की बुवाई, किस्म तथा उन्नत खेती की जानकारी दी। साथ ही मृदा नमूना व मृदा स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी दी तथा मृदा की दशा सुधारने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जल संरक्षण व नैनो यूरिया के प्रयोग को बढ़ावा दिया। कृषि विभाग कोटपूतली के उप निदेशक रामजीलाल यादव ने कृषि विभाग की खेत तलाई, तारबंदी, कृषि यंत्र आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। किसानो को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

आपात स्थिति से निबटने के लिए नीमराना में मॉक ड्रिल

कोटपूतली। सरकार के निर्देशानुसार हवाई हमले या अन्य किसी प्रकार की आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से ऑपरेशन शील्ड के तहत द्वितीय सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, नीमराना के प्लांट में किया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली यथा सायरन की प्रभावशीलता का आंकलन, नियंत्रण कक्षों की कार्यक्षमता का परीक्षण, निकासी योजनाओं श्की तैयारी का मूल्यांकन, महत्वपूर्ण संयत्रों ध्प्रतिष्ठानों को शीघ्र छिपाने का अभ्यास एवं नागरिक सुरक्षा सेवाओ की सक्रियता का आकलन, ब्लैकआउट क्रियान्यवन का अभ्यास, बचाव उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता का आकलन व विभिन्न विभागों के बीच समन्वय का आकलन करना। साथ ही यह मॉकड्रिल दुश्मन देश के हवाई हमले की स्थिति में मौके पर राहत एवं बचाव कार्य, घायलों को त्वरित रूप से अस्पताल पहुंचाने और अस्पताल की आपातकालीन व्यवस्थाओं की तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से की गई। सायरन की आवाज के साथ ही प्रशासन हुआ सक्रिय आपातकालीन मॉक ड्रिल का अभ्यास शाम 5 बजे से किया गया। मॉकड्रिल के तहत हीरो प्लांट पर हवाई हमले की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, सिविल डिफेंस, चिकित्सा, अग्निशमन व अन्य संबंधित विभागों की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। एम्बूलेंस व फायर ब्रिगेड घटना स्थल की तरफ दौड पडे और रिकॉर्ड समय में घटना स्थल पर पहुंचे। सायरनों की आवाज सुनकर हर कोई बचाव की मुद्रा में आ गया एवं हवाई हमले के बाद घायलों एवं प्रभावितों को बचाने के लिए जिला प्रशासन के सभी संबंधित विभाग सक्रिय हो गये। इस दौरान प्रशासन व पुलिस द्वारा आपात स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की प्रतिक्रिया और समन्वय की जांच की गई। 136 लोगों को निकाला बाहर इस दौरान प्लांट के एडमिन ब्लॉक में फंसे 136 लोगों को बाहर निकाला गया जिनमें 119 लोगों को सुरक्षित निकालकर मोहन लाल दयाल विनय मंदिर स्कूल में बनाए सेफ हाउस में भेजा गया, 15 घायलों को चिकित्सक उपकरणों से लैस एम्बुलेंस के माध्यम से सीएचसी नीमराना में भर्ती किया गया एवं 1 सीरियस कंडीशन घायल को जयपुर रेफर किया गया एवं घटना में 2 मृत व्यक्तियों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया मॉक ड्रिल में परखी व्यवस्थाएं एवं विभागों का समन्वय हवाई हमले की सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग बुझाने की कार्यवाही को अंजाम दिया गया। सिविल डिफेंस एवं फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा रस्सी की सहायता से दो मंजिला भवन की छत से डेड बॉडी को नीचे उतारने का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस दौरान फायर ब्रिगेड टीम ने पानी व फॉम के माध्यम से आग पर काबू पाने का मॉक ड्रिल किया। प्रशासनिक अधिकारियों ने

नीमराना में मॉक ड्रिल के दौरान बचाव कार्य का प्रशिक्षण दिया।

- 136 फसें हुए लोगों को निकाला, घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, आपात स्थिति में राहत, बचाव व सुरक्षा व्यवस्था के उपायों को परखा गया

संक्षिप्त

अहिल्याबाई होलकर की जयंती मनाई

कोटपूतली। यहाँ के राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविधालय में शनिवार को प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह की अध्यक्षता में महान समाजसेविका, आदर्श प्रशासिका एवं प्रजावत्सला रानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती के उपलक्ष्य में गरिमामय व प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन, उनके कुशल प्रशासन, सामाजिक सुधारों और लोक कल्याणकारी कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। छात्र-छात्राओं ने उनके जीवन से प्रेरित होकर विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दीं। जिनमें भजन, कविता पाठ और नाट्य दृश्य शामिल थे। प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर नारी शक्ति, सेवा भावना और सुशासन की प्रतीक हैं। उनका जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिये प्रेरणा का अमूल्य स्रोत है। कार्यक्रम के अंत में अहिल्याबाई होलकर के जीवन एवं कार्यों पर आधारित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा तैयार पोस्टर व लेख प्रस्तुत किये गये। इस दौरान विभिन्न संकाय सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुये अहिल्याबाई के योगदान को यथोचित श्रद्धांजलि अर्पित की।

कब्रिस्तान की दीवार तोड़ हटाया अतिक्रमण

भरतपुर (निस)। नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जवाहर नगर डी ब्लॉक स्थित एक कब्रिस्तान की दीवार को तोड़ दिया। यह कार्रवाई कॉलोनी के लोगों द्वारा दिए गए ज्ञापन के आधार पर की गई, जिसमें उन्होंने मार्ग को चौड़ा करने की मांग की थी। नगर निगम आयुक्त श्रवण कुमार विश्नोई ने बताया कि कब्रिस्तान की दीवार को तोड़ कर मार्ग को चौड़ा किया जाएगा . उन्होंने कहा कि कब्रिस्तान में भी कुछ कार्य किए जाएंगे। कार्रवाई से पहले कब्रिस्तान कमेटी के लोगों से समझाइश की गई थी। जानकारी के मुताबिक फिलहाल यह मार्ग 15 फीट का है लेकिन इसे 60 फीट का किया जाएगा।।

उपमुख्मंत्री को ज्ञापन सौंपा

फागी । भीलवाड़ा हाईवे पर नित्य प्रति होने वाले हादसों से बचने के लिए कस्बे वासियों ने उप मुख्यमन्त्री और परिवहन मंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौपा । गौरतलब है कि कस्बे के मध्य से होकर गुजरने वाले हाईवे 12 पर पर्याप्त चौडाई नहीं होने के साथ ही साइड पटरी भी नहीं है जिससे नित्य प्रति इस हाइवे पर जनहानि होती रहती है साथ ही मोटा टोल वसूलने के बावजूद न तो किसी प्रकार की पेट्रोलिंग सुविधा है और नहीं एंबुलेंस की सुविधा । क्रेन की सुविधा तो कोसों दूर की बात हो चुकी है या ज्ञापन में कस्बे वासी महावीर प्रधान सुरेंद्र सोयल मुकेश कोरवाल रामजीलाल वर्मा मुरारी स्वामी सहित अनेक कस्बे वासियों ने एस एच 12 को नेशनल हाइवे में बदलने की मांग की है।

बांधे परिंडे

पावटा। पर्यावरण परिवर्तन की वजह से गर्मी में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसके कारण आम इंसानों की तरह ही बेजुबान पशु-पक्षी भी बेहाल हैं। ऐसे में अब बेजुबान पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने और भूख मिटाने के लिए समाजसेवी रतनलाल शर्मा के द्वारा चलाया जा रहे है।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य ओमप्रकाश बडाया पुत्र श्री गोकुल प्रसाद बडाया निवासी प्लाट नम्बर 8/120, विधाधर नगर, जयपुर के निवासी है। जिनका पुत्र वैभव बडाया मेरे अभिभाष्य के कहे में नहीं है ना हीं मेरे अभिभाष्य से कोई सम्बन्ध सरोकार है जिस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र को अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है भविष्य में अगर किसी व्यक्ति द्वारा मेरे अभिभाष्य के पुत्र से कोई भी लेन-देन अथवा कोई खरीद फरोख्त आदि की जाती है तो उसकी जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य की नहीं होगी बल्कि स्वयं की होगी।

विशन चौधरी एडवोकेट मो. नं. 9351159290

आम सूचना हर आम व खास को सूचित किया जाता है, कि मेरे अभिभाष्य बंशीलाल पुत्र श्री भूराराम, निवासी- निवासी श्योसिंहपुरा उर्फ बासडा, तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर, हाल निवासी-साकेत कॉलोनी, विजय नगर अजमेर के द्वारा बजरंग चौधरी पुत्र श्री श्योजीराम, निवासी- श्योसिंहपुरा उर्फ बासडा, तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर, के पक्ष में एक मुख्त्यारनामा आम (सर्वाधिकार पत्र) दिनांकित 24.05.2016 निष्पादित किया गया था। उक्त मुख्त्यारनामा आम को मेरे अभिभाष्य द्वारा दिनांक 30.05.2025 को प्रेषित रजिस्टर्ड नोटिस के द्वारा निरस्त कर दिया गया है। इस पीओए के आधार पर कोई भी व्यक्ति बजरंग चौधरी से किसी प्रकार का कोई संव्यवहार नहीं करे।

राकेश यादव, एडवोकेट, मो.-9414254160

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/374 चूंकि प्रार्थी श्री RAJENDRA GOLECHA, 4840 SHOKHIYA KA MOHALA K-G-B- KA RASTA ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास SHREE JAIN SHWETAMBER KESARIYA NATH JI KA MANDIR (SHREE VIJAYGACHIYA TRUST), 4840 SHOKHIYA KA MOHALA K-G-B- KA RASTA के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 30-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 01/08/2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

आम सूचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है, कि सैय्यद अली पुत्र स्व. अलादीन, प्लाट नम्बर ए-57 आर.ए.सी लाईन, अमृतपुरी, घाटगेट जयपुर के दक्षिणी हिस्सा जिसकी नांप पूर्व-पश्चिम 24 फीट 3 इन्च, उत्तर-दक्षिण 35 फीट, तीन मंजिला का एक मात्र मालिक एवं स्वामी है। इस भाग को विक्रय, बख्शीश का अधिकार है। उनका बड़ा पुत्र मोहम्मद अली अपने पिता एवं माता के खिलाफ है। मारपीट, गाली गलोच करता है। जबकि छोटा पुत्र शराफत अली ही माता-पिता की सेवा करता है। इस कारण मोहम्मद अली को सैय्यद अली प्लाट मे कोई हक व हिस्सा देना नही चाहते।

जयपुर (फैजान हुसैन एडवोकेट)
दिनांक मो.नं:-8824515124

खोया पाया

मेरा मकान संख्या-10/05, मानसरोवर, जयपुर का मूल नियमितिकरण एवं अदेय पत्र स्वर्णपथ मानसरोवर पर गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें- गोविंद अग्रवाल- 8279291649

नाम परिवर्तन

मैं सोनाली शर्मा पत्नी श्री अंकुर जोशी निवासी 4-ट-26, मोनोलिक हॉस्पिटल के पास जवाहर नगर जयपुर 302004 ने अपना नाम सोनाली तेजवीर शर्मा से बदलकर सोनाली शर्मा कर लिया है तथा भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये।

मैं, विक्रम सिंह राठौड पिता नं. 136279239M लांस/हवलदार भोजराजसिंह राठौड निवासी- गांव-बरनेल, पोस्ट- गच्चीपुरा, तहसील-परबतसर जिला- नागौर, राजस्थान, 341504, ने अपना नाम विक्रम सिंह राठौड से बदलकर विक्रम सिंह कर लिया है, समक्ष शपथ पत्र संख्या - BZ936311 दिनांक 31.05.2025 नोटरी पब्लिक जयपुर

मैं रंजना कँवर पत्नी नं.13627923M लांस/हवलदार भोजराज सिंह राठौड़ निवासी-गांव-बरनेल, पोस्ट-गछीपुरा, तहसील-परबतसर, जिला-नागौर, राजस्थान, 341504, ने अपना नाम रंजना कँवर (kanwer) से रंजना कँवर (kanwar) बदल लिया है समक्ष शपथ पत्र संख्या- BZ936308 दिनांक 31.05.2025 द्वारा नोटरी पब्लिक जयपुर

मैं आर्मी नंबर 15208734M रैंक हवलदार सूतीश यस यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट मेरे सैयां या दस्तावेज मेरा माता का नाम है कमलामा के जो की गलत है मेरा माता का सही नाम कमलम्मा है।

मैं आर्मी नंबर 15208734 एम रैंक हवलदार सुतीश यस यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट मेरा सैन्य दस्तावेज मैं मेरा पिता का नाम है शशिधरण बी. के जो की गलत है मेरा पिता का सही नाम बी. के शशिधरण है

मैने अपना नाम नजमा से बदलकर नजमा बानो पत्नी श्री मोहम्मद सलीम रख लिया है भविष्य मुझे इसी नाम से जाना जावे निवासी प्लॉट नंबर 2, सुमेल हाउस, अजमेर रोड, सिविल लाइंस ,जयपुर, राजस्थान

I Suri Babu F/o No-17014496K, Rank-NK Name -Rajubabu Gandikota Presently Residing at Mettabangla Village, Chintapalle Post- Chintapalle, Dist- Alluri Sitharama Raju, State -Andhra Pradesh, 531111, Have Changed my Name From SURI BABU TO GANDIKOTA SURIBABU and date of Birth From 20-06-1966 to 10-06-1968 By Affidavit No-0007148156 Dated-31-05-2025

I Vara Laxmi Mother No-17014496k Rank-NK Name-RAJUBABU GANDIKOTA PRESENTLY RESIDING AT D/NO21-2805, Mylu kuli Street Village Chintapalle, Po-Chintapalle, Dist-Alluri Sitharama Raju state Andhra pradesh 531111, Have Changed my name From VARA LAXMI TO GANDIKOTA VARALAKSHMI And Date of birth From 08-02-1976, to 05-12-1972 vide Affidavit no-0007148157 dated 31.05.2025

कोटपूतली में बनेगा सात मंजिला पक्षी घर

कोटपूतली । कस्बे के बानसूर रोड स्थित श्री जयसिंह गौशाला में शनिवार को विशाल पक्षी घर निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया गया। इस सात मंजिला पक्षी घर का निर्माण भामाशाह देवदत्त जांगिड द्वारा करवाया जा रहा है। करीब 06 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह पक्षी घर 70 फीट ऊँचा और सात मंजिला होगा। जो गर्मी और सर्दी में पक्षियों को आश्रय देने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है। यह पक्षी घर ना केवल पक्षियों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना होगा, बल्कि कोटपूतली क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और जीव दया की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल भी साबित होगा। गौशाला समिति ने देवदत्त जांगिड के इस पुण्य कार्य की सराहना की और समाज में ऐसे प्रेरणादायी कार्यों की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर नन्दलाल जोशी, सुरेन्द्र बालास्या, रिसाल सिंह शेखावत, मुकेश आंतेला वाले, गजेन्द्र बालास्या, सुनील जांगिड समेत अन्य मौजूद रहे।

एक हजार परिंडे बांटे

- गर्मी से जूझते पक्षियों के लिए कलेक्टर ने हर आंगन एक परिंडा, हर पक्षी खुशहाल अभियान शुरु किया

खैरथल। भीषण गर्मी से जूझते जिले में पशु-पक्षियों को राहत देने के लिए खैरथल में जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने हर आंगन एक परिंडा, हर पक्षी खुशहाल अभियान की शुरुआत खैरथल की पुरानी अनाज मंडी स्थित लाला जय नारायण पॉचीदेवी खंडेलवाल स्मृति उद्यान से की गई। जहां जिला कलेक्टर ने समाजसेवी संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराए गए 1000 परिंडे वितरित किए और उद्यान में लगे पेड़ों पर परिंडे लगए व पार्क में अतिथिगणों द्वारा बरगद का पौधा लगाया गया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने कहा कि गर्मी का प्रकोप केवल इंसानों पर नहीं, बल्कि बेजुबान पशु-पक्षियों पर भी उतना ही भारी पड रहा है। यदि हम उनके लिए पानी और दाने की व्यवस्था करें तो यह हमारे मानवीय कर्तव्यों की पूर्ति होगी। प्रत्येक आंगन में परिंडा लगाया जाए, पेड़ों पर पानी के पात्र बाँधे जाएं और समाज सेवा के इस कार्य में हम सब एकजुट हों। यह न सिर्फ जीव सेवा है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा और पर्यावरण संतुलन की दिशा में एक अहम कदम है।

उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, विद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं से अपील कि इस अभियान को जन आंदोलन बनाएं। गर्मी के इस मौसम में जलस्त्रोतों की रक्षा करना भी हमारा दायित्व है। जल संरक्षण, जीवन संरक्षण का आधार है।

जिला कलेक्टर ने कहा इस अभियान की शुरुआत जिला स्तर से की गई है इसके पश्चात यह कार्यक्रम ब्लॉक स्तर पर भी किए जाएंगे ताकि पूरे जिले में इस अभियान को जन आंदोलन बनाया जा सके।

इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव ने कहा कि समाज की असली ताकत उसकी संवेदनशीलता में होती है। यह अभियान हमें सिखाता है कि बेजुबान पक्षियों के लिए एक छोटी सी कोशिश, उनके जीवन को बचा सकती है। जब हर घर, हर छत, हर पेड़ पर परिंडे होंगे तो हमारे आसमान में चहचहाहट बनी रहेगी। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे पूर्वज छतों पर पुराने मटकों और बर्तनों में पानी भरकर पक्षियों की सेवा किया करते थे। आज उसी परंपरा को जीवित रखने का प्रयास इस अभियान द्वारा किया जा रहा है। यह अभियान लोगों में सेवा भावना जगाने वाला है और हमें उम्मीद है कि आमजन इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे।

कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी टपूकड़ा लाखन सिंह गुर्जर, उपखंड अधिकारी किशनगढ बास मनीष कुमार जाटव, उपखंड अधिकारी मुंडावर सुरेश कुमार बलई, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, स्थानीय पार्षद, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता व नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिव महापुराण कथा 5 से

किशनगढ़बास। प्रसिद्ध कथा वाचक मनुश्री महाराज 5 से 11 जून तक खैरथल रौड किशनगढ़बास के गजानंद गार्डन में श्री शिव महापुराण कथा करेंगे। कथा प्रतिदिन 3.30 से 6.30 तक होगी। 4 जून को विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें एक हजार से अधिक महिलाएं शामिल होगी। राष्ट्रीय कथाकार मंनुश्री महराज किशनगढ़बास में तीसरी बार कस्बे में कथा का वाचन करेंगे। इस कथा के शुभारम्भ पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, राज्य मंत्री संजय शर्मा, विधायक दीपचंद खेरिया, पूर्व विधायक रामहेत यादव, समाज सेवी भाजपा नेता दिनेश यादव विशेष अतिथि होंगे।

आयोजन समिति के अध्यक्ष इंदर गुप्ता एवं बबलू अठावाल ने बताया कि निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में 5 से 11 जून तक श्री शिव महापुराण एवं रुद्राक्ष महोत्सव का विशाल आयोजन किशनगढ़बास के गजानंद गार्डन में किया जाएगा। इस कथा में राष्ट्रीय कथाकार मनुश्री महाराज रतनगढ़ वाले के श्री मुख से शिव की महिमा वर्णन किया जाएगा।

सरकार की योजना अंतर्गत 5 छात्राओं को स्कूटीयों का वितरण किया

- खैरथल में अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती मनाई

खैरथल। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती समारोह खैरथल जिला सचिवालय पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर किशोर कुमार रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कलेक्टर ने अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। इस मौके पर कलेक्टर ने कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना एवं देवनारायण छात्रा स्कूटी एवं प्रोत्साहन योजना के तहत 5 बालिकाओं को स्कूटी का वितरण भी किया।

शनिवार को प्रातः 11:00 बजे जिला सचिवालय खैरथल पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हम सब लोकमाता अहिल्याबाई की त्रिशताब्दी जयंती मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह केवल हमारे लिए एक ऐतिहासिक स्मरण नहीं है, बल्कि भविष्य के निर्माण की प्रेरणा भी है। उन्होंने ने कहा कि एक साधारण परिवार में जन्मी अहिल्याबाई ने अपने कर्म, साहस और दृष्टिकोण से इतिहास में वह स्थान प्राप्त किया जो आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है।

उन्होंने अपने जीवन के हर क्षण को मनसा, वाचा, कर्मणा लोकहित के लिए समर्पित किया। एक अबोध बालिका से लेकर होल्कर वंश की रानी और फिर लोकमाता बनने तक का उनका 70 वर्षीय जीवन सामाजिक न्याय, कर्तव्य, सात्त्विकता और पराक्रम की मिसाल रहा। उनकी शासन शैली में राजनीतिक दूरदृष्टि, आध्यात्मिक आस्था और जनसेवा का समर्पण था। उन्होंने युद्ध को कभी भी केवल राजकोष भरने का साधन नहीं माना। अंठोजों की कूटनीति को भांपते हुए उन्होंने भारतीय रियासतों को सतर्क रहने की सलाह दी और अखंड भारत की परिकल्पना को प्रोत्साहित किया साथ ही महिलाओं की भागीदारी को भी नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने यह सिद्ध किया कि बिना टकराव, बिना कठोरता के भी समाज की सोच और व्यवस्थाएं बदली जा सकती हैं। वे धर्मपरायण थीं, लेकिन उसी के साथ राजनैतिक रूप से सजग, पराक्रमी भी थीं। उनका जीवन उन सभी मूल्यों का संतुलन था, जिन्हें आज की पीढ़ी को समझने और आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर सामाजिक दृष्टि से अत्यंत व्यापक थी। उन्होंने महेश्वरी साड़ी उद्योग की शुरुआत की, जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला। देशभर में मंदिरों का जीर्णोद्धार, धर्मशालाओं का निर्माण, घाटों का विकास, और पर्यावरण संरक्षण उनके सतत प्रयासों के उदाहरण हैं। स्त्री-सशक्तिकरण की दृष्टि से भी वे अठाणी थीं। उन्होंने विधवाओं को संपत्ति का अधिकार दिलाया, दहेज प्रथा के विरुद्ध आदेश जारी किए, और महिलाओं की अदालतों में सुनवाई सुनिश्चित की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद गेट, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, अधिशासी अभियंता वाटरशेड विभाग, छत्रपाल सिंह, सहायक अभियंता बिजली विभाग दिनेश भड़ाना, सहायक अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग,नगर परिषद कनिष्का, अभियंता मोतीलाल, राजकीय बालिका महाविद्यालय प्रिंसिपल सहित अन्य अधिकारी एवं महाविद्यालय की छात्रा उपस्थिति रही।

ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई

कोटपूतली । जिले में इन दिनों ओवरलोड को लेकर परिवहन विभाग की कार्यवाही लगातार जारी है। जिससे ट्रांसपोटरों व वाहन मालिकों में हड़कम्प मचा हुआ है। विभाग ने पिछले 15 दिनों में ओवरलोड वाहनों के करीब 250 चालान काटे है। साथ ही बड़े वाहनों की ट्रालियों की 80 गाडियों की बॉडी भी कटवाई है। कोटपूतली क्षेत्र में परिवहन विभाग की कार्यवाही के बाद हाइवे सहित कोटपूतली-नीमकाथाना मार्ग पर अब एक भी ओवरलोड वाहन नजर नही आ रहे है। हाईवे पर पहले भारी भरकंप डंफर, ट्रेलर ओवरलोड दिखाई देते थे जो अब बिल्कुल नदारत है।

ओवरलोड वाहनों की वजह से कोटपूतली क्षेत्र में आये दिन दुर्घटना व सडकों की हालत खराब होती रही है। साथ ही जाम जैसी स्थिति भी बनी रहती थी। विभाग की कार्यवाही के बाद अब सडकों पर ओवरलोड वाहनों की आवाजाही बन्द होने से हल्के वाहन चालक आमजन व व्यापारी वर्ग ने राहत की सांस ली है। विभाग का कहना है क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों को किसी भी किमत पर नहीं चलने दिया जायेगा।

अपील की सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना
(आदेश 41 के नियम 14)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 6 जयपुर महानगर प्रथम
जमीला व अन्य विरूद्ध श्रीमती प्रकाश कंवर व अन्य
अपील नियमित दीवानी अपील
अपील नं. 10 सन् 2018

अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम 7 जयपुर महानगर के न्यायालय की तारीख 28-08-2018 को निर्णय व डिक्री की अपील-

1. श्रीमती प्रकाश कंवर धर्मपत्नी स्व0 श्री दुर्गादास जी, जाति राजपूत निवासी ग्राम बोराज तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर एवं मकान नम्बर 2100 बोराज हाउस, चौकडी मोदीखाना, रास्ता ठाकुर बोराज, किशनपोल बाजार, अजमेरी गेट जयपुर।
2. श्री त्रिवेन्द्र सिंह खंगारोत दत्तक पुत्र स्व0 श्री दुर्गादास जी, जाति राजपूत निवासी ग्राम बोराज तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर एवं मकान नम्बर 2100, बोराज हाउस, चौकडी मोदीखाना, रास्ता ठाकुर बोराज, किशनपोल बाजार, अजमेरी गेट जयपुर।
3. श्रीमती किशन कंवर बेवा स्व0 श्री रघुनाथ सिंह जी,
4. श्री कुलदीप सिंह पुत्र स्व0 श्री रघुनाथ सिंह जी,
5. श्री पृथ्वीराज सिंह पुत्र स्व0 श्री रघुनाथ सिंह जी
6. श्री त्रिवेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री रघुनाथ सिंह जी,

समस्त निवासीगण मकान नम्बर 2100, बोराज हाउस, ठाकुर बोराज का रास्ता, चौकडी मोदीखाना, नेहरु बाजार जयपुर।

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में ACMM-07 की डिक्री को अपील अपीलार्थी/ प्रतिवादी द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा ता.08 माह 07 सन् 2025 नियत की गई है।

यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिये विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी। यह आज तारीख 20 माह 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

आज्ञा से-रीडर ग्रेड प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-06, जयपुर महानगर प्रथम

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, खण्डपीठ इंदौर
सूचना (नोटिस) (सामान्य फार्म)
AC/85/2024
Process Id: 35026/2025
Respondent No. 1
FOR ADMISSION Fixed for 16-06-2025 C.O. for 19/05/2025 Notice returnable before 16-06-2025

अपीलार्थी / आवेदक KANTA POKHARNA W/O RAJENDRA POKHARNA THROUGH POWER OF ATTORNEY SIDDHARTH POKHARNA
Vs
प्रत्यर्थी / अनावेदक JAGDISH NARAYAN SHARMA

प्रति,
Jagdish Narayan Sharma S/o Shri Rameshwar Prasad Sharma, R/O 21 Narayan Vihar, Ajmer Road, Jaipur (Rajasthan), District- Jaipur, Rajasthan

चूंकि उपर्युक्त मामले में श्री Appellant द्वारा FOR ADMISSION के लिये आवेदन किया गया है। अत: सूचित हो कि इंदौर में आपकी उपस्थिति के लिये दिनांक 16-06-2025 नियत किया गया है और यह कि यह मामला उस दिन या उसके बाद यथासाध्य शीघ्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जावेगा। यदि आपकी ओर से आप स्वयं, आपका वकील या इस मामले में आपके लिये कार्य करने के लिये विधिवत् अधिकृत कोई अन्य अन्य व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ तो इसकी आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई की जायेगी और निर्णय दिया जायेगा।

आज दिनांक 20-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर और उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, खण्डपीठ इंदौर की मुहर से दिया गया।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
(Smt. Anamika Choure)
Administrative Officer (J)

31 दिवसीय धूणी तपस्या, 3 जून को होगा समापन

नारायणपुर । ग्राम पंचायत मुण्डावरा के गांव भोजपुरी स्थित गिरदारीदास आश्रम इन दिनों आस्था और तपस्या का केंद्र बना हुआ है। यहाँ बाल योगी संतोषदास महाराज भीषण गर्मी के बावजूद सात प्रज्वलित धूणियों के बीच बैठकर 31 दिवसीय कठिन साधना कर रहे हैं। विश्व शांति, पर्यावरण शुद्धि और समाज कल्याण की भावना के साथ की जा रही यह तपस्या 4 मई से प्रारंभ हुई है और इसका समापन 3 जून को भव्य आयोजन के साथ किया जाएगा। संतोषदास महाराज ने बताया कि यह उनकी 11वीं धूणी तपस्या है। प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक वे लगातार धधकती सात धूणियों के मध्य में बैठकर मंत्र जप, ध्यान और साधना करते हैं। इस भीषण गर्मी में जहां आमजन घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं, वहीं बाल योगी का यह तप उदाहरण बनकर श्रद्धालुओं को आस्था और संयम का संदेश दे रहा है। तपस्या के दौरान संतोषदास महाराज पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ साधना में लीन रहते हैं। धूणी तपस्या स्थल पर प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड रही है। लोग दूर-दराज़ से यहां पहुंचकर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। तपस्या का मुख्य उद्देश्य विश्व में शांति और सद्भावना का वातावरण निर्मित करना, समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना और पर्यावरण संतुलन के लिए प्रार्थना करना है। तपस्या के समापन पर 3 जून को सुबह 10.15 बजे पूर्णाहुति का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 11.15 बजे से जयराम ठेकला एंड पार्टी द्वारा नेहडा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। दोपहर 12.15 बजे से विशाल भण्डारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण करेंगे।

बाल योगी संतोषदास महाराज भीषण गर्मी के बावजूद सात प्रज्ज्वलित धूणियों के बीच बैठकर 31 दिवसीय कठिन साधना कर रहे हैं।

जूली ने राजस्थान सरकार पर निशाना साधा :- अलवर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली लगातार भारतीय जनता पार्टी और उनके नेताओं पर निशाना साधते नजर आ रहे हैं। जूली ने आज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के राजस्थान दौरे पर उनके वक्तव्य पर तंज कसते हुए कहा कि आज प्रदेश की जनता के हालात खराब है।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर (www.jda.rajasthan.gov.in)

क्रमांक:-ज.वि.प्रा./उपा./जोन-13/2025/डी- 1125 दिनांक :- 28/5/25

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय में निजी खातेदारी की योजना त्रिवेणी नगर के भूखण्ड संख्या सी-207 क्षेत्रफल 203.83 वर्गगज की लीजडीड हेतु श्री अखिलेश मिश्रा पुत्र श्री सांवरमल मिश्रा द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ पहचान पत्र, बैंक की एल.ओ.डी.. वाद विवाद का शपथ पत्र की प्रति, जविप्रा द्वारा जारी लीजडीड की प्रति, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र की छायाप्रति के आधार पर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदित भूखण्ड की लीजडीड जविप्रा द्वारा दिनांक 03.10.2008 को श्रीमती पुष्पा अग्रवाल पत्नी श्री रामचन्द्र अग्रवाल के पक्ष में जारी की गयी थी। श्रीमती पुष्पा अग्रवाल पत्नी श्री रामचन्द्र अग्रवाल द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 29.11.2010 को अभिनन्दन बिल्डहोम प्राईवेट लिमिटेड जरिये डायरेक्टर श्री भूपेन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री कैलाश चन्द अग्रवाल को किया गया है। अभिनन्दन बिल्डहोम प्राईवेट लिमिटेड जरिये डायरेक्टर श्री भूपेन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री कैलाश चन्द अग्रवाल द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 15.04.2014 को श्री अखिलेश मिश्रा पुत्र श्री सांवरमल मिश्रा के पक्ष में किया गया है। अत अपने आवेदन पत्र के साथ पहचान पत्र, बैंक की एल.ओ.डी., वाद विवाद का शपथ पत्र की प्रति, जविप्रा द्वारा जारी लीजडीड की प्रति, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र की छायाप्रति के आधार पर यदि किसी संस्था / व्यक्ति / हितधारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर आपत्ति जोन कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है अन्यथा 7 दिवस पश्चात् भूखण्ड के नाम हस्तानान्तरण / लीजडीड जारी की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जावेगी।

उपायुक्त, जोन-13 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

न्यू सांगानेर रोड़ शाखा, 5, तीर्थ नगर, न्यू सांगानेर रोड़ जयपुर, राजस्थान 302019, फोन नं.: 0141-2297119
ई-मेल: sanjai@bankofbaroda.co.in

मांग सूचना-सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अन्तर्गत

निम्नांकित ऋणियों एवं जमानतदार को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि उन्होने बैंक से लिए गए ऋण की किश्तों एवं उसके ब्याज का समय पर भुगतान नहीं किया अतः उनका खाता एन.पी.ए. में वर्गीकृत हो गया हैं। बैंक द्वारा सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत उनको बैंक रिकॉर्ड के अनुसार उनके अन्तिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किए गए थे जो कि उनके द्वारा प्राप्त नहीं किए जाने के फलस्वरूप पुनः लौटकर आ गए हैं। अतः उनको इस सामान्य नोटिस के द्वारा उक्त अधिनियम के तहत इस बारे में सूचित किया जाता है:

ऋणियों एवं जमानतदार का नाम एवं पता	प्रतिभूत आस्तियों/बंधक सम्पत्ति का विवरण	नोटिस 13(2) की दिनांक	बकाया राशि (नोटिस 13(2) के अनुसार)
मैसर्स अल्टीमेट इंफ्राटेक प्रोपराईटर श्री विनीत चौधरी फ्लैट नं. 1116, प्लॉट नं. जी-02, कनक वृन्दावन, कनकपुरा, जयपुर 302012 एवं प्लॉट नं. 116-सी, माँ हिंगलाज नगर-सी, लालरपुरा, वाई नं. 12, वैशाली नगर, जयपुर 302021 **जमानतदार- श्रीमती ममता शर्मा पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा** प्लॉट नं. 97, बंधु नगर स्कीम नं. 03, मुरलीपुरा, सीकर रोड़, जयपुर 302013	श्रीमती ममता शर्मा पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 97, बंधु नगर, स्कीम नं. 03, मुरलीपुरा, सीकर रोड़, जयपुर पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 115.0 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्वः प्लॉट नं. 98, पश्चिमः प्लॉट नं. 96, उत्तरः प्लॉट नं. 92, दक्षिणः रोड 60'	25.03.2025 गैर निष्पादक आस्ति (एनपीए) दिनांक 19.12.2023	दिनांक 25.03.2025 को बकाया राशि रू. 3,92,555.75 (रूपये तीन लाख बानवे हजार पांच सौ पचपन एवं पैसे पचहतर मात्र) (दिनांक 25.03.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य खर्चे आदि।

इस नोटिस के द्वारा उक्त ऋणियों एवं जमानतदार के विरूद्ध अग्रिम कार्यवाही करते हुए उक्त उधारकर्ताओं/जमानतदार को उक्त बकाया राशि इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिवस के भीतर पुनर्भुगतान हेतु आगाह किया जाता है, अन्यथा साठ (60) दिवस की समाप्ति के पश्चात सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) के अन्तर्गत वसूली कार्यवाही की जाएगी। ऋणियों एवं जमानतदार को यह भी सलाह दी जाती हैं कि वे बैंक के अधोहस्ताक्षरकर्ता/प्राधिकृत अधिकारी से किसी भी कार्य दिवस पर 13(2) के अन्तर्गत जारी नोटिस की मूल प्रति प्राप्त कर लेवें।

कर्जदारों/जमानतदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

दिनांक: 31.05.2025
स्थान: जयपुर

हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

संक्षिप्त

अस्पताल का औचक निरीक्षण

निवाई। एनीमिया स्टेट प्रोग्राम मैनेजर डॉ. मौलश्री राठौड ने उप जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण करके आवश्याक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान मैनेजर डॉ मौलश्री राठौड़ ने अस्पताल प्रभारी राजेश जैन व बीसीएमएचओं पवन हाथीवाल से एनीमिया (खून की कमी) की रोकथाम व नियंत्रण के बारे में जानकारी ली और एनीमिया से निपटने के लिए अस्पताल की नीतियों और कार्यक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरा मेडिकल स्टाफ के कार्यो की सराहना करते हुए विजिट रजिस्टर में कर्मचारियों के व्यवहार एंव कुशल कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से लिखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्था, सोनोग्राफी, एक्सरे, दवा वितरण केंद्र, महिला वार्ड, साफ-सफाई, दवाइयों का स्टॉक और मरीजों की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने लू ताप-घात के लिए बनाए गए वार्ड का भी निरीक्षण किया और अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी बातचीत की और उनसे दवाइयों की उपलब्धता एवं स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सोनोग्राफी व एक्सरे को देखा और उपस्थित स्टाफ से जानकारी ली। उन्होंने दवा वितरण केंद्र पर मिलने वाली दवाइयों की जानकारी ली एवं पीएमओ डॉ राजेश जैन से लू ताप-घात के लिए बनाए गए वार्ड की जानकारी ली। राठौड ने अस्पताल की साफ-सफाई, दवा वितरण पर सन्तोष जताया। अस्पताल में आवश्यक दवाओं का स्टॉक रखने, साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, जांच केंद्रों सहित अन्य सुविधाओं का भी निरीक्षण किया एवं पीएमओ डॉ राजेश जैन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की।

महोत्सव में उमड़ा सैलाब

निवाई। गांव गोपालपुरा में लोक देवता बाबा रामदेव की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि चाकसू विधायक रामअवतार बैरवा एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बद्री नटवाड़ा ने की। कार्यक्रम में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान चाकसू विधायक ने कहा कि सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करना बहुत आवश्यक है। लोक देवता बाबा रामदेव हमारे पूजनीय देवता है। बाबा रामदेव का राजस्थान में बड़ा आस्था का केंद्र है। लाखों लोग रामदेवरा पैदल यात्रा पर जाते हैं। भगवान रामदेव भक्तों की हर इच्छा पूर्ण करते हैं। समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होना आवश्यक है। सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का करना आवश्यक है। आयोजन कमेटी द्वारा अतिथियों का माला व साफा सहित स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस दौरान विधायक ने भगवान बद्री विशाल धाम के दर्शन कर पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में रामदेव प्रजापत, जगदीश बैरवा, लड्डू बैरवा, देशराज बैरवा, श्याम प्रकाश बैरवा, गिरिराज बैरवा व राजेंद्र बैरवा सहित सैकडो श्रद्धालु मौजूद रहे।

यज्ञ में दी आहुतियां

निवाई। गांव मण्डालिया में भोमिया जी डूंगरी मंदिर पर स्वामी सुखानंद महाराज व सोमगिरि महाराज के सानिध्य में हनुमानजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। गीताराम गुर्जर ने बताया कि हवन कुंडों पर 9 यजमानों ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दी। शाम को महाप्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी ठाहण की। शुक्रवार की शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया। शनिवार रात्रि को सायं 9 बजे से गुर्जर गोठ गायन हुआ। जिसमें निमोद, कराडी, गुड़ला,अरनिया, चुराडा, मण्डालिया, बस्सी , सिरस, झिलाय, खिडग़ी व गोर्वधनपुरा सहित आसपास की पार्टीयां शामिल हुई। कार्यक्रम में आचार्य महेश दाधीध, सीताराम गुर्जर, आशाराम खटाणा, देवराज गुर्जर, मुकेश गुर्जर, गीताराम गुर्जर, लादू गुर्जर, रामराय गुर्जर व सियाराम गुर्जर सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

यात्रियों का जत्था रवाना

निवाई। चिंताहरण गणेशजी के मंदिर से चारधाम के लिए जयकारों के साथ यात्रियों का जत्था रवाना हुआ। भागचंद कौशिक ने बताया कि यात्रियों का जत्था हरिद्वार, ऋषिकेश, बडकोट, जानकीचट्टी, यमनोत्री, शिवगुफा, उत्तरकाशी, गंगवानी गर्मकुंड, गंगोत्री, धारा देवी, रुद्रप्रयाग, गुप्तकाशी, कर्णप्रयाग, केदारनाथ, हनुमानचट्टी, जोशीमठ व बद्रीनाथ में भगवान के दर्शन करके देश में खुशहाली की मन्नते मांगेंगे।

झील बचाओ-किसान बचाओ संघर्ष समिति का गठन, आरपार की लड़ाई का ऐलान

अलवर । सीलीसेड रियासत कालीन झील का वजूद तथा क्षेत्र के किसान परिवार का भविष्य संकट में नहीं हो इसके लिए शनिवार को धरना स्थल पर मांगे लाल की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन हुआ। जिसमें चर्चा की गई की अलवर जिले में एकमात्र जीवंत झील है और अगर यह बर्बाद हो गई तो पूरा क्षेत्र ही नाश हो जाएगा इसलिए इसे बचाना जरूरी है। दूसरे दिन धरना स्थल पर झील बचाओ किसान बचाओ संघर्ष समिति का गठन किया। शंकर समिति के अध्यक्ष प्रेम पटेल को नियुक्त किया गया । सचिव प्रवक्ता भवेंद्र पटेल कोषाध्यक्ष महेश सैनी महामंत्री ओमप्रकाश गोलियां जाकिर खान पूर्व प्रधान इसके साथ ही उपाध्यक्ष पद पर निहाल सिंह गुर्जर, राम सिंह गुर्जर, स्वराज गुर्जर, अनसब खान, भोमी राम,

सीलीसेड अलवर की झील को बचाने के लिए दिया जा रहा धरना जारी रहा।

पेमाराम सैनी को शामिल किया। संघर्ष समिति के मंत्री हवा सिंह, हीरालाल, उमरदीन, विक्रम, महेंद्र जाटव ,अमर सिंह जाटव, दयाराम को बनाया। कार्यक्रम में संचालन मंत्री रामजीलाल बैंसला को नियुक्त किया।

सदस्य के बताओ जगदीश गुर्जर रुस्तम खान, सुंनडा राम, रामकुमार कृष्ण चंद समय सिंह अर्जुन सिंह को शामिल किया गया है। प्रवक्ता भवेंद्र पटेल ने बताया सोमवार को आंदोलन में बडी संख्या में क्षेत्र के किसान पहुंचें

- झील का वजूद तथा क्षेत्र के किसान परिवार का भविष्य संकट में नहीं हो इसके लिए धरना स्थल पर मीटिंग का आयोजन हुआ। जिसमें अलवर जिले में एकमात्र जीवंत झील है को बचाने पर चर्चा की

इसके लिए कमेटी को जिम्मेदारी सौंप गई है रविवार को अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाएगा किसान विरोधी गतिविधि करने पर सरकार से आर पार की लड़ाई लडऩे को क्षेत्र थे।

संचालन समिति के पक्ष में फैसला

निवाई। न्यायालय ने श्री नारायणी धाम प्रबंध एवं विकास महासभा के चुनाव संचालन समिति के पक्ष में फैसला किया है। जिससे समाज में खुशी की लहर दौड गई। सहायक चुनाव अधिकारी प्रेमप्रकाश नटवाड़ा ने बताया कि श्री नारायणी धाम प्रबंध एवं विकास महासभा समिति द्वारा 22 फरवरी 2025 को प्रस्तावित चुनाव को लेकर महासभा समिति के कार्यवाहक सचिव मिठनलाल सेन द्वारा चुनाव रुकवाने के लिए न्यायालय में अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र पेश किया था। न्यायालय ने उक्त प्रार्थना पत्र पर चुनाव संचालन समिति की ओर से एडवोकेट महेश वर्मा सेन द्वारा प्रस्तुत किए गए जवाब एवं तर्कों से संतुष्ट होकर न्यायालय ने मिठनलाल द्वारा पेश अस्थाई निषेधाज्ञा का प्रार्थना पत्र को खारिज करके चुनाव समिति के पक्ष में फैसला दिया है।

पलाई क्षेत्र में दिनों दिन बढ़ता अपराधों का ग्राफ

चौरु/उनियारा । टोंक जिले के उनियारा वृत क्षेत्र के पलाई क्षेत्र में दिनों दिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। अपराधी यहां पर खुलेआम अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे हालात में भी

- युवक पर जानलेवा हमला, मामला दर्ज

पलाई चौकी प्रभारी अधिकांश समय क्षेत्र से नदारद रहते है।

मजबुरन लोगों को पुलिस सहायता के लिए 10 से 15 किलोमीटर दूर उनियारा थाने पर पहुंच कर न्याय की गुहार लगानी पड़ रही है। परिणाम स्वरूप ऐसा ही मामला शनिवार को

भाई को खाना देने जा रहे युवक पर हमला, अस्पताल में भर्ती कराया।

पलाई विधुत ग्रेड सब स्टेशन पर हुआ हुकमपुरा निवासी विजय कुमार सैनी अपने भाई के लिए खाना देने के लिए शनिवार शाम को विधुत ग्रेड सब स्टेशन पर गया हुआ था।इसी दौरान बोसरिया निवासी विनोद पुत्र किशनलाल जाट, आत्माराम पुत्र किशनलाल जाट हथियारों के साथ अपने अन्य साथियों के साथ आए और जानलेवा हमला कर दिया।

घटनाक्रम की सुचना मिलते ही उनियारा थाने से एएसआई रतन लाल मौके पर पहुंचे मारपीट में गंभीर रूप से घायल को अस्पताल पहुंचा कर मेडिकल मुआयना कराया गया। घायल की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें टोंक अस्पताल में रैफर कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाबू शोभाराम कॉलेज में मॉक ड्रील की

अलवर । जिले में 'ऑपरेशन अभ्यास' के तहत ड्रोन के हवाई हमले के दौरान आपातकालीन स्थिति में बचाव, राहत एवं आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु राजकीय बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय' में मॉक ड्रील कर पूर्वाभ्यास किया गया। इंसीडेंट कमांडर एवं उपखण्ड अधिकारी अलवर श्री यशार्थ शेखर के नेतृत्व में विभिन्न विभागों की प्रतिक्रिया और समन्वय कर मॉक ड्रील की गई। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला सहित प्रशासनिक व पुलिस के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मॉक ड्रील की कार्यवाही एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। मॉक ड्रील में अंतर विभागीय समन्वय से किया रेस्क्यू कार्य, नागरिकों को भी जागरूक किया । जिला कलक्टर ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशों की पालना में आयोजित मॉक ड्रील के तहत आज सांय 5 बजे बजे नियंत्रण कक्ष से बाबू शोभाराम कॉलेज में ड्रोन हवाई हमले की सूचना प्रसारित कराई गई तथा सायरन बजाकर नागरिकों को ड्रोन हवाई हमले के संबंध में सूचित किया गया। सूचना मिलते ही तुरन्त जिला प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा दल, अग्निशमन, एम्बुलेंस, सिविल डिफेंस, नगर निगमकर्मी सहित अन्य संबंधित विभागों की टीमों ने

मॉक ड्रील के दौरान बचाव

मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव के लिए रेस्क्यू अभियान तुरन्त प्रारम्भ किया। मॉक ड्रील के दौरान बाबू शोभाराम कॉलेज परिसर को खाली कराने व वहां लगी आग को बुझाने की त्वरित कार्यवाही कर संबंधित दलों द्वारा वहां पर मिले घायलों को तुरन्त रेस्क्यू कर उपचार हेतु चिकित्साल में एम्बुलेंस के माध्यम से भिजवाने की कार्यवाही की गई। साथ ही परिसर को सेनेटाइज करने, राहत व बचाव कार्य करने तथा रेस्पॉन्स टाइम पर उपकरण सही तरीके से करें आदि तैयारियों समीक्षा की गई।

उन्होंने बताया कि ड्रोन हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली, हॉटलाइन/रेडियो लिंक, नियंत्रण कक्षों की कार्यप्रणाली, ब्लैकआउट तैयारी, मेडिकल, रसद और अग्निशमन व्यवस्था जैसी

- ड्रोन हवाई हमले की आपातकालीन स्थिति में राहत, बचाव व सुरक्षा व्यवस्था के उपायों को परखा गया

व्यवस्थाओं का अभ्यास इस ड्रिल में किया गया। जिला कलक्टर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि आज की मॉक ड्रील की लोकेशन आखिरी समय तक सिक्रेट रखी गई, यहां तक कि रेस्क्यू से जुडे हुए विभागों को भी इस बारे में जानकारी कंट्रोल रूम के माध्यम से ही दी गई। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि गत मॉक ड्रील के दौरान रहे गेप को दूर करने के साथ एक तरह से वास्तविक दुर्घटना स्थिति से निपटने की तैयारी था। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू से जुडे हुए विभागों का रेस्पॉन्स टाइम भी काफी अच्छा रहा।

इसके साथ ही मेडिकल टीम द्वारा पहली बार घायलों की श्रेणी का निर्धारण कर मौके पर मरीजों की मेडिकल टीम के चेकअप के आधर पर तीन श्रेणियां बनाई गई। गंभीर घायलों को इलाज हेतु चिकित्सालय भिजवाया गया। इस दौरान मलबे से निकले घायलों को फस्टऐड देकर उपचार हेतु भिजवाने आदि की कार्यवाही की गई।

बंशी पहाड़पुर में चौथे दिन भी जारी धरना

बयाना भरतपुर (निस)। रुदावल थाना के बंशी पहाड़पुर क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहे अवैध खनन और ओवरलोडिंग वाहनों के खिलाफ स्थानीय लोगों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। लगातार चौथे दिन भी क्षेत्रवासियों ने कांटे के पास धरना जारी रखा। जनता खुद सड़कों पर उतर आई है और ओवरलोड ट्रकों को पकड़कर पुलिस को सौंप रही है। लेकिन आरोप है कि पुलिस प्रशासन खनन माफियाओं से मिला हुआ है और कार्रवाई के नाम पर दिखावा कर रहा है।

धरना स्थल पर मौजूद समय सिंह गुर्जर ने बताया कि बंशी पहाड़पुर की पहाड़ियों से बेशकीमती सफेद पत्थर निकाला जा रहा है, जिसकी अवैध बिक्री से खनन माफिया मोटी कमाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रॉयल्टी ठेकेदारों ने पुलिस, खनिज और वन विभाग के अधिकारियों से सांठगांठ कर रखी है। यही कारण है कि पकड़े गए ओवरलोड ट्रकों को पुलिस बाद में चुपचाप छोड़ देती है । स्थानीय लोगों के अनुसार, ओवरलोड वाहनों से न सिर्फ सड़कें खराब हो रही हैं, बल्कि धूल से बीमारियां भी फैल रही हैं। इस क्षेत्र से निकले सफेद पत्थर का इस्तेमाल अयोध्या राम मंदिर, नई दिल्ली संसद भवन जैसी ऐतिहासिक इमारतों में हुआ है। यही पत्थर अपनी मजबूती और उत्कृष्ट नक्काशी के लिए

- अवैध खनन और ओवरलोडिंग वाहनों पर जनता का फूटा गुस्सा
- जनता खुद सड़कों पर उतर आई है और ओवरलोड ट्रकों को पकड़कर पुलिस को सौंप रही है

दुनियाभर में प्रसिद्ध है। इस पत्थर पर न तो रूनी लगती है, न ही यह आसानी से खराब होता है दृ यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है । पूर्व विधायक ग्यासाराम कोली और लोकदल के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र कसाना ने भी इस मुद्दे को उठाया है। कसाना ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर रोक लगाने की मांग की है। यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब तक अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, वे धरना समाप्त नहीं करेंगे। बंशी पहाड़पुर का यह आंदोलन अब केवल एक स्थानीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह सरकारी तंत्र की निष्क्रियता और खनन माफियाओं के गठजोड़ के खिलाफ एक बड़ा जन-आंदोलन बनता जा रहा है।

बोर्ड परीक्षा में अव्वल विद्यार्थियों का सम्मान

पावटा । माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा घोषित किए गए बोर्ड परीक्षा परिणाम 2025 में इस बार सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निजी स्कूलों के विद्यार्थियों को कडी टक्कर दी है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर के द्वारा घोषित

- पांच दिवसीय समाज सेवा शिविर का समापन

उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीमली में प्रधानाचार्य दुर्गादत्त भारद्वाज की अध्यक्षता में बोर्ड परीक्षा 2025 में अव्वल आए विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा बोर्ड परीक्षा परिणाम 2025 में प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को माला व साफा पहनाकर एवं प्रतिक चिन्ह देकर

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीमली में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया।

सम्मान कर उन्हें प्रेरणा दी तथा मोटिवेशन किया बधाई दी शुभकामनाएं दी। वही इस दौरान पांच दिवसीय समाज सेवा शिविर का समापन हुआ। आयोजित पांच दिवसीय समाज सेवा शिविर में शिविर प्रभारी डॉ. राजेंद्र कुमार बुनकर के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट कार्य किया गया। इस मौके पर डॉ.राजेंद्र कुमार बुनकर, भूपेंद्र, सायरमल नागर, मदन कुमार, रामेश्वर प्रसाद, अनीता, अर्चना, एसएमसी अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर सहित ठाामीण मौजूद रहे।

सेवर के बृजेंद्र बिहारी जी के मंदिर में मॉक ड्रील

भरतपुर (निस)। भरतपुर के सेवर थाना इलाके में ड्रोन हमले की सूचना पर पूरा प्रशासन मौके पर पहुंचा। सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम ने घायल लोगों का रेस्क्यू कर बृजेंद्र बिहारी जी की मंदिर के ऊपर से उतारा गया। जिसके बाद उनका उपचार कर आरबीएम अस्पताल किया गया।

एडीएम सिटी राहुल सैनी ने बताया कि ऑपरेशन शील्ड के अंतर्गत आज सेवर के बृजेंद्र बिहारी जी के मंदिर में मॉक ड्रील की गई। मॉक ड्रील में ड्रोन हमले की रिहर्सल की गई है। सभी टीमों को तुरंत सूचना दी गई। मौके पर कई थानों की पुलिस, सिविल डिफेंस, क्त्थ्, आर्मी, फत्ज्, एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंची। सभी घायलों को त्ठड अस्पताल भेजा गया।

मॉक ड्रील के दौरान हॉर्न बजाया गया। इस दौरान आसपास के इलाके में और मंदिर में दर्शन करने आये श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया। एक के बाद एक पुलिस की गाड़ियां सायरन बजाते हुए बृजेंद्र बिहारी जी के मंदिर में पहुंची। मॉक ड्रील को देखने के लिए आसपास काफी भीड़ जमा हो गई।

सार-समाचार

ई-मित्र संचालक पीसी रिमांड पर

मालपुरा (निस) मालपुरा शहर के ट्रक स्टेण्ड पर आवासीय कॉलोनी स्थित अपने स्वयं के मकान में ई-मित्र चला रहे ई-मित्र संचालक फरीद पुत्र बाबू खां द्वारा राष्ट्रीय दस्तावेजों का दूरूपयोग कर फर्जीवाडे के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने फरीद को पुलिस सुरक्षा में लिया था जिसे शनिवार को न्यायालय में पेश किया। जहां से फरीद को तीन दिन के पीसी रिमांड पर भेजा गया। मिली जानकारी मे सामने आया कि युवक फरीद को ई-मित्र सेन्टर आवंटित होने व आईडी मिलने पर फरीद निर्धारित स्थान के बजाय अपने आवास पर ई-मित्र चला रहा था। सुत्रो से मिली जानकारी मे यह भी सामने आया कि सुचना प्रोद्योगिकी कार्यालय मालपुरा प्रोग्रामर द्वारा पूर्व मे भी मिली शिकायतो पर दो बार फरीद की आईडी बंद की गई थी। इतना ही नही फरीद ने सरवाड मे ई-मित्र चलाने की आईडी ले मालपुरा मे ई-मित्र चलाने की भी जानकारी सामने आने पर प्रोग्रामर ने सरवाड प्रोग्रामर से सम्पर्क कर आईडी बंद करवाई थी। अब जांच का विषय यह है कि फरीद किस आईडी से ई-मित्र चला रहा था। एसडीएम के सुपरविजन मे की गई कार्यवाही मे जप्त किये गये उपकरण व दस्तावेज सहित अधिकारियो की स्टाम्प मोहर आदि की बारीकी से जांच पडताल किये जाने पर कई चौकाने वाले साक्ष्य सामने आने का अंदेशा जताया जा रहा है। लम्बे समय से फरीद के यहां राष्ट्रीय दस्तावेजो के दूरूपयोग से फर्जी पेंशन, आधार कार्ड सहित राशन कार्ड एवं अन्य दस्तावेज मोटी रकम वसूल तैयार किये जाने की चर्चाऐं शहर के हर गली नुक्कड पर सुनने को मिल रही थी। शुक्रवार को नगरपालिका कार्यालय मे एक ही फोटो से अनेक विवाह पंजीयन आवेदन फार्म तैयार कर पार्षद के फर्जी हस्ताक्षर पकड मे आने के बाद फरीद के कारनामे का भण्डाफोड हुआ। तो एसडीएम ने भी मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुडा होना मान त्वरित कार्यवाही की गई। शुक्रवार की देर रात्री को नगरपालिका कार्मिको की और से दी रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर शनिवार का आरोपी फरीद को न्यायालय मे पेश कर पीसी रिमांड पर लिया। वही सुत्रो से मिली जानकारी की माने तो मालपुरा थाना पुलिस मामले को गंभीरता से ले कुछ ई-मित्र संचालक व शहर मे मोहर बनाने वालो को पूछताछ के लिये थाने मे तलम किया है।

फरीद

गांव रामपुरा के रास्ते में भरा गंदा पानी

पावटा । ग्राम पंचायत पंडितपुरा के गांव रामपुरा के आम रास्तों में गंदा पानी भरा हुआ है। इसस जलभराव की स्थिति बनी हुई है और लोगों को आने जाने में काफी समस्या हो रही है। लोगों की समस्या से जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। गांव में विकास कार्य ना होने से गांव के मुख्य मार्गो ठाकुर जी मंदिर तेलाबाश हीरामल रास्ता उपस्वास्थ्य केन्द्र मार्ग पर गंदा पानी भरा से ठाामीणों को परेशानी हो रही है। जलभराव से गांव में बीमारी फैल सकती है। ग्राम पंचायत पंडितपुरा के गांव रामपुरा में इन दिनों सड़क पर गंदा पानी भरा हुआ, गांव में जलनिकासी के लिए बनाई गई नाली पूरी तरीके से टूट चुकी है। नाली टूटी होने के कारण नाली का पानी रास्ते पर भरा हुआ है, जिससे गांव में जलभराव के साथ ही कीचड़ की भी भरमार है और गंदगी के बीच संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते ठाामीणों को इस गंदे पानी में निकलने के लिए विवश होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि नाली टूटने की वजह से घरों से निकलने वाला पानी नाली में न बहकर सड़क पर भर जाता है। इस रास्ते से साइकिल व मोटरसाइकिल से भी लोग निकलते हैं लेकिन जलभराव की स्थिति होने से लोगों को समस्या हो रही है। इसी रास्ते से श्रद्धालु भी मंदिर तक जाते हैं। जलभराव होने से लोगों को गंदे पानी से होकर निकलना पड़ रहा है। ठाामवासी चेतन शर्मा, अशोक गुर्जर, अजय गुर्जर, राकेश राजपूत, मनोज मीणा, ललित शर्मा सहित ठाामीणों ने प्रशासन से गांव में जल निकासी के लिए टूटी नाली को बनवाये जाने व मार्गो की साफ सफाई करवाने की मांग की है।

'यज्ञ सनातनी परम्परा का प्रतीक'

निवाई । कैरोद मोड पर स्थित आश्रम में 51 कुंडीय सहस्त्र चण्डी महायज्ञ को लेकर संत कर्मानंदगिरी के सानिध्य में नौ दिवसीय महाकुंड में यजमानों ने मंत्रोचारण के साथ आहुतियां दी। सांवर काटोली व रधु कसाणा ने बताया कि यज्ञकर्ता के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने सर्वपापाहा, गणपति स्थापना, मात्रिका स्थापना, मंडप प्रवेश ब्राह्मण वरण, यज्ञदेव की आराधना सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान में पूजा अर्चना की। इस दौरान संत कर्मानंदगिरी ने कहा कि क्षेत्र की खुशहाली और महामारी के प्रकोप से आमजन की रक्षा के लिए नौ दिवसीय सहस्त्र चण्डी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में यज्ञ परम्परा का विशेष महत्व है। भारत के ऋषियों ने प्रतिदिन दैनिक क्रिया में यज्ञ और संध्या को शामिल किया है। यज्ञ से वायुमंडल में कीटनाशक हवा की शुद्धि होती है। उन्होंने कहा कि यज्ञ के दौरान मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां देने से सकारात्मक ऊर्जा का सृजन होता है और सकारात्मक ऊर्जा व खुशहाली का जनक है। यज्ञ सनातनी परम्परा के अध्यात्मिक प्रतीक है। जिससे हमारी वैदिक संस्कृति दुनिया में एक अनूठी मिसाल है। इस दौरान विशाल भण्डारें का आयोजन हुआ जिसमें खान्या की दाणी, भगवानपुरा, हाड़ी की ढाणी, बड की ढाणी, चोरपुरा, केरोद, चैनपुरा, कचौलिया, जयसिंहपुरा, गोपालपुरा, भांवता, भांवती, संठाामपुरा, झिलाय, सरीमा, गंगापुरा, गोपालपुरा, सिन्दरा, मण्डालिया, भंवरसागर, भगतरामपुरा, खिडग़ी, सकतपुरा, नला, थली का बासडा, गुढा आनन्दपुरा, बरथल व पहाडी सहित आसपास के सैंकडों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ठाहण की।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नारायणपुर । कस्बे की मोरडी की ढाणी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 17 मई से चल रहे 15 दिवसीय समाज सेवा शिविर का समापन शनिवार को उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थी और ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, जन-जागृति और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित किया गया। शिविर प्रभारी भीमसिंह जाट ने बताया कि शिविर के दौरान विद्यालय परिसर में लगे पेड़-पौधों की नियमित देखरेख की गई। साथ ही पक्षियों के संरक्षण को लेकर परिंडे लगाए गए और उनमें नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था की गई। ठाामीणों को पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए शपथ भी दिलाई गई, जिससे स्थानीय समुदाय में जागरूकता का भाव उत्पन्न हुआ। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से समृद्ध तपोस्थली धामेडा धाम का भ्रमण भी करवाया गया। वहाँ उन्हें पर्यावरणीय महत्त्व, पर्यटन के लाभ और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। समापन कार्यक्रम के अवसर पर सुरेश यादव, कैलाश खोल्या, रामसिंह यादव, रोहिताश, योगेश, गिरदारी, फूलचंद, लालाराम, रामावतार और वेदांग आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

अहिल्याबाई की जयंती मनाई

गोविंदगढ़ / अलवर । गोविंदगढ़ कस्बे के राजकीय महाविद्यालय गोविन्दगढ़ में अहिल्याबाई होल्कर के महिला सशक्तीकरण हेतु किए गये योगदानो के संबंध में 300 वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर आज राष्ट्रीय संस्कृति की पुनर्स्थापक अहिल्याबाई होल्कर की जयंती मनाई गई तथा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. लक्ष्मीकांत शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को अहिल्याबाई होल्कर के कुशन प्रशासन सेवा, त्याग, न्याय, कला, दर्शन, कृषि, कुटिर उद्योग, सामाजिक सुधार, महिला सशक्तिकरण, महिला शिक्षा एवं संस्कृति उत्थान आदि के बारे में बताया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रदीप कुमार महोलिया, हिमांश अवस्थी, सुरेन्द्र, श्रीकांत पाठक, पूरन लाल शर्मा, मुन्दर सिंह आदि उपस्थित रहे।

टेंडरों के बहिष्कार का लिया निर्णय

कोटपूतली। ठेकेदार यूनियन कोटपूतली-बहरोड़ द्वारा सर्वसम्मति से बढ़ी हुई डीएलपी (10 वर्ष के विरोध में) एवं समय पर भुगतान ना होने के कारण एवं सडक निर्माण सामग्री के मूल्यवर्धन एवं बीएसआर में रेट कम करने का विरोध किया गया। इस मौके पर ठेकेदारों द्वारा आगामी निविदाओं में एकमत होकर टेंडरों के बहिष्कार का निर्णय लिया गया। इस दौरान यूनियन अध्यक्ष मदन गुर्जर, अमरसिंह चौधरी, मुकेश सैनी, रविदत्त, मोहित यादव, नरेश यादव, खिल्लु सैनी, रोहित शर्मा, महेश सैनी, सुभाष यादव, नवरत्न शर्मा, किरोडी मोदी, सुरेश यादव, नरेश यादव, आजाद मान, विश्वम्भर सैनी, भैंरूराम सैनी, फूलचंद सैनी आदि मौजूद रहे।

पावरप्ले में तीन कैच टपकाने के बाद जीतना आसान नहीं होता। गेंदबाजों के लिये नियंत्रण करना आसान नहीं होता। हमारा संदेश साफ था कि अपने हिसाब से खेलो। साइ सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर से यही कहा गया था।

– शुभमन गिल

गुजरात टाइटंस के कप्तान, टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा में 300 सिक्स लगाने वाले पहले भारतीय बने। उनके अब 302 सिक्स हो गए हैं। रोहित ने कल 81 रन की पारी खेली। सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले प्लेयर्स में क्रिस गेल टॉप पर हैं, उन्होंने अपने 142 मैचों में कुल 357 छक्के लगाए हैं। तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जिनके नाम 266 मैचों में 291 छक्के दर्ज हैं। चौथे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी हैं, जिन्होंने 278 मैचों में 264 सिक्स लगाए हैं। वहीं, एबी डिविलियर्स ने 184 मैचों में 251 छक्के लगाकर इस सूची में पांचवां स्थान हासिल किया है।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 33 मुक़ाबलों में मुंबई इंडियंस को 17 जबकि पंजाब किंग्स को 16 में जीत मिली हैं।

मुंबई इंडियंस की विरासत का मुकाबला करेंगे पंजाब किंग्स

अहमदाबाद, 31 मई। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की दूधिया रोशनी में रविवार को पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस एक लाख से अधिक दर्शकों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिये अपना सर्वस्व झोंकने के लिये उतरेंगे। दोनो टीमो के बीच क्वालीफायर2 का रोमांचक मुकाबला शाम साढ़े सात बजे से खेला जायेगा। पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुबंई को आईपीएल के मौजूदा संस्करण में लय में आने में समय लगा मगर बल्लेबाजी में गहराई और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने टीम को छठे खिताब के करीब लाकर खड़ा कर दिया है।

बुमराह 6.36 की कम इकॉनमी से 18 विकेट लेकर शानदार फॉर्म में हैं और उनकी यह ताकत रविवार रात क्वालीफायर 2 में अंतर पैदा कर सकती हैं। मुंबई एलिमिनेटर में गुजरात टाइटन्स पर 20 रन की शानदार जीत के बाद इस मुकाबले में बढ़त बनाए हुए है। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में मौजूदा इकाई की बल्लेबाजी लाइनअप शानदार है। रोहित शर्मा ने सही समय पर लय पाई और 50 गेंदों पर 81 रन बनाए, जबकि विल जैक्स के प्रतिस्थापन के रूप में आए जॉनी बेयरस्टो ने 22 गेंदों पर 47 रन बनाकर शुरुआत में ही लय पा ली। इस बीच, सूर्यकुमार यादव ने 167.83 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 673 रन बनाकर क्रिकेट के तर्क को धता बताना जारी रखा है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा, हार्दिक और नमन धीर मजबूती प्रदान करते हैं, वहीं दीपक चाहर गेंद से शुरुआती बढ़त बनाने के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आ सकते हैं। बुमराह की सटीक गेंदबाजी और नई गेंद से बायें हाथ के ट्रेंट बोल्ट की स्विंग मुंबई की ताकत बनी हुयी है। हालांकि मुंबई अभी भी अपने चौथे गेंदबाजी विकल्प को लेकर सावधान रहेगी, क्योंकि पिछले गेम में रिचर्ड ग्लीसन ने निराश किया था।

दूसरी ओर पंजाब की टीम नए जख्मों से उबर रही है। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद क्वालीफायर 1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उनकी हार सदमे में डालने वाली थी। हालांकि पिछली हार को भुला कर पंजाब को कल ऐसे मैदान में उतरना होगा, जहां प्लेऑफ का अनुभवहीनता और स्कोरबोर्ड का दबाव टीमों को पूरी तरह से निगल सकता है। पंजाब के पास मैच जिताऊ खिलाड़ियों की कमी नहीं है। प्रभसिमरन सिंह (517) और प्रियांश आर्य (431) ने लीग की सबसे रोमांचक युवा ओपनिंग जोड़ियों में से एक बनाई है जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में 516 रन बनाकर अपनी खास पहचान बनाई है।

हालांकि उन्हें और भी बहुत कुछ चाहिए होगा। जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह को मौके का फायदा उठाना होगा। लीग चरण में एमआई के खिलाफ इंग्लिस की विस्फोटक 73 रन की पारी सबको याद होगी। अब इसे दोहराना सबसे ज्यादा मायने रखता है। अर्शदीप सिंह की अगुवाई में पंजाब के गेंदबाज विपक्षी टीम को कम स्कोर पर रोकने का पूरा प्रयास करेंगे। काइल जैमीसन ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था मगर युजवेंद्र चहल की अनुपस्थिति अभी भी खल रही है। अगर हरप्रीत बरार और अजमतुल्लाह उमरजई टिके रहते हैं, तो पंजाब फिर से उलटफेर कर सकता है।

अहमदाबाद ने अब तक पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा मिला है। यहां सात में से छह मैच लक्ष्य निर्धारित करने वाली टीम ने जीते हैं। इसलिये दोनों कप्तानों की निगाहें टॉस पर होंगी। मौसम विभाग के अनुसार आसमान साफ रहने और शुष्क गर्मी की उम्मीद है। दोनो टीमे चार बार एक दूसरे के सामने आयी हैं जिनमें दो-दो मैच हर टीम ने जीता है। पंजाब ने अपना 26 मई को अपना सबसे हालिया मुकाबला जीता था।

म्यूनिख पहुंचे आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह, यूएफा अध्यक्ष सेफरिन से की मुलाकात

नई दिल्ली, 31 मई। जय शाह पिछले साल आईसीसी चेयरमैन की कुर्सी पर बैठे थे। उसके बाद उन्होंने लगातार वैश्विक स्तर पर क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाने का प्रयास किया है। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने से लेकर 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की एंट्री जैसे प्लान को सफल बनाने के लिए जय शाह प्रतिबद्ध दिखाई पड़े हैं। अब उन्होंने यूएई चैंपियंस लीग 2024-25 के फाइनल से पहले यूएफा के अध्यक्ष अलेक्जांडर सेफरिन से मुलाकात की है।चैंपियंस लीग का फाइनल मैच पेरिस सेंट जर्मेन और इंटर मिलान के बीच खेला जाना है। खिताबी भिड़ंत म्यूनिख के आलियांज अरीना में होगी, जिससे पहले आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि म्यूनिख में क्रिकेट के प्रतिनिधि के रूप में जाना उनके लिए सम्मान की बात रही।वहीं जय शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, म्यूनिख में क्रिकेट का प्रतिनिधि बनना गौरव का विषय रहा। चैंपियंस लीग के फाइनल से पहले यूएफा प्रेसिडेंट अलेक्जंडर सेफरिन से मिला। खेल जगत की बड़ी हस्तियों से मिलना हमेशा सम्मान की बात होती है और आईसीसी निरंतर क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि, इस साल जय शाह ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रेसिडेंट थॉमस बाक से मुलाकात की थी। 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक्स में क्रिकेट की वापसी होने वाली है, जिसमें कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार सिर्फ 6 टीम ही हिस्सा लेने वाली है।

नायर का दोहरा शतक, इंडिया-ए के पहली पारी में 557 रन

कैंटरबरी, 31 मई। करुण नायर (204) के दोहरे शतक की बदौलत भारत ए ने शनिवार को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को 557 रन बनाये जिसके जवाब में चायकाल तक इंग्लैंड ने एक विकेट 75 रन बना लिये थे। नायर ने 281 गेंद का सामना करते हुए 26 चौके और एक छक्का जड़कर 204 रन बनाए। भारत ए ने सुबह तीन विकेट पर 409 रन से आगे खेलना शुरू किया। नायर ने 186 रन से आगे खेलना शुरू किया और तेज गेंदबाज एडी जैक की गेंद पर कवर के ऊपर से चौका लगाकर 272 गेंद में 200 रन पूरे किए। नायर ने ध्रुव जुरेल (94) के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े। इससे पहले उन्होने सरफराज खान (92) के साथ 131 रन की भागीदारी की थी। नायर दोहरा शतक पूरा करने के बाद ज्यादा देर तक नहीं खेल पाए और तेज गेंदबाज जमान अख्तर की अंदर आती गेंद को दूर हटाने के प्रयास में जेम्स रियू के हाथों लपके गए। शार्दुल ठाकुर ने 27 और हर्ष दुबे ने 32 रन का योगदान दिया। खेल के दूसरे सत्र में भारत ए की पारी 125.1 ओवर में 557 रन बना कर सिमट गयी। जवाब में इंग्लैंड लायंस ने बेन मैककिने (16) का विकेट जल्दी खो दिया मगर टाम्स हेंस और एमीलियो गे ने न सिर्फ पारी को संवारा बल्कि लंबे स्कोर को ले जाने का संकल्प भी लिया।

राजस्थान के वुशू खिलाड़ी अमित, नीलम, ऋषभ, छवि, सुनील व तनवी का भारतीय वुशू टीम में चयन

जयपुर, 31 मई। मास्को, रूस में 1 से 7 जून 2025 तक आयोजित होने वाली मास्को स्टार वुशू चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम आज दिल्ली एअरपोर्ट से मास्को के लिये रवाना हुई। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि सीनियर टीम में अमित चौधरी 90 किलोग्राम भारवर्ग, छवि चौधरी 75 किलोग्राम भारवर्ग, नीलम चौधरी ट्रेडिशनल ननक्वान व ऋषभ परिहार ट्रेडिशनल ननक्वान तथा जुनियर टीम में सुनील 65 किलोग्राम भारवर्ग व विहानराज सक्सेना 45 किलोग्राम भारवर्ग तथा सबजुनियर टीम में तनवी दाधीच 39 किलोग्राम भारवर्ग में भारतीय वुशू टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, पदक की दावेदारी पेश करेंगे । खिलाडियों का भारतीय वुशू टीम में चयन होने पर विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजा राम मील, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ, राजेश कुमार टेलर, वुशू कोच व सभी पदाधिकारियों ने पदक जीत कर आने की शुभकामनाएं प्रदान की।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

अंशुल गड़वाल के ऑलराउंड प्रदर्शन से जयपुरिया की आसान जीत

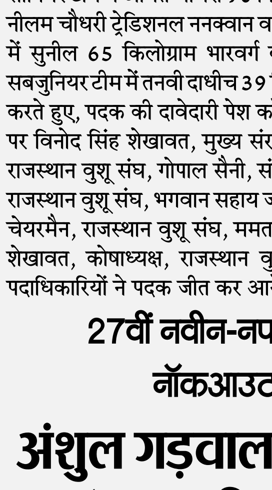

जयपुर, 31 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये पूल-जी के मैच में अंशुल गड़वाल 39 रन नाबाद व 20 रन पर 4 विकेट के ऑराउण्ड प्रदर्शन की बदोलत जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने नैना क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर नैना क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये सचिन मालव 28 रन, शुभम मीणा 27 रन, भरत शर्मा रन 26, अजय बेनीवाल 17 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन बनाये, गेन्दबाजी में जयपुरिया एकेडमी की ओर से अंशुल गड़वाल 20 रन पर 4 विकेट, मिहित अग्रवाल 17 रन पर 2 विकेट तथा स्वपत्निल चौधरी व करण प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। 134 रन के विजय लक्ष्य को लेकर उत्तरी जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने अंशुल गडवाल 39 रन नाबाद, अमित गौतम 36 रन रोहन राजवर 25 रन, राहुल खण्डेलवाल 22 रन, की मदद से विजय लक्ष्य 16 ओवर में 3 विकेट खोकर 139 रन बनाकर हासिल कर लिया, गेन्दबाजी में नैना एकेडमी की ओर से शुभम मीणा 21 रन पर 2 विकेट, सचिन मालव 24 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। मैन ऑफ दा मैच अंशुल गड़वाल 39 रन नाबाद व 20 रन पर 4 विकेट जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी रहे।

एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत ने आठ स्वर्ण समेत 24 पदक जीते

गुमी, 31 मई। भारत ने 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कुल 24 पदकों के साथ अपने शानदार अभियान का समापन किया है। भारत के कुल 24 पदकों में आठ स्वर्ण, 10 रजत और छह कांस्य पदक शामिल है। भारतीय दल पिछले सत्र में छह स्वर्ण समेत 27 पदक जीते थे। चैंपियनशिप के अंतिम दिन शनिवार को भारतीय एथलीटों ने तीन रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किये।

पारुल चौधरी आज महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15 मिनट 15.33 सेकंड (15:15.33 सेकंड) का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने इससे पहले 3000 मीटर मीटर स्टीपलचेज में भी रजत पदक जीता था। भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.16 मीटर तक भाला फेंका। बागपत के खेकड़ा गांव निवासी सचिन का इससे पहले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.39 मीटर था।

पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20.32 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए कांस्य पदक जीता वहीं अभिनया राजराजन, स्नेहा एसएस, श्राबनी नंदा और नित्या गंधे की चौकड़ी ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43.86 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया जो इस प्रतियोगिता में भारत का आखिरी पदक रहा। महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में एशियाई खेलों की पदक विजेता विथ्या ने भारत को दिन का दूसरा कांस्य पदक दिलाया। तमिलनाडु की 26 वर्षीय एथलीट ने 56.46 सेकंड का समय लेकर पोडियम स्थान हासिल किया। पूजा ने भारत के लिए दिन का तीसरा कांस्य पदक जीता।

उन्होंने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ 2:01.89 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ पूरी करके तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं की 200 मीटर की दौड़ में ज्योति याराजी 23.47 सेकंड के समय के साथ पांचवें जबकि नित्या गंधे 23.90 सेकंड के समय के साथ सातवें स्थान पर रहीं। याराजी ने इस सप्ताह की शुरुआत में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था।

जुमहुर की चुनौती को पार कर अल्काराज फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने शनिवार को बोस्निया और हर्जेगोविना के दामिर जुमहुर पर चार सेटों में कड़ी टक्कर के बाद फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। तीसरे दौर के मुकाबले में अल्काराज ने दो घंटे और 57 मिनट में 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की, जिसमें स्पेन के खिलाड़ी ने अनुभवी बोस्नियाई खिलाड़ी की मजबूत वापसी को रोकने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज़ ने लगातार दो सेटों में शानदार जीत दर्ज की और आक्रामक रिटर्निंग करते हुए जुमहुर की सर्विस पर दबाव बनाए रखते हुए तीन बार ब्रेक किया।

बोपन्ना-पावलसेक फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में

पेरिस, 31 मई। भारत के रोहन बोपन्ना और चेक जोड़ीदार एडम पावलसेक ने फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर के पुरुष युगल मुकाबले में फ्रांस के फैबियन रेबुल और सादियो डौम्बिया को 6-2, 7-6(5) से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। इंडो-चेक जोड़ी ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाया और अपनी शक्तिशाली सर्विस और रणनीतिक नेट प्ले का लाभ उठाते हुए 6-2 की बढ़त हासिल की। बोपन्ना के अनुभव और पावलसेक की चपलता ने शुरुआती मौकों का फायदा उठाते हुए फ्रांसीसी जोड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी। घरेलू दर्शकों से उत्साहित फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने दूसरे सेट में जबरदस्त वापसी की।

सिनर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को मात्र 94 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इतालवी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 2024 यूएस ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के बाद अब ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अपनी लकीर को 17 तक पहुंचा दिया है। इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर ने बेसलाइन से खेल को नियंत्रित किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को मुश्किल से ही कोई मौका दिया। सिनर ने शुरुआत में ही खेल में नियंत्रण हासिल कर लिया और 6-0, 5-0 की बढ़त बना ली।

गिगांटे को हराकर शेल्टन फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। 13वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने शनिवार को कोर्ट सिमोन-मैथ्यू में इटली के माटेओ गिगांटे को सीधे सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। शेल्टन ने बड़ी सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए गैरवरीय गिगांटे को दो घंटे से भी कम समय में 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार रोलांड गैरोस के दूसरे सप्ताह में प्रवेश किया। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने 10 ऐस लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट में से 79 प्रतिशत जीते, 11 मौकों में से पांच बार गिगांटे को तोड़ा। शेल्टन के बेहतरीन बेसलाइन प्ले ने उन्हें रिटर्न पर 44 पॉइंट जीतने में मदद की, जबकि इतालवी खिलाड़ी ने 25 पॉइंट जीते। गिगांटे ने तीसरे दौर तक जोशपूर्ण प्रदर्शन किया था, अपने प्रतिद्वंद्वी की ताकत और सटीकता से मुकाबला करने में संघर्ष करते रहे।

युद्धवीर सिंह होंगे भारतीय टीम के मैनेजर

नयी दिल्ली, 31 मई। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के निदेशक रह चुके युद्धवीर सिंह भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे में मैनेजर की भूमिका निभायेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सिंह को इंग्लैंड दौरे के लिये भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी जिसका पहला मैच 20 जून से लीड्स में शुरू होगा। इस दौरे में टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपी गयी है जबकि रिषभ पंत उपकप्तान बनाये गये हैं।

लालित भाई पटेल ने वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में जीते तीन स्वर्ण पदक

अहमदाबाद, 31 मई। गुजरात के अहमदाबाद के लालितभाई पटेल ने वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। पावरलिफ्टिंग चैंपियन 56 साल के पटेल ने थाईलैंड में 10 से 12 मई के बीच आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्क्वाट, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट स्पर्धाओं में हिस्सा लेते हुए उन्होंने कुल 405 किलोग्राम भार उठाया। वह इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले गुजराती बन गए हैं। इस वैश्विक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आईबीएफएफ द्वारा तय की गई कठिन पात्रता शर्तों को पार करना होता है। इसके लिए किसी खिलाड़ी को पहले जिला चैंपियन बनना आवश्यक है, साथ ही राज्य स्तर पर कम से कम पाँच बार चैंपियनशिप जीतना और राष्ट्रीय स्तर पर तीन स्वर्ण या तीन रजत पदक हासिल करना अनिवार्य है।

जयदीप बिहाणी द्वारा आरसीए सीनियर, जूनियर पुरूष-महिला चयन कमेटी घोषित

तीन अलग-अलग सिलेक्शन कमेटियों का गठन किया, चंद्रकांत को बनाया कॉर्डिनेटर

जयपुर, 31 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी ने बताया की17 मई 2025 को आयोजित राजस्थान क्रिकेट संघ के असाधारण सभा के द्वारा विभिन्न एजंडोव कमेटियांमें गठन हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी को अधिकृत करने के निर्णय के अनुसार आज बीसीसीआई के घरेलु क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की पूर्व तैयारियों व आरसीए द्वारा आयोजित होने वाली विभिन्न आयु वर्ग की पुरष- महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाडियों के प्रदर्शन की समीक्षा करने हेतू राजस्थान सीनियर, जूनियर पुरुष व महिला चयन कमेटी का गठन किया गया। जयदीप बिहाणी सभी कमेटियों के संयोजक व विमल शर्मा सह संयोजक होंगे। चंद्रकांत बोधा को सभी चयन कमेटियों का कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

घोषित आरसीए चयन कमेटी

सीनियर चयन कमेटी (पुरुष)
विलास जोशी - चैयरमेन
शैलेन्द्र सिंह गहलोत - सदस्य
दीपक नाथ माथुर - सदस्य
ज़ाकिर हुसैन - सदस्य
शमशेर सिंह - सदस्य

जूनियर चयन कमेटी (पुरुष)

अनूप दवे - चेयरमैन
मनीष सिंह - सदस्य
योगेश माथुर - सदस्य
सिद्धार्थ जोशी - सदस्य

महिला चयन कमेटी

पूनम यादव - चेयरमैन
माया जाट - सदस्य
कोमल चौधरी - सदस्य
ममता वर्मा - सदस्य

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् को खेल निदेशालय में मर्ज करने को लेकर ज्ञापन

जयपुर, 31 मई। घीसाराम शर्मा, महासचिव, "स्टेट अवार्डी" प्रस्तावक एवं राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल के सेवानिवृत्त स्टेडियम द्वारा राज्य सरकार द्वारा बजट 2025 में "खेल निदेशालय" की घोषणा के क्रम में युवा व खेल एवं खिलाड़ियों के हित में प्रदेश के खेल जगत में सर्वोच्च संस्था, "राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्" को खेल निदेशालय में मर्ज करने को लेकर एक ज्ञापन दिया गया है, जिसके संबंध में तथ्यात्मक विवरण प्रस्तुत किए गए है जिनमें मांग की गई है कि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की राज्य सरकार द्वारा संवैधानिक स्थापना एवं गठन दिनांक 18 फरवरी 1957 को किया गया था तथा राजस्थान कॉ-ऑपरेटिव एक्ट के तहत इसका रजिस्ट्रेशन 14 जुलाई 1969 में हुआ था।

राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को ही खेल निदेशालय में मर्ज किये जाना प्रस्तावित है।

1. राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को दी जाने वाली शत्: प्रतिशत आर्थिक अनुदान राशि खेल निदेशालय को स्थानांतरित / हस्तानांतरित की जा सकती है।

2. राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल में कर्मचारी भर्ती एवं सेना से संबंधित राजस्थान सेवा नियम 1976 से (आर एस आर) लागू है। यथा-स्टेट इंश्योरेंस, पेंशन, जी.पी. एफ. मेडिकल आदि।

3. कर्मचारी एवं अधिकारी / स्टाफ की सेवाएँ स्थानांतरित / मर्ज की जा सकती है।

4. खेल मंत्रालय / विभाग, राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल, यूथ बोर्ड एवं खेल निदेशालय का एकीकरण किया जाना उचित होगा। इससे राज्य सरकार पर व्यय-भार भी नहीं पड़ेगा।

5. यदि पृथक से कर्मचारियों एवं अधिकारियों की भर्ती की जाती है तो इससे राज्य सरकार पर व्यय-भार में वृद्धि होगी अर्थात आर्थिक / अनुदान राशि पर मार पड़ेगा। कार्य का अनुभव अभाव होगा।

6. निदेशक, अतिरिक्त / संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक, सहायक निदेशक आदि आई.ए.एस. एवं राजस्थान प्रशासनिक सेवा से नियुक्ति / प्रतिनियुक्ति पर लिये जा सकते है। शेष अनुमवी पद/ स्टाफ मय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मय तकनीकी सहायक आदि राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को यथावत रखा जा सकता है।

7. परिषद् की खेल मैदानों, तरणतालों द्वारा होने वाली आर्थिक आय राज्य सरकार के कोषालय में जमा होती है।

8. राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल की स्थायी परि-सम्पत्तियाँ सम्पूर्ण प्रदेश में स्थित चल / अचल स्थायी परि-सम्पत्तियाँ राज्य सरकार को पहले से ही स्थानांतरित / हस्तानांतरित की जा चुकी है।

घीसाराम ने मांग की है कि निष्कर्ष के तौर पर एवं उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए परिषद् को खेल निदेशालय में मर्ज किया जा सकता है। चूंकि उदाहरण के तौर पर राज्य सरकार के कॉलेज शिक्षा / शिक्षा विभाग में कई अनुदानित स्कूल व कॉलेजों को शिक्षा विभाग/ शिक्षा निदेशालय में मर्ज किये जाने की जानकरी प्राप्त हुई है। उपरोक्त तथ्यों का समग्र अध्ययन किये जाने के परिणाम स्वरूप राज्य सरकार द्वारा बजट 2025 की घोषणा की पालनार्थ खेल निदेशालय में राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को मर्ज कर "खेल निदेशालय" ही बनाया जाना प्रस्तावित है।

शांति एशियाटिक स्कूल बना चैम्पियन

जयपुर, 31 मई। ओशियन एकेडमी द्वारा आयोजित ट्राइन्गुलर सीरिज के फाइनल मैच में हैसी स्पॉटस को शान्ति एशियाटिक स्कूल ने 9 विकेट से हराया। शान्ति एशियाटिक के आर्यन कुमावत की घातक गेदबाजी (6 विकेट) के आगे हैसी स्पोर्टस 115 रनो पर सिमट गयी जिसमे गौरव मीणा के 45 रनो का योगदान रहा। शान्ति एशियाटिक स्कूल के ओशनिक ग्रोवर 26 बॉल पर 55 रनो की नाबाद नील यादव 27, रौनक गुप्ता 10 रनों की पारियो से महज 10 ओवर मे जीत लिया। टूर्नामेन्ट के बेस्ट बेट्समैन कुशाग्र ओझा, बेस्ट बॉलर आर्यन कुमावत, बैस्ट फिल्डर उत्सव शर्मा और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेन्ट ओशनिक ग्रोवर को चुना गया।

आठ साल के शिवाय को प्रथमेश, अर्नव और सुशांत के साथ संयुक्त बढ़त

जयपुर, 31 मई। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मात्र आठ साल के शिवाय सिंह ने शनिवार को यहां चल रही रॉयल जयपुर अंडर-1800 क्लासिकल फिडे रेटिंग चेक टूर्नामेंट के दूसरे दिन राजस्थान की आशी उपाध्याय को मात देकर संयुक्त बढ़त बना ली। शिवाय पांचवें राउण्ड की समाप्ति के बाद महाराष्ट्र के प्रथमेश धर्माधिकारी, हरियाणा के अर्नव गोयल और दिल्ली के सुशांत सिंह के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। चारों खिलाड़ियों के पांच-पांच अंक हैं। राजस्थान के अर्पित सक्सेना, मध्य प्रदेश के आरव पोरवाल, बंगाल के अरित्र्या पाल, गुजरात के रोहित राजकुमार, राजस्थान के अगम सुराणा और काव्यांश जैन, उत्तर प्रदेश के आरव अग्रवाल और गर्वित जैन, गुजरात की तान्या साबू और मध्य प्रदेश के ब्रजेश कुमार उपाध्याय समान रूप से 4.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। पांचवें राउण्ड के मुकाबलों में प्रथमेश धर्माधिकारी ने दिल्ली के ध्रुव गुप्ता को, अर्नव गोयल ने उत्तर प्रदेश के आरव गुप्ता और सुशांत तिवारी ने राजस्थान के महेन्द्र सिंह को पराजित किया। राजस्थान के अर्पित सक्सेना और उत्तर प्रदेश के गर्वित जैन तथा राजस्थान के अगम सुराणा और उत्तर प्रदेश के गर्वित जैन के बीच बाजी बराबरी पर छूटी। राजस्थान के काव्यांश जैन ने हरियाणा के फलांश को, बंगाल के अरित्र्य पाल ने मध्य प्रदेश के आरव माहेश्वरी को, ब्रजेश उपाध्याय ने राजस्थान के मुकेश मंडलोई को और आरव पोरवाल ने दिल्ली के राहुल सूरी को पराजित किया। राजस्थान के महेन्द्र सिंह, ओजस माहेश्वरी, विभोर चोपड़ा, वीर कुमार, आशी उपाध्याय, यजत व्यास, विभोर अटल, हितार्थ शर्मा, पवन सैन, अमित भार्गव और शौर्य भार्गव के पांच राउण्ड के बाद 4-4 अंक हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित किया और महिला स्वास्थ्य को समर्पित गर्भ की पाठशाला योजना की शुरूआत की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मौजूद थीं।

अहिल्या बाई ने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित किया: नड्डा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने महिला महासम्मेलन में अहिल्या बाई को नारी शक्ति का प्रतीक बताया

- केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि अब दोषारोपण के बजाए समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जवाबदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है।
- समारोह से पहले केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल ने एमएनआईटी परिसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का माल्यार्पण व पौध रोपण किया।

जयपुर, 31 मई। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है, उन्होंने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया। उन्होंने जीवन में महिला उत्थान को ही अपना लक्ष्य माना।

नड्डा शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर उनकी 300वीं जयंती पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों को महिला शक्ति को समर्पित किया है।

नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश की तस्वीर बदली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने राजनीति की संस्कृति को बदलने का काम किया है। अब दोषारोपण के बजाय समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जबावदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि 18वीं सदी में देवी अहिल्याबाई जी अपने साहस एवं बुद्धिमत्ता से नारी शक्ति की प्रतीक बनीं। उन्होंने महिला शिक्षा, धर्म, और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा दिया। काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, सोमनाथ मंदिर और देशभर में अनेक तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार उनके धार्मिक और सांस्कृतिक योगदान का प्रतीक है।

शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाली वंचित वर्गों की लड़कियों को नि:शुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, 5 कस्तूरबा गांधी बालिका शिक्षा विद्यालय का लोकार्पण-शिलान्यास और 2 जनजाति बालिका आश्रम छात्रावासों का लोकार्पण किया गया है तथा महिला स्वास्थ्य को समर्पित "गर्भ की पाठशाला योजना" एवं स्वस्थ नारी चेतना अभियान की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सांसद व प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

पूर्व में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एमएनआईटी परिसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पौधारोपण किया।

करोना से पिछले 24 घंटे में चार की मौत

नयी दिल्ली, 31 मई। देशभर में कोराना से संक्रमित मामलों में तेजी देखी जा रही है, शनिवार सुबह तक कोराना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 3395 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार मरीजों की मौत हुई है।

केन्द्रिय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल 3395 सक्रिय मामले हैं। अभी तक 1435 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 26 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 685 सक्रिय मामले सामने आये हैं और 265 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिली है लेकिन इस अवधि के दौरान चार लोगों की जान चली गयी। राष्ट्रीय राजधानी के अलावा, कर्नाटक, केरल और उत्तर प्रदेश में एक-एक मरीज की कोरोना से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज दोहराया कि देश में कोविड संक्रमण की स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं हैं। कुल सक्रिय मामलों के सबसे अधिक 1336 केरल में और उसके बाद 467 महाराष्ट्र में हैं। दिल्ली में 375 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185, उत्तर प्रदेश में 117, राजस्थान में 61, पुडुचेरी में 41, हरियाणा में 26, आंध्र प्रदेश में 17, मध्य प्रदेश में 16, गोवा से आठ, ओडिशा में सात, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ से छह-छह, पंजाब में पांच, उत्तराखंड, मिजोरम और असम में दो-दो और चंड़ीगढ़ में कोरोना का एक सक्रिय मामला है।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में गिद्धों का कुनबा बढ़ा

वन विभाग ने गिद्धों की नैस्टिंग की पुष्टि की

बून्दी, 31 मई (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में बाघों के साथ साथ गिद्धों का कुनबा भी बढ़ने लगा है। टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र के झारबंधा क्षेत्र में भारतीय गिद्धों की नैस्टिंग सामने आई है तथा इनके बच्चे उड़ान भरना सीख रहे हैं। गत शुक्रवार को टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में गिद्ध के एक बच्चे को उड़ान भरने की कोशिश करते देखा गया। गश्त कर रहे वनकर्मियों ने उसे घायल समझा और उसे बूंदी के पशु चिकित्सालय में लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक चिकित्सा की और स्वस्थ बताया। वन विभाग ने गिद्ध को अपनी सुरक्षा में ले लिया है और जल्दी ही वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। इसी प्रकार, टाइगर रिज़र्व क्षेत्र के कोर 2 में भी एक नन्हा गिद्ध दो दिन पहले वन विभाग ने पकड़ा था और उसे कोटा चिड़ियाघर में लेकर गए, जहां से उसे वापस उसी स्थान पर रिलीज़ कर दिया।

- वन कर्मियों ने बताया कि टाइगर रिज़र्व के झारबंधा क्षेत्र में गिद्धों के बच्चे भी दिख रहे हैं।
- पर्यावरण संरक्षण में गिद्धों की अहम् भूमिका को देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में गिद्धों के संरक्षण का काम शुरु किया, जिसके अच्छे नतीजे मिल रहे हैं।

बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में बाघों के साथ गिद्धों का कुनबा भी बढ़ने लगा है। यहां झारबंधा क्षेत्र में भारतीय गिद्ध का एक बच्चा उड़ने की कोशिश कर रहा था जिसे वनकर्मी घायल समझकर बूंदी के पशु चिकित्सालय में लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक चिकित्सा की।

रैस्क्यू टीम के प्रभारी बुद्धराज सिंह हाड़ा व कुलदीप सिंह हाड़ा ने बताया कि टाइगर रिज़र्व में झारबंधा सहित, अन्य जगहों पर गिद्धों की नैस्टिंग देखी जा रही है तथा इनकी संख्या भी लगातार बढ़ रही है। पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्वपूर्ण घटक गिद्धों की संख्या का बढ़ना बूंदी में इको टूरिज्म के लिए शुभ संकेत है। गौरतलब है कि टाइगर रिज़र्व प्रबंधन ने जिले में गिद्धों के संरक्षण की योजना पर काम शुरू किया था, और इसके परिणाम भी दिखने लगे हैं। भीमलत क्षेत्र के जंगलों में भी गिद्धों की तादाद लगातार बढ़ रही है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में जिले में गिद्धों का कुनबा बढ़ेगा।

सेना ने शुरु किया अत्याधुनिक "डिफ्रैंस टैक्नॉलजी" का परीक्षण अभियान

- पोकरण फील्ड फायरिंग रेज में मानव रहित विमानों, ड्रोन, बम व राडार सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा है।
- मध्यप्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज, उत्तराखंड के जोशीमठ और देश के कई अन्य भागों में यह परीक्षण अभियान चल रहा है।
- थल सेनाध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी ने बबीना फील्ड फायरिंग रेंज के परीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की।

नयी दिल्ली, 31 मई। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीय सेना अगली पीढ़ी की कई रक्षा प्रौद्योगिकियों का परीक्षण कई क्षेत्रों में करीब-करीब युद्ध जैसी परिस्थितियों में कर रही है।

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज, मध्य प्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज और उत्तरा खंड में जोशीमठ सहित देश में विभिन्न परीक्षण स्थानों पर मानवरहित हवाई प्रणालियों, ड्रोन, आड़े-तिरछे उड़ान पथ से प्रहार करने वाले बम, कम ऊँचाई वाले वायु क्षेत्र पर निगाह रखने वाले आधुनिक राडार आदि के परीक्षण किये जा रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञिप्त में कहा गया है कि सेना व्यापक प्रतिरक्षा क्षमताओं का विकास और परीक्षण कर रही है। इनमें बड़ी संख्या में रक्षा उपकरण निर्माण इकाइयां भी भाग ले रही हैं।

आगरा और गोपालपुर में विशेष वायु रक्षा उपकणों का प्रदर्शन किया जायेगा। इन अभियानों में करीब-करीब वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन किया जा रहा है। इन परीक्षणों में अलग अलग इलेक्ट्रानिक सिमूलेशन को समन्वित कर नयी विकसित प्रौद्योगिकियों की क्षमता का आकलन किया जा रहा है।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में चल रहे परीक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा सभी हितधारकों के साथ बातचीत की। मंत्रालय ने कहा है कि ये परीक्षण भारतीय सेना के परिवर्तन के दशक की वृहद योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है और इनका उद्देश्य उभरती युद्धक परिस्थितियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का तेजी से समावेशन सुनिश्चित करना है।

विज्ञिप्त के अनुसार इन परीक्षणों में अगली पीढ़ी की मानवरहित हवाई प्रणालियां (यूएएस), यूएवी लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (यूएलपीजीएम), रनवे इंडिपेंडेंट (आरडब्ल्यूआई), रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम (आरपीएएस), यूएएस मारक समाधान, यूएवी बम, सीधे ऊंचाई प्राप्त करने वाले स्पेशलाइज्ड वर्टिकल लॉन्च (एसवीएल) ड्रोन, सटीक बहुयुद्धक सामग्री वितरण प्रणालियां, एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), निम्न ऊंचाई पर वायु क्षेत्र की निगरानी के लिये हल्के वजन वाले रडार, वीएसएचओआरएडीएस (अगली पीढ़ी के) आईआर सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू) प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

पेड़ काटने के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्ति का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को स्वच्छ और हरा - भरा रखे। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि नगर पालिका, झालरापाटन ने बीते साल याचिकाकर्ता के खिलाफ झालरापाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि याचिकाकर्ता ने सुभाष नगर में नगर पालिका की ओर से संधारित पार्क से कुछ पेड़ काटे हैं। याचिका में कहा गया कि उसके खिलाफ राजनीतिक द्वेषता से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वहीं, वह अनुसंधान में सहयोग को तैयार है। इसके अलावा, प्रकरण में उसे गिरफ्तार कर पूछताछ जैसा कोई अपराध नहीं है।

इसलिए उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता को सशर्त अग्रिम जमानत का लाभ देते हुए उसे उसी पार्क में पन्द्रह पौधे लगाने को कहा है।

'हाँ, हमने पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्रालय के अधीस्थ एक रिसर्च ग्रुप ने इस महीने कहा था कि चीन ने पाकिस्तान को, भारत के साथ लड़ाई के दौरान, एयर डिफेन्स और सैटेलाइट सपोर्ट उपलब्ध कराया था।

भारतीय सैन्य प्रमुख ने कहा, "हमने सीमा के 300 किमी अंदर स्थित, हवाई हमलों से जबरदस्त सुरक्षित पाकिस्तान के एयर फील्ड्स पर, एक मीटर की सटीकता के साथ, सटीक स्ट्राइक की।"

भारत और पाकिस्तान ने इस लड़ाई के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सोच को प्रभावित करने के लिए दुनिया के अनेक देशों की राजधानियों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। चौहान ने कहा कि संघर्ष विराम अब भी बना हुआ है तथा इसका बना रहना पाकिस्तान की आगे की कार्यवाहियों पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा "हमने अपनी रैडलाइन्स स्पष्ट कर दी हैं।"

बागीदौरा विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने कहा कि आरोपी ही रिश्वत राशि को मौके से लेकर गया था।

प्रकरण में अनुसंधान चल रहा है और यदि उसे जमानत दी गई तो वह साक्ष्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए उसकी जमानत अर्जी खारिज की जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि परिवादी ने एसीबी में शिकायत दी थी कि एमएलए ने टोडाभीम क्षेत्र में स्थित उसकी खानों को लेकर विधानसभा में सवाल लगाए थे। इन सवालों को वापस लेने की एवज में एमएलए 2.50 करोड़ रुपए मांग रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने एमएलए और उसके चचेरे भाई सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

उत्तर पश्चिम राज्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपातकालीन तैयारियों और सुरक्षा प्रशिक्षण के तहत इस ड्रिल का आयोजन किया गया।

उधर राजस्थान में जयपुर में मॉक ड्रिल के दौरान घरों, प्रतिष्ठानों, कार्यालयों और वाहनों की लाइटें बंद कर नागरिकों ने इस प्रयास में विशेष सहयोग दिया। हरियाणा में राज्य भर के 22 जिलों में आयोजित सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल में हवाई हमलों के दौरान आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

विधायक अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण मामले में दो साल की सजा

मऊ, 31 मई। उत्तर प्रदेश की मऊ सदर सीट से विधायक और पूर्व माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण के मामले में शनिवार को यहां विशेष अदालत ने दो साल की कैद और 11 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मऊ सदर विधानसभा सीट से 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान, चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने 03 मार्च 2022 की शाम नगर क्षेत्र के पहाड़पुरा मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि चुनाव के बाद जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को रोककर सबक सिखाया जाएगा। समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार बनने के बाद किसी का तबादला नहीं किया जाएगा।

'सीडीएस के बयान से साफ है कि सरकार देश को गुमराह कर रही है'

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि सरकार को विशेष संसद सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए
- ज्ञातव्य है कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में भारतीय लड़ाकु विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की थी।

नयी दिल्ली, 31 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि है कि सिंगापुर में प्रमुख सेना अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को लेकर जो कुछ कहा है, उससे साफ हो गया है कि सरकार देश को गुमराह कर रही है, इसलिए उसे पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की पूरी स्थिति पर संसद का विशेष सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए।

खड़गे ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई से जुड़े मुद्दे का कोहरा अब छंट रहा है। सिंगापुर में सीडीएस के साक्षात्कार के बाद कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हुए हैं और इन सवालों को पूछना आवश्यक हो गया है, इसलिए सरकार को तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सैन्य कार्रवाई को लेकर अब जो परतें खुलकर सामने आ रही हैं, उनसे साफ है कि मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है। सीडीएस ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में कहा है कि हमारे वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान जरूर हुआ, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं। हमारे सभी जेट विमानों ने निशाना साधते हुए लंबी दूरी की उड़ान भरी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सेना के दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हुये कहा कि सैन्य कार्रवाई के बाद पूरी स्थिति पर एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की मांग है। उनका कहना था कि कारगिल युद्ध के समय एक समीक्षा समिति गठित की गई थी और उसकी तर्ज पर आज भी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति बनाई जानी चाहिये, जो हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा करे।

सेना प्रमुख ने जम्मू में सैन्य तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 31 मई। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू के परगवाल सेक्टर के दौरे के दौरान, परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और ऑपरेशन सिंदूर में पूर्व सैनिकों की भूमिका की सराहना की।

जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने यहां कहा, सीओएएस जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर के परगवाल सेक्टर में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और टाइगर डिवीजन का दौरा किया, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैनिकों की सराहना की।

उन्होंने उभरती सुरक्षा गतिशीलता के जवाब में चुस्त और सतर्क रहने के महत्व पर जोर दिया। सेना प्रमुख ने भारतीय सेना के साथ सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के घनिष्ठ परिचालन एकीकरण की भी प्रशंसा की।

'समर्पित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, आपने देखा है कि पहले सरकारें कैसे चलती थीं, उनकी सोच क्या थी - सबके सामने है। अगर दिन और रात का फर्क हो, तो दिन को ही पसंद करना चाहिए। यही अंतर हमारी और उनकी सरकार में है। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, हमारी सरकार जनसेवा के लिए काम करती है, न कि स्वार्थ के लिए।

'मुझे गर्व है कि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहता हूं। मैं अपने लोगों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने शांति की बात की, हमने कहा, हम उन लोगों के साथ ट्रेड नहीं कर सकते, जो एक दूसरे पर गोली चला रहें हैं और आगे चल के उनमें परमाणु युद्ध भी हो सकता है।

ट्रंप ने कहा, भारत और पाकिस्तान के नेता बहुत महान हैं। वे हमारी बात समझ गए और मान गए और युद्ध रूक गया। यह बयान भारत को पाकिस्तान को समकक्ष रखे जाने के विरूद्ध नई दिल्ली के कूटनीतिक प्रयासों के खिलाफ है।

अमेरिकी प्रशासन भारत और पाक को एक ही वर्ग में रख रहा है। हम दूसरों को लड़ने से रोक रहे हैं, क्योंकि हम उनसे किसी भी अन्य देश के मुकाबले ज्यादा अच्छी तरह लड़ सकते है। हमारे पास विश्व की महानतम सेना और महानतम नेता हैं।

भारत लगातार कह रहा है कि सीजफायर पर सहमति दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स के बीच की वार्ता के बात बनी थी।

अब, कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल 3 जून को वाशिंगटन डीसी पहुंचेगा, जहां वह अमेरिकी सांसदों और अधिकारियों को भारत की आतंकवाद विरोधी नीति और पाकिस्तान के साथ संघर्ष की असलियत से अवगत कराएगा।

भारत की ओर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह भी स्पष्ट किया जा रहा है कि हालिया संघर्ष इस्लामाबाद के आरोपों के विपरीत, भारत की ओर से नहीं, बल्कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था।

'अमेरिका ने एशियाई देशों को अपना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालिया संघर्ष में भारत ने कुछ लड़ाकू विमान खोए हैं।

तथापि, सी.डी.एस. जनरल चौहान ने जोर देकर कहा कि कितने विमान खोए गए, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह ज़रूरी है कि हमने रणनीतिक स्तर पर कुछ गलतियाँ की थीं और उनसे सबक लेकर तत्काल सुधार किया गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने कई भारतीय राफेल विमानों को मार गिराया है।

शांग्री-ला कॉन्फ्रेंस अब एशिया का एक सबसे प्रतिष्ठित और प्रभावशाली सामरिक सम्मेलन बन चुका है, जिसमें पूरे क्षेत्र के शीर्ष रक्षा अधिकारी शामिल होते हैं।

महत्वपूर्ण बात है कि इस वर्ष चीन ने इस संवाद से लगभग दूरी बना ली, और केवल एक शैक्षिणक संस्थान के माध्यम से निम्न स्तर का प्रतिनिधिमंडल भेजा। आम तौर पर चीनी रक्षा मंत्री को सम्मेलन में एक पूरे सत्र के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा है, और पिछले पांच सालों से वो इसमें भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन में उच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व से दूरी बनाना इस बात का संकेत है कि चीन ने जानबूझकर अमेरिका के रक्षा सचिव के साथ संवाद से बचने की रणनीति अपनाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले सम्मेलन के कार्यक्रम में चीनी मंत्री का नाम था जिसे बाद में हटा दिया गया।

पीट हैगसथ का भाषण, जिसमें उन्होंने चीन की गतिविधियों के संदर्भ में एशिया की रक्षा व्यवस्था की बात की, एशियाई देशों के लिए एक नया रक्षा एजेंडा तैयार करता है। उन्होंने कहा कि चीन एशिया की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को बदलने की पूरी कोशिश कर रहा है।

हैगसथ ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों और पूरे समुद्री मार्ग पर कब्जा करने की उसकी कोशिशों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस प्रकार की एकतरफा भू-राजनीतिक दावेदारी को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश "फोर्स मल्टीप्लायर" बनें और अपने सैन्य संसाधनों को बढ़ाएं। उन्होंने नाटो और यूरोप की मिसाल देते हुए कहा, "हम आग्रह नहीं कर रहे, बल्कि हम ज़ोर दे रहे हैं - कि हमारे साझेदार अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करें।"

साथ ही उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि चीन को उत्तर कोरिया का समर्थन प्राप्त है, जो स्वयं अब समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य में, भारत को एशियाई रक्षा संरचना में एक प्रमुख भूमिका निभानी होगी, विशेकर समुद्री क्षेत्र में। चाहे भारत माने या नहीं, लेकिन चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए भारत को इस गठजोड़ का हिस्सा बनना ही होगा।

भारत के लिए यह इसलिए और भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन पाकिस्तान को "ऑल वेदर फ्रैंड" के रूप में इस्तेमाल कर रहा है ताकि भारत की पश्चिमी सीमा पर दबाव डाला जा सके। चीन ने पाकिस्तान को भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और सैन्य सहायता प्रदान की है।

अब तटस्थ बने रहने का समय खत्म हो चुका है, और भारत को इन मुद्दों पर खुले रूप में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

मोदी आक्रामक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थव्यवस्था जैसे अहम आर्थिक मुद्दों से ध्यान भटकाने का भी काम कर रही है। मोदी के भाषणों में राष्ट्रीय गर्व और बाहरी ख़तरों पर ज़ोर दिया जा रहा है, जिससे आर्थिक बहसें पीछे छूट जाती हैं। उनकी यह रणनीति विपक्ष को भी रक्षात्मक मुद्रा में ला देती है; सैन्य रणनीति की कोई भी आलोचना या संघर्षविराम पर सवाल उठाना राष्ट्रविरोधी कहे जाने के खतरे को न्योता देता है, इस लेबल का मोदी पहले भी असहमति को दबाने के लिए प्रभावी ढंग से इस्तेमाल कर चुके हैं। इसके अलावा, इन रैलियों को एक संभावित चुनाव परिणाम की पृष्ठभूमि तैयार करने के कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। यदि भाजपा का प्रदर्शन कमज़ोर रहा, तो मोदी यह तर्क दे सकते हैं कि यह पराजय एक बंटे हुए राष्ट्र या कमज़ोर विपक्ष के कारण थी, न कि नीति की असफलता के कारण। नेता के पीछे एकजुट देश की छवि हारने पर भी उनका राजनैतिक महत्व बनाए रख सकती है। असल में, मोदी की मौजूदा रैली मुहिम एक बहुस्तरीय रणनीति है-जिसका उद्देश्य है उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा की छवि को बचाना, असहमति को दबाना, विदेश नीति और आर्थिक मुद्दों से ध्यान हटाना, और एक उच्च दांव वाले चुनावी माहौल में भाजपा के मुख्य राष्ट्रवादी संदेश को मज़बूत करना।

'बीकानेर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गरिमा को प्राप्त किया। योजनाबद्ध युद्धाभ्यास और क्रियान्वयन से यह सिद्ध किया कि बीएसएफ राष्ट्र की प्रथम रक्षा पंक्ति है। डीआईजी लूथरा ने कहा- हम हर चुनौती को दुश्मन की आंखों में झांकते हुए स्वीकार करते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908